THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 152 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.4/5 2083 मंगलवार, 1 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सिंधु जल संधि विवाद : भारत ने खारिज किया मध्यस्थता अदालत का फैसला

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने सोमवार को विश्व बैंक द्वारा गठित सिंधु जल संधि से जुड़ी मध्यस्थता अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे अवैध रूप से गठित निकाय बताया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस अदालत का भारत के संप्रभु फैसलों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला लागू रहेगा। वहीं, मध्यस्थता अदालत ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि को स्थगित करने के लिए भारत द्वारा दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं और संधि अभी भी पूरी तरह लागू है।

'भारत करा सकता है युद्ध का अंत'

मुलाकात के दौरान ईरान के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से की अपील

बिश्केक, 31 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। इस दौरान भारत-ईरान संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने भी भारत के लिए ईरान के महत्व को रेखांकित किया और भविष्य में व्यापार और दूसरे सेक्टर में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जताई।

इस दौरान ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि भारत अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर ईरान युद्ध का अंत करा सकता है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक शांतिप्रिय नेता भी बताया। ईरान की ओर से जारी रीडआउट में लिखा है, किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन और शंघाई प्लस बैठक के दौरान, इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में हालिया युद्ध के दौरान इस्लामी गणराज्य ईरान को नई दिल्ली द्वारा दिए गए समर्थन और सहयोग की सराहना की और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित करने के लिए राजनयिक प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

क्षेत्रीय घटनाक्रमों के प्रति इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा हमारे प्रशासन की शुरुआत से ही, हमारे प्रयास शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संवाद और वार्ता के माध्यम से मुद्दों को हल करने पर केंद्रित रहे हैं। दुर्भाग्य से, राजनयिक तंत्रों का उपयोग करने के बजाय, अमेरिकियों ने युद्ध, असुरक्षा और बलपूर्वक अपनी इच्छा थोपने का मार्ग चुना है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ईरान ने कभी युद्ध का स्वागत नहीं किया है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लोगों को खतरे और असुरक्षा से बचाएं और उनके लिए शांति, स्थिरता और सुरक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाएं। ईरान समझौतों के दायरे में ली गई अपनी प्रतिबद्धताओं के प्रति प्रतिबद्ध रहा है, लेकिन दुर्भाग्य से, अमेरिकी पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहा है। >12

एसिड अटैक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

खुदरा दुकानों में तेजाब की बिक्री पर बेहद कड़े प्रतिबंध पर विचार, मांगा जवाब

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। तेजाब हमलों से जुड़े एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने खुदरा दुकानों में एसिड की बिक्री को बेहद सीमित करने, यहां तक कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार किया। अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों से इस मामले में जवाब मांगा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि तेजाब हमले के पीड़ितों को पारंपरिक उपचार पद्धतियों से बचाने और इस संबंध में जागरूकता फैलाने में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि सरकार की मौजूदा गाइडलाइंस पुरानी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर बार कदम उठाने की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती।

नेपाल बाढ़ में 10 सेकंड ने बचाई कई जानें

> चेतावनी मिलते ही ऊंचाई की तरफ भागे लोग

> अब तक 919 मौतें, 4200 से ज्यादा लापता

काठमांडू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में 26 अगस्त की बाढ़ के दौरान सिर्फ 10 सेकेंड कई लोगों के लिए जिंदगी और मौत का फर्क बन गए। रसुवा कस्टम ऑफिस के अधिकारी करबीर गैरे ने बाढ़ का पानी आते देखा और लोगों को ऊंचाई की ओर भागने को कहा। करीब 10 सेकेंड बाद तेज बहाव ने आसपास के ढांचे बहा दिए। नेपाल के फ्लड फोरकास्टिंग डिविजन के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे तिब्बत की तरफ से भोटेकोशी में बाढ़ की सूचना मिली। इसके 15-16 मिनट बाद रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और चितवन में करीब 6 लाख एसएमएस अलर्ट भेजे गए। समय पर चेतावनी मिलने से कई लोग सुरक्षित जगह पहुंच सके। नेपाल-तिब्बत में बाढ़ से 919 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले नेपाल में 903 मौतें हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है 4200 से ज्यादा लोग लापता हैं। नेपाल में लापता लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों से डीएनए सैंपल मांगे गए हैं। पुलिस ने माता-पिता और बच्चों से डीएनए देने के साथ लापता व्यक्ति की आखिरी बार देखे जाने की जगह और समय की जानकारी देने को कहा है। नेपाल के बाहर रहने वाले ऐसे लोग, जिनके रिश्तेदार नेपाल में लापता हैं, उन्हें अपने देश में डीएनए प्रोफाइलिंग कराकर रिपोर्ट ईमेल से नेपाल पुलिस को भेजने को कहा गया है।

नेपाल बाढ़ में बहे 4 शव उत्तर प्रदेश में मिले

नेपाल में आई बाढ़ के बाद 4 अज्ञात शव बहकर उत्तर प्रदेश पहुंच गए। ये शव नारायणी-गंडक नदी से यूपी के महाराजगंज जिले में मिले थे। इन्हें नेपाल प्रशासन को सौंप दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, शवों में 3 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

राष्ट्रपति पुतिन से मिले प्रधानमंत्री मोदी

यूक्रेन युद्ध रोकने की मांग; बोले-अब शांति की ओर बढ़ने का वक्त

बिश्केक, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए भारत की ओर से सभी शांतिपूर्ण प्रयासों के समर्थन को दोहराया। मोदी ने कहा कि युद्ध का हर गुजरता दिन मानवता को पीछे धकेल रहा है और अब हिंसा को समाप्त करने की दिशा में गंभीरता से काम करने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध का एक-एक दिन मानवता के लिए नुकसानदेह है और इसे दुनिया आगे बढ़ने के बजाय पीछे जा रही है। मोदी ने सभी पक्षों से शत्रुता समाप्त करने और संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रयास तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। >12

'ये मेरा, वह तुम्हारा' की सोच से ऊपर उठना होगा

मदद करना भारत की परंपरा, विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती : भागवत

टोरंटो, 31 अगस्त (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है।

भागवत ने कहा-भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए। भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए। उन्होंने कहा कि इंसान को फूल की तरह होना चाहिए।

शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमंदर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था।

अधिकारियों ने कहा, एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे कहा, बरामद हथियारों के स्रोत और उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं।

सीजेपी मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

अधिकारियों के पास जाएं, कानून व्यवस्था बनाए रखना उनका काम

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के 5 सितंबर के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी कोई वजह नहीं है कि जिससे अनुमान लगाया जा सके कि कोई अप्रिय घटना घटेगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे अपनी याचिका उनके द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्ष दाखिल करें, जो छात्रों के खिलाफ पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच कर रही है। पीठ ने कहा कि इस मामले को भी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ ही सूचीबद्ध करें, जिन पर 10 सितंबर को सुनवाई होगी।

पीठ ने कहा, 'उनसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने की उम्मीद की जाती है, और कानून लागू करने वाली एजेंसी की यह जिम्मेदारी है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखे और बताए कि क्या गैर-कानूनी है और क्या जायज है। हम उम्मीद करते हैं कि वे उसी दायरे में रहकर काम करेंगे। दोनों पक्षों से उम्मीद है कि वे सम्मान करेंगे, सही व्यवहार करेंगे और देश के कानून का पालन करेंगे।'

सीजेपी ने दिल्ली में एक विरोध मार्च का आह्वान किया है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को किए गए उन वादों को पूरा नहीं किया, जिनके तहत परीक्षा में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ अपना 36 दिन लंबा आंदोलन वापस लेने के लिए मनाया गया था। इससे पहले शहर की पुलिस ने कहा था कि उसे इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जुलूस निकालने के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है, जबकि सीजेपी ने इसकी घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड अधिकारी राजेंद्र सिंह की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील संवैधानिक इलाकों - जैसे इंडिया गेट, सेंट्रल विस्टा और आसपास के क्षेत्रों - में बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करने, मार्च या संगठित प्रदर्शन की तब तक इजाजत न दी जाए, जब तक कि आयोजकों ने जरूरी मंजूरी न ले ली हो।

सोनिया गांधी की किताब नहीं छापेगा पेंगुइन इंडिया

कहा-फैसला किसी प्रेशर की वजह से नहीं लिया राइटर्स की टीम से सहमति नहीं बनी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोनिया गांधी की किताब प्रकाशित नहीं करने के फैसले पर सफाई दी है। पब्लिशर ने कहा कि इस फैसले के पीछे कोई बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' पर चर्चा के दौरान एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। पब्लिशर ने इसके लिए समझौते और लेखक की गोपनीयता का हवाला दिया है। यह सफाई कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरण के भारत में प्रकाशन को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई है। अमेरिका के अल्फ्रेड ए नॉफ ने घोषणा की है कि पेंगुइन रैंडम हाउस की यह इकाई किताब को 10 नवंबर को पूरी दुनिया में जारी करेगी। पीआरएचई की प्रवक्ता पल्लवी नारायण ने कहा, हमारे लिए यह जरूरी है कि आने वाले संस्मरण के बारे में की गई कुछ गलत प्रस्तुतियों को ठीक किया जाए। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया इस किताब को प्रकाशित करने के लिए बहुत उत्सुक था, क्योंकि इसे हासिल करने के लिए हमने काफी प्रयास किए थे।

सऊदी अरब जा रही थी उड़ान : टॉयलेट में मिला बम लिखा टिश्यू पेपर, अहमदाबाद में कराई गई विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी के डम्माम से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब विमान के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। क्रू सदस्य की नजर पड़ने के बाद विमान को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। अहमदाबाद पुलिस के मुताबिक, विमान में 32 यात्री सवार थे और सभी को टर्मिनल-2 पर सुरक्षित उतार लिया गया। फिलहाल विमान की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए विमान को जांच के लिए अलग किया है। अभी तक किसी विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है।

समुद्र में सुरक्षा कवच हुआ मजबूत आईएनएस निपुण नौसेना में शामिल

> नौसेना प्रमुख बोले-खतरे से निपटने को तैयार

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने सोमवार को मुंबई में कहा कि बदलते वैश्विक रणनीतिक माहौल में समुद्री क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री मार्गों पर खतरे और क्षेत्र में बढ़ता सैन्यीकरण भारत के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। ऐसे समय में आईएनएस निपुण के नौसेना में शामिल होने से गहरे समुद्र में गोताखोरी, पनडुब्बी बचाव, आपदा राहत और मानवीय सहायता अभियानों की क्षमता मजबूत होगी।

समुद्री क्षेत्र में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

एडमिरल स्वामीनाथन मुंबई में भारतीय नौसेना में गहरे समुद्र में गोताखोरी करने वाले जहाज आईएनएस निपुण को शामिल किए जाने के मौके पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हम आज रणनीतिक रूप से बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है और खतरों की प्रकृति भी लगातार बदल रही है तथा नए रूप ले रही है। पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल, वैश्विक समुद्री मार्गों पर बढ़ते खतरे और क्षेत्र के देशों द्वारा तेजी से किए जा रहे सैन्य साजो-सामान के विस्तार के बीच पश्चिमी नौसेना कमान समुद्री क्षेत्र में सामने आ रही इन चुनौतियों से निपटने में सबसे आगे रहेगी।

उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि किसी खास समय पर हमारे देश को किन खतरों का सामना करना पड़ सकता है, उनके सटीक स्वरूप का अनुमान लगाना हमेशा संभव नहीं होता। लेकिन हम संभावित खतरों के लिए निश्चित रूप से तैयार रह सकते हैं और ऐसी मजबूत क्षमताएं विकसित कर सकते हैं, जो हमें इन चुनौतियों का मजबूती से सामना करने में सक्षम बनाएं, चाहे वे कहीं से भी पैदा हों।'

आईएनएस निपुण से अंडरवाटर क्षमता होगी मजबूत

नौसेना प्रमुख ने कहा कि देश का पश्चिमी तट पश्चिमी नौसेना कमान के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में आईएनएस निपुण भारतीय नौसेना की बहु-आयामी अभियानों की क्षमता को मजबूत करने के लिए जरूरी विशेष जलमग्न क्षमताओं में महत्वपूर्ण इजाफा करेगा। आईएनएस निपुण में समुद्र की 300 मीटर तक की गहराई में गोताखोरी अभियानों को संचालित करने और उनमें सहायता देने की क्षमता है।

विजय-शाह के 'आतंकवादियों की बहन' केस में एसआईटी जांच पूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला-राज्यपाल को फैसला लेने दीजिए मुकदमे की मंजूरी पर दखल से इनकार

दिल्ली/भोपाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' कहा था। उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई।

एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अभियोजन की मंजूरी के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं किया। राज्यपाल के फैसले का इंतजार करने का रुख अपनाया।

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बताने की मांग वाली याचिका खारिज

> सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने की दी छूट

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें पेट्रोल पंपों पर दिए जाने वाले पेट्रोल में मिलाए गए इथेनॉल की सटीक मात्रा को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि पेट्रोल की रसीद, बिल और अन्य दस्तावेजों पर इथेनॉल का प्रतिशत स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने याचिकाकर्ता और अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित हाई कोर्ट जाने की स्वतंत्रता दी। सुनवाई के दौरान एन. के. गोस्वामी ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार है कि वे जिस पेट्रोल को खरीद रहे हैं, उसमें इथेनॉल की कितनी मात्रा मिलाई गई है। उन्होंने पेट्रोल की रसीद का हवाला देते हुए कहा कि उसमें इथेनॉल का कोई उल्लेख नहीं है और उपभोक्ताओं को ईंधन की संरचना की जानकारी मिलनी चाहिए। गोस्वामी ने यह भी कहा कि पिछली सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को एक प्रयोग बताया था। जबकि बाद में सरकार ने इस तरह का बयान दिए जाने से इनकार करते हुए स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से कुछ आश्वासन देने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को अपनी मांगों और शिकायतों के लिए संबंधित हाई कोर्ट में उचित राहत मांगने की छूट दे दी। याचिका की प्रमुख मांगों में पेट्रोल भरने वाली प्रत्येक नोजल पर पेट्रोल में मौजूद इथेनॉल की सटीक मात्रा को स्पष्ट और एक समान तरीके से प्रदर्शित करना शामिल था। इसके अलावा, पेट्रोल की हर रसीद, बिल या चालान में भी इथेनॉल का प्रतिशत स्पष्ट रूप से लिखने की मांग की गई थी।

याचिका में एक आधिकारिक और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वाहन-वार अनुकूलता डेटाबेस तैयार करने की भी मांग की गई थी। इसमें निर्माता, मॉडल, इंजन प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर यह जानकारी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव था कि कौन-सा वाहन इथेनॉल के किस मिश्रण के लिए उपयुक्त है। याचिकाकर्ता ने पुराने और इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों के लिए एक पारदर्शी बदलाव व्यवस्था तैयार करने की भी मांग की।

इसमें तकनीकी, आर्थिक और लॉजिस्टिक रूप से संभव होने पर कम इथेनॉल वाले पेट्रोल की उपलब्धता पर विचार करने का सुझाव दिया गया था।

दिल्ली में निर्भया जैसा कांड : 47किमी तक चलती बस में हुई किशोरी से दरिंदगी

वीडियो आया सामने; वाहन जब्त

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। चार अगस्त की रात एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा से स्लीपर बस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घटना 4 अगस्त की रात हुई थी। अपराध में इस्तेमाल की गई स्लीपर बस को जब्त कर लिया गया है। बस की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा से कश्मीर गेट के बीच चलने वाली बस में हुई वारदात

देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर निर्भया जैसा कांड सामने आया है। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के कश्मीरी गेट के बीच चलने वाली एक स्लीपर बस में यह वारदात हुई। बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर चालक और कंडक्टर ने सामूहिक दुष्कर्म किया। मामला दिल्ली के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों आरोपी चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 4 अगस्त 2026 की बताई गई है। वारदात में इस्तेमाल की गई बस को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

11वीं की छात्रा है पीड़िता

पीड़िता मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। छात्रा 3 अगस्त 2026 को अपने घर से बिना बताए निकली थी। वह पढ़ाई को लेकर मां की डांट से नाराज थी। उसका इरादा नोएडा सेक्टर-63 में रहने वाले अपने चचेरे भाई के घर जाने का था।

3 अगस्त को घर से निकली थी पीड़िता

पीड़िता 3 अगस्त 2026 को अपने घर से निकली थी। वह नोएडा सेक्टर-63 में रहने वाले अपने चचेरे भाई के घर जा रही थी। इसी दौरान वह ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के लिए स्लीपर बस में सवार हुई। बस में ही चालक और कंडक्टर ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह गंभीर वारदात 4 अगस्त 2026 को हुई। मामले की जानकारी मिलते ही कश्मीरी गेट थाना पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से जांच शुरू की। दोनों आरोपी चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस स्लीपर बस में वारदात हुई थी, उसे भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

क्या था दिल्ली का निर्भया कांड

16 दिसंबर 2012 को दिल्ली के वसंत विहार में एक चलती बस में निर्भया के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उसे मरने के लिए सड़क पर फेंक दिया गया था। इस दौरान उसके साथ उसका साथी अवनींद्र भी उसी बस में सवार था। घटना के सात साल तीन महीने बाद निर्भया को इंसाफ मिला था।

निर्भया के गुनहगारों में अक्षय ठाकुर, मुकेश सिंह, विनय शर्मा और पवन गुप्ता सहित छह लोग शामिल थे। इसमें रामसिंह नामक एक आरोपी ने जेल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी और एक नाबालिग को सुधार गृह से रिहा कर दिया गया था। वहीं निर्भया के चारों गुनहगारों अक्षय ठाकुर, मुकेश सिंह, विनय शर्मा और पवन गुप्ता को 20 मार्च 2020 की सुबह 5.30 बजे फांसी पर लटका दिया गया था।

सरकारी टीचर ने दी मौत की 'सजा'

किताब लाना भूली छात्रा, शिक्षक ने दिया ऐसा दंड चली गई 10 साल की बच्ची की जान

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से एक बेहद दर्दनाक और व्यवस्था को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर इलाके में स्थित एक सरकारी स्कूल की 10 वर्षीय छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बच्ची के परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर अमानवीय व्यवहार का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि स्कूल में किताब न लाने पर बच्ची को कड़ी सजा दी गई और उसे चिलचिलाती धूप में खड़ा रखा गया, जिसके कारण उसकी तबीयत बिगड़ी और अंततः उसकी जान चली गई।

पुलिस सूत्रों से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना 27 अगस्त को पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर स्थित 'सर्वोदय कन्या विद्यालय' में घटी। मृतका की मां अंजलि ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही और क्रूरता का आरोप लगाया है। अंजलि ने बताया कि घटना वाले दिन स्कूल से उनके पास फोन आया था कि उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई है। जब वह बदहवास हालत में स्कूल पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि उनकी बच्ची तेज धूप में खड़ी थी और उसकी हालत बेहद खराब थी। परिजनों का सीधा आरोप है कि महज एक किताब न लाने की वजह से शिक्षकों ने उसे सजा के तौर पर धूप

साढ़े तीन साल के मासूम से हैवानियत पर एक्शन!

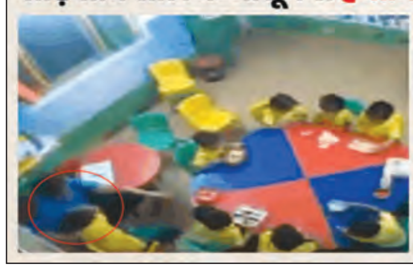

- प्ले स्कूल का सामने आया सीसीटीवी फुटेज
- 1500 रुपये देकर मिला था एक्सेस
- निदेशक, प्रिंसिपल, टीचर्स और आया पर केस

खबरें जरा हटके

आसमान के सबसे करीब बसा भारत का ये गांव, जहां जिंदगी आसान नहीं, फिर भी मुस्कुराते हुए जीते हैं लोग!

हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी अपनी बर्फीली पहाड़ियों, ठंडे रेगिस्तान और बेहद ऊंचाई वाले गांवों के लिए दुनिया भर में जानी जाती है. इसी घाटी में स्थित कोमिक गांव इन दिनों एक वायरल व्लॉग की वजह से इंटरनेट पर चर्चा में है. यूट्यूबर के करीब चार महीने पुराने वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है. वीडियो में उन्होंने बेहद ऊंचाई पर बसे इस गांव की जिंदगी और वहां रहने वाले लोगों की रोजमर्रा की चुनौतियों को करीब से दिखाया है. समुद्र तल से करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित कोमिक में सामान्य मैदानी इलाकों के मुकाबले हवा काफी विरल होती है. यहां पहुंचने वाले बाहरी लोगों को कम ऑक्सीजन की वजह से सांस लेने में परेशानी महसूस हो सकती है. वीडियो में भी यात्रा के दौरान ऑक्सीजन लेवल में गिरावट का अनुभव दिखाया गया है. हालांकि, स्थानीय लोगों का शरीर पीढ़ियों से इस ऊंचाई के वातावरण के अनुकूल होता आया है.

कोमिक में सर्दियों के दौरान तापमान बेहद नीचे चला जाता है. ऐसे मौसम में यहां के पारंपरिक घर स्थानीय जीवनशैली और परिस्थितियों के अनुसार बनाए जाते हैं. मोटी मिट्टी की दीवारें घर के अंदर तापमान बनाए रखने में मदद करती हैं. पेड़ों की कमी के कारण ईंधन जुटाना भी आसान नहीं है. इसलिए स्थानीय लोग पशुओं के गोबर को सुखाकर ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं. इससे खाना पकाने के साथ-साथ घर के अंदर गर्माहट बनाए रखने में भी मदद मिलती है. सर्दियों में पानी जमने की समस्या के कारण यहां जीवन की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी स्थानीय लोगों ने अपने तरीके विकसित किए हैं. ऊंचाई पर होने के बावजूद गांव में पानी की व्यवस्था प्रकृति पर ही काफी हद तक निर्भर है. आसपास के ग्लेशियर और प्राकृतिक जलस्रोत स्थानीय लोगों के लिए पानी का अहम जरिया हैं. खाने में यहां के लोग स्थानीय अनाज और डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं। जौ, घी, पनीर और दूसरे पारंपरिक खाद्य पदार्थ ठंडे मौसम में ऊर्जा देने वाले भोजन का हिस्सा हैं.

यहां गाय-बकरी नहीं, बारहसिंघा का दूध पीते हैं लोग, दुनिया में है सबसे अनोखा मिल्क!

मंगोलिया की ठंडी और कठिन जलवायु में जीवन आसान नहीं है. उत्तर के टैगा क्षेत्रों में तापमान बहुत कम हो जाता है और संसाधन सीमित रहते हैं. ऐसी परिस्थितियों में एक खास समुदाय रहता है जो गाय-भैंस या बकरी के बजाय रेनडियर पालता है. हिंदी में इसे कभी-कभी बारहसिंघा कह दिया जाता है हालांकि वैज्ञानिक रूप से यह रेनडियर (रंगिफर टारंडस) है. इन लोगों को दुखा या त्सातान कहा जाता है. वे रेनडियर का दूध निकालकर पीते हैं और इसे दुनिया के अनोखे मिल्क्स में गिना जाता है. दुखा समुदाय मंगोलिया के खोव्सगोल प्रांत के जंगली और पहाड़ी इलाकों में घुमंतू जीवन जीता है. वे रेनडियर को मुख्य रूप से दूध, परिवहन और ऊन के लिए पालते हैं. दूध निकालना महिलाओं का काम होता है. सुबह बछड़ों को बांध दिया जाता है ताकि मां का दूध जमा हो. दोपहर बाद दूध दुहा जाता है. बचे हुए दूध को बछड़ों के लिए छोड़ दिया जाता है. रेनडियर का दूध गाढ़ा, पौष्टिक और खास स्वाद वाला होता है. इसमें फैट और प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है जो ठंडे मौसम में ऊर्जा प्रदान करती है. लोग इसे चाय में मिलाकर पीते हैं, दही, पनीर और यहां तक कि ब्रेड भी बनाते हैं. रेनडियर मिल्क ब्रेड इस समुदाय की खास पहचान है. दूध को नदी के ठंडे पानी में रखकर सुरक्षित रखा जाता है. मांस की बात करें तो दुखा लोग रेनडियर को आसानी से नहीं मारते. वे इसे परिवार का हिस्सा मानते हैं. मांस तभी खाया जाता है जब जानवर स्वाभाविक रूप से मर जाए. आहार मुख्य रूप से दूध उत्पादों, जंगली शिकार और अन्य उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है. रेनडियर पर सवारी भी की जाती है और सामान ढोने के काम आता है. यह जीवनशैली बेहद कठिन है. सर्दी में तापमान माइनस में चला जाता है. भेड़ियों से सुरक्षा, चारे की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं से दूरी चुनौतियां पैदा करती है. फिर भी समुदाय अपनी परंपराओं को बचाए रखने की कोशिश कर रहा है. युवा पीढ़ी को दूध दुहने और डेयरी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि ज्ञान आगे बढ़े.

घटती जा रही थी जापान की जनसंख्या, महिला बनी बच्चे पैदा करने की मशीन, एक के बाद पैदा किये सात बच्चे!

जापान की जनसंख्या लगातार घट रही है. जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है. बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है जबकि बच्चों की संख्या कम हो रही है. ऐसे में सोशल मीडिया पर एक जापानी महिला की स्टोरी तेजी से वायरल हो रही है. महिला ने एक के बाद एक सात बच्चे पैदा किए हैं. उनका कहना है कि वे देश की घटती जनसंख्या से चिंतित थीं इसलिए उन्होंने ज्यादा बच्चे पैदा करने का फैसला किया ताकि पॉपुलेशन बढ़ाने में मदद मिल सके. महिला जापान की निवासी बताई जा रही है. उन्होंने अपने सातवें बच्चे के जन्म की घोषणा सोशल मीडिया पर की. पोस्ट में उन्होंने डॉक्टरों, मिडवाइव्स और नर्सेस का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने डिलीवरी में उनका साथ दिया. उन्होंने अन्य जापानी महिलाओं को भी बच्चों को जन्म देने के लिए प्रोत्साहित किया है. उनका कहना था कि अब समय आ गया है और देश का भविष्य महिलाओं पर निर्भर करता है जो अगली पीढ़ी को पालने में सक्रिय भूमिका निभाएं. ये स्टोरी इसलिए चर्चा में है क्योंकि जापान गंभीर जनसंख्या संकट से जूझ रहा है. 2024 में जापानी नागरिकों के यहां पैदा हुए बच्चों की संख्या पहली बार सात लाख से नीचे चली गई. आंकड़े 6.86 लाख के आसपास रहे जो पिछले साल से काफी कम हैं. कुल फर्टिलिटी रेट यानी एक महिला के जीवन में औसतन बच्चों की संख्या 1.15 या उससे भी कम हो गई है. स्थिर जनसंख्या के लिए 2.1 की दर जरूरी मानी जाती है. मौतों की संख्या जन्मों से दोगुनी से ज्यादा हो गई है. नतीजा ये कि जापान की कुल जनसंख्या हर साल लाखों में घट रही है. सरकार और विशेषज्ञ सालों से इस समस्या से निपटने की कोशिश कर रहे हैं.

नेपाल बाढ़ : एक जिला, दो सौ से ज्यादा गुमनाम शव डीएनए सुरक्षित कर कब्रों में किया जा रहा दफन

काठमांडो, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 903 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोग बहकर देश के निचले इलाकों में पहुंच गए। नेपाल के चितवन जिले में अधिकारियों ने शवों की पहचान होने से पहले ही उन्हें अस्थायी कब्रों में दफनाना शुरू कर दिया है। इसे लेकर हिंदू अंतिम संस्कार की परंपराओं की अनदेखी किए जाने के आरोप भी लग रहे हैं।

दक्षिण-मध्य नेपाल के चितवन जिले में आपदा की भयावहता का अंदाजा करीब 250 शवों के पहचान के इंतजार और उन्हें अस्थायी रूप से दफनाने के लिए जल्दबाजी में खोदे गए गड्ढों से लगाया जा सकता है। बाढ़ के केंद्र से भोटेकोशी नदी में बहकर शव सैकड़ों किलोमीटर दूर चितवन पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, फॉरेंसिक टीमों पर बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को करीब 100 शवों को अस्थायी रूप से दफनाया गया।

शवों को दफनाने से पहले लिए जा रहे डीएनए के नमूने

शवों को लेकर वाहनों का काफिला घने और हरे-भरे जंगल वाले इलाके में पहुंचा। वहां एक खुदाई मशीन ने लाल मिट्टी में चौड़ी खाई खोदी, जबकि अधिकारी और मीडिया के लोग मौके पर मौजूद रहे। शवों की व्यवस्था का समन्वय कर रहे पुलिस निरीक्षक अनिल थापा ने बताया कि रविवार को संभावित दफन से पहले 50 और शवों के डीएनए नमूने लिए जा रहे थे। थापा ने कहा कि अधिकारी डीएनए नमूनों को सुरक्षित रख रहे हैं। साथ ही, चेहरे की पहचान से जुड़े विशेष निशानों की तस्वीरें और पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी दर्ज की जा रही है। प्रत्येक शव को एक संदर्भ संख्या दी जा रही है, ताकि बाद में परिवार उसे पहचानकर अपने कब्जे में ले सकें।

क्यों शवों को दफनाने पर मजबूर हुआ प्रशासन?

उन्होंने बताया कि कई शव करीब चार दिनों तक बाढ़ के पानी में डूबे रहे थे। बरामद किए जाने तक उनमें सड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। इलाके में कई घर, वाहन और खेती में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टर अब भी कीचड़ में आंशिक रूप से दबे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जिले में फॉरेंसिक सुविधाओं की कमी और शवों को रखने की सीमित क्षमता ने बड़ी संख्या में बरामद शवों के प्रबंधन की चुनौती को और बढ़ा दिया है। ज्यादा नमी और तेज गर्मी से शवों के सड़ने की प्रक्रिया भी तेज हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि शवों को खुले में छोड़ने से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

फैमिली कोर्ट जजों की याचिका खारिज

एनजीटी सदस्यों के कार्यकाल पर आठ सितंबर से पहले सुनवाई

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के सात फैमिली कोर्ट जजों की उस याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया, जिसमें उन्हें हाईकोर्ट के जज के रूप में पदोन्नति के लिए विचार किए जाने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि समस्या फैमिली कोर्ट के लिए अलग कैडर बनाए जाने से जुड़ी है।

पीठ ने कहा कि पहले के फैसलों में इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि जब तक परिस्थितियों या कानूनी स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता, तब तक पुराने फैसले पर दोबारा विचार करने का आधार नहीं बनता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता संबंधित हाईकोर्ट और राज्य सरकार से फैमिली कोर्ट के पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति के नियमों में बदलाव की मांग कर सकते हैं। अदालत ने इसे मुख्य रूप से नीतिगत मामला बताया। शीर्ष अदालत के पहले के फैसले के मुताबिक फैमिली कोर्ट के जज सामान्य अर्थ में जज हो सकते हैं, लेकिन वे राज्य की न्यायिक सेवा का हिस्सा नहीं हैं और संविधान के अनुच्छेद 217 के तहत 'न्यायिक पद' धारण करने वाले नहीं माने जाते। इसलिए उन्हें हाईकोर्ट में पदोन्नति के लिए विचार किए जाने का अधिकार नहीं है।

दिल्ली एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

47.7 लाख नाम कटे, तीन आसान तरीकों से चेक करें अपना नाम

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है। ड्राफ्ट जारी करने की तारीख में तीन बार बदलाव के बाद इसे अब प्रकाशित किया गया है। रिवाइज की गई नई टाइमलाइन के मुताबिक, अंतिम मतदाता सूची अब 27 अक्टूबर के बजाय 4 नवंबर को जारी की जाएगी। दिल्ली में एसआईआर के तहत मतदाताओं की जानकारी जुटाने का चरण सोमवार को पूरा हो गया। करीब डेढ़ महीने चले इस अभियान के दौरान 97.51 लाख मतदाताओं के फॉर्म जमा कर आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड किए गए। यह संख्या एसआईआर शुरू होने के समय दर्ज 1.45 करोड़ मतदाताओं की करीब 67 फीसदी है। वहीं बाकी 47.58 लाख मतदाता यानी कुल मतदाताओं के करीब 33 फीसदी ऐसे पाए गए जिनके फॉर्म उपलब्ध नहीं हो सके। इनमें वे लोग शामिल हैं जो घर पर नहीं मिले, कहीं और चले गए हैं या उनकी मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा डुप्लीकेट नाम और 'अन्य' कारणों से दर्ज मतदाता भी इसमें शामिल हैं। इन मतदाताओं को 'अनकलेक्टिबल' (जिसकी जानकारी/फॉर्म उपलब्ध नहीं हो सका) के तौर पर चिह्नित किया गया है और ड्राफ्ट सूची से उनके नाम हटाए जाएंगे। इसका मतलब है कि राजधानी में हर तीन में से करीब एक मतदाता का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हट सकता है।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड : आरोपियों को सुप्रीम झटका

बरकरार रखा बॉम्बे हाईकोर्ट का जमानत रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2025 के गोवा नाइटक्लब अग्निकांड मामले में तीन आरोपियों को दी गई जमानत रद्द करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। इस अग्निकांड में 25 लोगों की मौत हुई थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने नाइटक्लब के मालिक सौरव लूथरा, गौरव लूथरा और उनके कारोबारी साझेदार अजय गुप्ता को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को दिए क्या निर्देश?

शीर्ष अदालत ने निचली अदालत को मामले की सुनवाई में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। छह दिसंबर 2025 को अर्पोरा स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लग गई थी। हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हुए थे। 18 अगस्त को बॉम्बे हाईकोर्ट ने तीनों आरोपियों की जमानत रद्द कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत ने जांच के दौरान जुटाई गई सामग्री पर उचित तरीके से विचार नहीं किया और यह मानने में गलती की कि अपराध हत्या या डकैती जितना गंभीर नहीं था।

हाईकोर्ट ने किस आधार पर रद्द की थी आरोपियों की जमानत?

हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री से संकेत मिलता है कि रेस्तरां बिना जरूरी लाइसेंस के संचालित हो रहा था और उसका ढांचा अनधिकृत था। अदालत ने यह भी कहा था कि आरोपियों और उनके साझेदारों को परिसर में पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना आग से जुड़े प्रदर्शन करने के जोखिम की कथित तौर पर जानकारी थी।

लूथरा बंधु और अजय गुप्ता 'एम/एस बीइंग जीएस हॉस्पिटैलिटी अर्पोरा एलएलपी' में साझेदार थे। यही कंपनी नाइटक्लब का संचालन करती थी। तीनों को इस साल अप्रैल में निचली अदालत ने जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में तीनों आरोपियों को दो सप्ताह के भीतर सत्र अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। गोवा सरकार ने आरोपियों को जमानत देने के सत्र अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

'राहुल ही बनेंगे देश के अगले पीएम'

टीवीके ने साथ नहीं दिया तो पद छोड़ देंगे दोनों मंत्री; कांग्रेस की धमकी

चेन्नई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री एस. राजेश कुमार ने कांग्रेस और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के बीच गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर टीवीके 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार नहीं करती है, तो कांग्रेस के दोनों मंत्री राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देंगे।

राजेश कुमार ने रविवार को कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि कांग्रेस 2029 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को ही प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर समर्थन देगी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने रुख से समझौता नहीं करेगी। राजेश कुमार के साथ उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन भी तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी टीवीके के कई मंत्री, विधायक और नेता मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने की वकालत कर रहे हैं। इसी बीच राजेश कुमार का बयान कांग्रेस और टीवीके के बीच मतभेद बढ़ने का संकेत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन सहयोगी राहुल गांधी की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करता है, तो वह और पी. विश्वनाथन अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस ने मई में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का फैसला किया था। इसके बाद कांग्रेस को राज्य मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया गया। अब राहुल गांधी की उम्मीदवारी को लेकर कांग्रेस के इस सख्त रुख से दोनों दलों के बीच गठबंधन की राजनीति में नई चुनौती पैदा हो सकती है। पी. विश्वनाथन से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

अंकित बालियान हत्याकांड : पुलिस एनकाउंटर में दोनों शूटर ढेर

सोनीपत, 31 अगस्त (एजेंसियां)। शामली में हरियाणवी गायक अंकित बाल्यान की गोली मार कर हत्या करने के मामले में यूपी पुलिस ने दो शूटरों का एनकाउंटर किया है। पुलिस मुठभेड़ में बदमाशों ने भी पुलिस पर फायरिंग कर दी। औद्योगिक खेत्र में हुई इस मुठभेड़ में एक गोली पुलिस की गाड़ी व दो पुलिसकर्मियों को लगी। पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में हत्या में शामिल चार शूटरों में से दो बदमाश ढेर हो गए। मृतकों में ककरोई हाल टीडीआई कुंडली निवासी सुमित (22) व जटवड़ा हाल बैयापुर खुर्द निवासी मोहित (24) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, अंकित बालियान की हत्या के बाद दोनों शूटर बागपत के रास्ते लोनी की ओर फरार हुए थे। सोमवार सुबह दोनों औद्योगिक क्षेत्र से होते हुए सोनीपत जाने की फिराक में थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 1 सितंबर, 2026

सुविचार: जो मिलना है मिलकर रहेगा। समय से पहले ना मिला है ना समय के बाद ।

‘1000 दिनों में जनता के लिए काम किया, केसीआर एक दिन भी काम करके दिखाएं’ : रेवंत रेड्डी

गरीबों, महिलाओं, किसानों और विद्यार्थियों के लिए सरकार ने किए कई फैसले

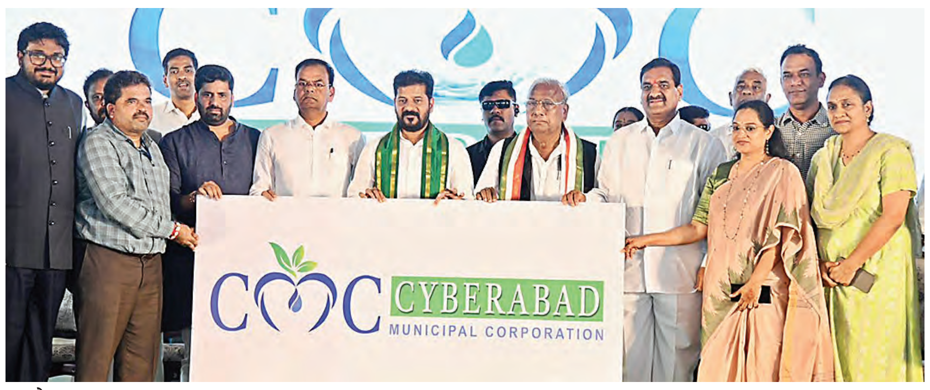

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 1000 दिनों में उनकी सरकार ने गरीबों, महिलाओं, किसानों, विद्यार्थियों, दलितों और आदिवासियों के कल्याण के लिए अनेक फैसले किए हैं। उन्होंने चुनौती दी कि दस वर्षों के शासन और वर्तमान सरकार के 1000 दिनों के कार्यों पर विधानसभा में खुली चर्चा के लिए वह तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केसीआर को तेलंगाना के हितों और अपनी सरकार के कामकाज पर विश्वास है तो उन्हें विधानसभा में आकर चर्चा करनी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार महिलाओं के नाम पर इंदिरम्मा मकान दे रही है और अब तक 15 लाख राशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं। राज्य में 3 करोड़ 48 लाख लोगों को छह किलो बारीक चावल उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इनमें बीआरएस के लोग भी शामिल हैं, लेकिन वे सरकार की आलोचना करते हुए उसी योजना का लाभ उठा रहे हैं। सरकार 7 लाख इंदिरम्मा मकानों का निर्माण कर रही है, जबकि हैदराबाद में गरीबों के लिए एक लाख मकान बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरदार सर्वाई पापन्ना की प्रतिमा सचिवालय के सामने और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा नेकलेस रोड पर स्थापित की।

उन्होंने शीकांत चारी की मां शंकरम्मा को महिला आयोग की सदस्य बनाने तथा वीरनारी चाकली इलम्मा के नाम पर महिला विश्वविद्यालय का नाम रखने का उल्लेख किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार ने 1000 दिनों में अनुसूचित जाति वर्गीकरण का समाधान किया और तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग जाति जनगणना कर केंद्र को चुनौती दी।

गिग श्रमिकों के लिए नीति के साथ खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और देवस्थान विभागों से संबंधित नीतियां भी लाई गईं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर 1000 दिनों तक विपक्ष के नेता के रूप में जनता के बीच सक्रिय नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस दौरान उनकी सुरक्षा और सुविधाओं पर सरकार ने 21 करोड़ रुपये खर्च किए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि छह दिनों तक विपक्ष के नेता के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे और 6 सितंबर को इंदिरा पार्क में विरोध कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 7 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में वह विपक्ष के सामने सभी मुद्दों पर जवाब देंगे।

सीएम रेवंत ने मूसारामबाग ब्रिज का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अंबरपेट में नवनिर्मित मूसा रामबाग पुल का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के अवसर पर सांसद असदुद्दीन ओवैसी और विधायक मालरेड्डी रंगा रेड्डी, कालेरू वेंकटेश, श्री गणेश, नवीन यादव, बालाला और अन्य उपस्थित थे। मूसी नदी में बाढ़ के कारण होने वाली बाधाओं को रोकने के लिए इस नए पुल का निर्माण किया गया है।

1.5 लाख क्यूसेक तक के बाढ़ प्रवाह को सहन करने के लिए डिज़ाइन किया गया यह पुल, मानसून के मौसम में वाहन चालकों को होने वाली कठिनाइयों को कम करते हुए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

भू-भारती से दशकों पुरानी भूमि समस्याओं का होगा स्थायी समाधान : पोंगुलेटी

780 किसानों को 1,378 एकड़ भूमि के पट्टेदार पासबुक वितरित

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार किसानों और भूमि मालिकों की दशकों पुरानी भूमि समस्याओं का एक-एक कर समाधान कर उन्हें भरोसा दिला रही है। उन्होंने कहा कि भू-भारती पुनः सर्वेक्षण के माध्यम से भूमि संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा रहा है।

महबूबाबाद जिले के केसामुद्रम मंडल के नारायणपुर में करीब 60 वर्षों से लंबित असाइन्ड भूमि की समस्या का पुनः सर्वेक्षण के जरिए समाधान करते हुए मंत्री ने 780 किसानों को 1,378 एकड़ भूमि के भू-आधार युक्त पट्टेदार पासबुक वितरित किए। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में करीब 125 वर्ष पहले भूमि सर्वेक्षण हुआ था, जिसके बाद अब तक व्यापक सर्वेक्षण नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश तथा अलग तेलंगाना राज्य बनने के बाद दस वर्षों तक सत्ता में रही पिछली सरकार ने भी भूमि के समग्र सर्वेक्षण की दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनने के बाद भूमि समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण सुधार शुरू किए गए हैं। पिछली सरकार द्वारा लाए गए धरणी के स्थान पर भूमि मालिकों के हितों की रक्षा के लिए भू-भारती कानून लाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक इंच भूमि का सर्वेक्षण कर किसानों और भूमि मालिकों को क्यूआर कोड और मानचित्र से युक्त पट्टेदार पासबुक उपलब्ध कराई जा रही हैं।

चार दिन पहले तुंगतुरती में 13 गांवों के किसानों को 3,400 एकड़ भूमि के पट्टे दिए गए और अब नारायणपुर में 780 किसानों को पासबुक वितरित की गई हैं। नारायणपुर में पूर्वजों के समय से खेती की जा रही करीब 150 एकड़ असाइन्ड भूमि की समस्या का भी जल्द समाधान करने का उन्होंने आश्वासन दिया। पोंगुलेटी ने कहा कि सरकार दूरदराज के क्षेत्रों तक भी कल्याणकारी योजनाएं पहुंचा रही है और इंदिरम्मा आवास योजना में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 25 लाख एकड़ भूमि गरीबों में वितरित की है।

उन्होंने बीआरएस पर निशाना साधते हुए कहा कि दस वर्ष सत्ता में रहने के दौरान जनता की भूमि समस्याओं की अनदेखी करने वाली विपक्षी पार्टी को अब सरकार की आलोचना करने का नैतिक अधिकार नहीं है।

मियापुर में 10वीं क्लास के छात्र ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मियापुर के सुभाष चंद्र बोस नगर में 10वीं क्लास के एक 16 साल के छात्र ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मल्लिकार्जुन (16) के तौर पर हुई है, जो इलाके में अपने माता-पिता के साथ रहता था। मिली जानकारी के अनुसार, वह पढ़ाई में आ रही दिक्कतों से परेशान था और उसने घर पर यह कदम उठाया। सूचना मिलने पर मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को गांधी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सीपी ने नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का किया निरीक्षण

डॉ. एम. रमेश ने स्वयं आंखों और रक्तचाप की जांच कराई

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल और ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साइबराबाद स्थित सीएआर मुख्यालय सीटीसी में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने सोमवार को निरीक्षण किया। इस अवसर पर सीपी डॉ. एम. रमेश ने स्वयं आंखों और रक्तचाप की जांच कराई तथा शिविर में पुलिसकर्मियों, उनके परिवार के सदस्यों और आम लोगों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों से बातचीत कर शिविर में की जा रही विभिन्न स्वास्थ्य जांचों और उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की जानकारी ली। इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में कद, वजन, बीएमआई, ईसीजी, आंखों की जांच, दंत जांच सहित विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण नि:शुल्क किए जा रहे हैं। बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष नेत्र जांच की व्यवस्था की गई है। जरूरतमंद लोगों के लिए फिजियोथेरेपी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर सीपी ने कहा कि पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के दौरान लगातार तनाव और कार्यभार का सामना करते हैं। इसलिए उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने प्रत्येक पुलिसकर्मी को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। 31 अगस्त से 5 सितंबर तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक साइबराबाद सुरक्षा परिषद परिसर में यह नि:शुल्क चिकित्सा शिविर जारी रहेगा। कार्यक्रम में प्रशासनिक पुलिस उपायुक्त श्रीमती अन्नपूर्णा, साइबराबाद सुरक्षा परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवीद, मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शमीर के अलावा सीटीसी के चिकित्सक सुकुमार और सरिता, अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तथा चिकित्सा दल के सदस्य उपस्थित रहे।

पोक्सो मामले में आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

त्वरित विशेष न्यायालय का फैसला, 10 हजार रुपये जुर्माना भी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ पुलिस थाना क्षेत्र से जुड़े नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में रंगारेड्डी जिला स्थित एल.बी. नगर के दुष्कर्म एवं पोक्सो अधिनियम मामलों की सुनवाई एवं निपटारे के लिए गठित विशेष त्वरित न्यायालय ने सोमवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी सैयद मुकरम (26 वर्ष), पेशा ऑटो चालक, निवासी सोहैब कॉलोनी, एर्राकुंटा, बालापुर मंडल, रंगारेड्डी जिला को दोषी करार दिया। यह फैसला पहाड़ीशरीफ पुलिस थाना अपराध संख्या 723/2023 तथा सत्र वाद संख्या 180/2024 में सुनाया गया। न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा पीड़िता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया गया। 18 दिसंबर 2023 को 16 वर्षीय पीड़िता की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी 16 दिसंबर 2023 को लापता हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए पीड़िता का पता लगा लिया। जांच के दौरान पीड़िता ने बताया कि उसकी पहचान ऑटो चालक सैयद मुकरम से हुई थी। उसके संपर्क करने पर आरोपी उसे अपने घर ले गया और शादी का झांसा देकर उसके साथ बार-बार यौन अपराध किया। पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एन) और 366 तथा पोक्सो अधिनियम, 2012 की धाराओं 5(एल) और 6 के तहत आरोप तय किए। सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आज सजा सुनाई। मामले में दोषसिद्धि के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से की गई गहन जांच तथा लगातार कानूनी पैरवी की सराहना की गई।

डीजीपी ने पुलिसकर्मियों के परिवारों को सौंपे 3 करोड़ रुपये के चेक

दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को राहत

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने सोमवार को ड्यूटी के दौरान अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले तीन पुलिसकर्मियों के परिवारों को कुल 3 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। डीजीपी ने अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में तीनों परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये के बीमा चेक सौंपे।

सशस्त्र रिजर्व के वर्ष 2018 बैच के कांस्टेबल मुत्थंगी शीनिवास की 3 फरवरी 2025 को शंकरपल्ली थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। डीजीपी सी. वी. आनंद ने उनके पिता मुत्थंगी यादैया को एक करोड़ रुपये का बीमा चेक सौंपा। नलगोंडा जिले के कनगल पुलिस थाने में तैनात वर्ष 2004 बैच के पुलिस हेड कांस्टेबल बोलेपल्ली सैदुलु की 3 जून 2025 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

वहीं, वारंगल स्थित पुलिस मुख्यालय में तैनात सशस्त्र रिजर्व पुलिस कांस्टेबल के. वेंकट रेड्डी ड्यूटी से लौटते समय लॉरी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे और 10 मार्च 2026 को उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस विभाग के अनुसार, तीनों पुलिसकर्मियों के बीमा खाते भारतीय स्टेट बैंक में थे। बैंक अधिकारियों के साथ समन्वय कर बीमा दावों की प्रक्रिया पूरी की गई और संबंधित परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। इस अवसर पर डीजीपी सी. वी. आनंद ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों के साथ तेलंगाना पुलिस विभाग हमेशा खड़ा रहेगा। उन्होंने परिवारों के कल्याण के लिए विभाग की ओर से भविष्य में भी आवश्यक सहयोग और सहायता जारी रखने का भरोसा दिलाया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HIRUMONI ROY is spouse of No- 22056226Y, Rank- SEP, MANJIT ROY, R/o. Vill- Barapeta, Po- Mainamata, Teh- Kharija Bijni, Dist- Baksa, State – Assam. I have to change my Name from – HIRUMONI ROY to HIRUMONI NATH For all purpose vide affidavit dated: 29-08-2026.

I, Adake Shankar V, Father of No. 14856276 A, SEP, Adake Vishant Shankar, R/o, Vill & PO : Walwa, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Adake Shankar V to Shankar Vasant Adake, vide Affidavit No. 995332 dt. 29.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Adake Shardha S, Mother of No. 14856276A, SEP, Adake Vishant Shankar, R/,o, Vill &PO : Walwa, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Adake Shardha S to Sharada Shankar Akade, vide Affidavit No. 995334 dt. 29.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे के दस कर्मचारियों को ‘माह का कर्मचारी’ सुरक्षा पुरस्कार

महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान अगस्त 2026 के लिए दस कर्मचारियों को ‘माह का कर्मचारी’ सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश के साथ सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। अगस्त माह के सुरक्षा पुरस्कार सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडलों के विभिन्न सुरक्षा वर्गों में कार्यरत उन दस कर्मचारियों को दिए गए, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान असाधारण सतर्कता और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुरस्कार पाने वालों में दो लोको पायलट, चार ट्रैक अनुरक्षक, एक तकनीशियन, दो मालगाड़ी प्रबंधक और एक स्टेशन मास्टर शामिल हैं। महाप्रबंधक ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को भी अधिक सतर्क रहने और पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों को केबल रखरखाव, सिग्नल की जांच और रेलवे फिटिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे कार्यों को पूरी सावधानी और गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने समपार फाटकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की सतर्कता जांचने के लिए नियमित रूप से औचक निरीक्षण करने को कहा। महाप्रबंधक ने सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित सुरक्षा अभियान चलाने और रात के समय भी विशेष निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यात्रियों और रेल संचालन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

गणेश उत्सव की तैयारियों को समय से पूरा करें : जीएचएमसी आयुक्त

विसर्जन स्थलों पर स्वच्छता और सुरक्षा पर जोर

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश उत्सव-2026 को शांतिपूर्ण, सुचारु और किसी भी अप्रिय घटना से मुक्त तरीके से आयोजित करने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन और अतिरिक्त आयुक्त बी. संतोष ने सोमवार को टैंक बंड रोड स्थित जीएचएमसी मुख्यालय परिसर में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं समीक्षा बैठक की। बैठक में जीएचएमसी के सभी अतिरिक्त आयुक्त और जोनल आयुक्त, हैदराबाद शहर पुलिस तथा विभिन्न संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जीएचएमसी आयुक्त ने सभी विभागों को तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता, सड़कों की मरम्मत, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन स्थलों पर क्रेन की उचित व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में बालापुर से टैंक बंड तक निर्धारित गणेश विसर्जन जुलूस मार्ग की भी समीक्षा की गई। पूरे मार्ग पर गणेश कार्य दलों की तैनाती की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। गणेश उत्सव के दौरान अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों और मशीनरी की तैनाती की जाएगी। प्रमुख विसर्जन स्थलों पर मोबाइल शौचालय और पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। जीएचएमसी, पुलिस, हाइड्रा और अन्य संबंधित विभाग नियंत्रण कक्ष के माध्यम से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करेंगे। आयुक्त ने अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। इनमें पेड़ों की छंटाई, सड़कों की मरम्मत और खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करना शामिल है। उन्होंने भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति को जीएचएमसी की ओर से हरसंभव सहयोग और समन्वय का आश्वासन दिया। आयुक्त आर. वी. कर्णन ने नागरिकों और श्रद्धालुओं से प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण और शहर के

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने राजेंद्रनगर संभाग कार्यालय का किया निरीक्षण

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश

गणेश उत्सव के दौरान बेहतर पुलिस व्यवस्था पर जोर

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के मद्देनजर कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) एवं दक्षिण क्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल ने राजेंद्रनगर सहायक पुलिस आयुक्त संभाग कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर आगामी गणेश उत्सव की सुरक्षा व्यवस्था तथा लंबित जांच मामलों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष ध्यान देने, जांच में तेजी लाने और उनका शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित विचारण मामलों को भी शीघ्र सुनवाई के लिए संबंधित न्यायालयों के समक्ष ले जाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने को कहा। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पुलिस बल के कुशल प्रबंधन पर जोर देते हुए कर्मचारियों की तैनाती की लगातार निगरानी करने तथा नियमित पुलिस कार्यों और गणेश उत्सव की बंदोबस्त व्यवस्था के बीच उचित संतुलन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गणेश नवरात्रि समारोह से पहले स्थानीय स्तर पर सतर्कता एवं सुरक्षा समितियों का तत्काल गठन करने को कहा, ताकि उत्सव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रहे। अधिकारियों को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) तथा अन्य नागरिक विभागों के साथ निर्बाध समन्वय और तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने उत्सव के सुचारु संचालन तथा लगातार निगरानी के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने को कहा।

प्रत्याशियों को लेकर मायावती की अहम बैठक

दिवंगत एमएलए उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस यूकेश को टिकट मिलना तय

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यहां सोमवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का महत्वपूर्ण बैठक पार्टी प्रमुख मायावती की मौजूदगी में हुई। यह बैठक यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रत्याशियों के चयन के लिए हुई। इस बैठक में पार्टी के दिवंगत विधायक उमाशंकर सिंह के पुत्र प्रिंस यूकेश भी शामिल हुए। इससे यह साफ संकेत मिला है कि यूकेश को बीएसपी चुनाव में प्रत्याशी बनाने वाली है।

बसपा ने इस बैठक में अपने सभी संभावित प्रत्याशियों को बुलाया था। इनमें प्रिंस यूकेश की मौजूदगी से साफ सियासी संकेत मिले। माना जा रहा है कि प्रिंस यूकेश को पार्टी ने प्रत्याशी बनाना लगभग तय कर लिया है।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती ने यूपी के सभी 75 जिलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ की बैठक। यह बैठक 12 माल एवेन्यू स्थित बीएसपी के कार्यालय में हुई। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। उम्मीदवारों के चयन और पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के पुनर्गठन पर भी चर्चा की गई।

मायावती ने कहा कि, विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद के घिनौने हथकंडों का मुस्तैदी से सामना करना है। उन्होंने यूपी में पांचवीं बार 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विरोधी पार्टियों की रेवड़ी बांटने की राजनीति से जनता को सतर्क रहने की अपील का। मायावती ने कहा कि, चुनावी स्वार्थ के लिए लुभावने वादे किए जाते हैं, सरकार बनने पर वादाखिलाफी होती है।

मायावती ने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा भी विरोधी पार्टियों के रवैये से आक्रोशित हैं। उन्होंने कहा कि, 9 अक्टूबर को कांशीराम जी की पुण्यतिथि का कार्यक्रम इस बार सिर्फ लखनऊ में होगा। लखनऊ के मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर मुख्य कार्यक्रम होगा।

संपन्न परिवारों के बच्चों को न मिले आरक्षण : मिथिलेश तिवारी

शिक्षा मंत्री बोले- मौजूदा व्यवस्था परिपक्व, एनडीए में कोई दरार नहीं

वैशाली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में आरक्षण नीति पर जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच शिक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश तिवारी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। हाजीपुर में उन्होंने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पूरी तरह संपन्न हो चुके परिवारों के बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। शिक्षा मंत्री दरभंगा से एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद हाजीपुर पहुंचे थे, जहां स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आरक्षण के मौजूदा स्वरूप और इसके लाभ को लेकर अपनी राय व्यक्त की। मिथिलेश तिवारी ने संविधान के तहत लागू आरक्षण व्यवस्था को परिपक्व और न्यायसंगत बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य समाज के वंचित और पिछड़े तबकों को अवसर प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है।

हजार बरस की गुलामी उनके डीएनए में समा गया है

आरक्षण और सनातन को लेकर भड़के विजय सिन्हा

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सनातन धर्म और आरक्षण को लेकर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस्लाम पर किसी का मुंह नहीं खुलता है। हजार वर्ष की गुलामी उनके डीएनए में समा गया है। उन्हें लेकर डर और भय रहता है, लेकिन लेकिन सनातन धर्म की उदारता का फायदा उठाकर हर लोग चोट करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता के लिए इस राष्ट्र के हितैषी नहीं है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सनातन धर्म को लेकर कोई भी व्यक्ति कुछ भी बोल देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन की संतानों को कोई भी आपस में लड़ा सकता है। ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर कोई भी समाज में जहर घोलने की कोशिश कर सकता है। उनके मुताबिक, ऐसी सोच सामाजिक सौहार्द को खत्म करने वाली है। कृषि मंत्री ने कहा कि देश को लंबे समय तक गुलाम बनाने वालों का गुणगान करने की मानसिकता अब भी कुछ लोगों में दिखाई देती है।

सिंगर हत्याकांड के 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर

20 राउंड गोलीबारी, हरियाणा भाग रहे थे, अंकित के पिता बोले- आधा इंसाफ मिला, आधा बाकी

शामली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के दो शूटरों सुमित और मोहित को यूपी पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में मार गिराया। शामली एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों शूटर बाइक से शामली से सोनीपत (हरियाणा) की तरफ भाग रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया।

पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। दोनों तरफ से करीब 20 राउंड गोलियां चलीं। इसमें बदमाश सुमित (24) और मोहित (22) को गोली लग गई। पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुमित और मोहित सोनीपत के रहने वाले थे। दोनों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। सुमित पर एक और मोहित पर 15 मुकदमे दर्ज थे। दोनों ने अपने दो साथियों के साथ सिंगर की हत्या की थी। दो आरोपी सत्यम और आर्यन अब भी फरार हैं।

26 अगस्त की शाम 32 साल के सिंगर अंकित बालियान शामली में जिम करके निकले, तभी हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और 18 राउंड फायरिंग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अंकित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अंकित के पिता बोले- अभी आधा इंसाफ, बाकियों को भी मारें

अंकित के पिता सतबीर ने कहा, 'अभी आधा इंसाफ मिला। अब उम्मीद है कि पूरा इंसाफ मिल जाएगा। पहले उम्मीद धीरे-धीरे वो डगमगाने लगी थी। बाकी बचे दोनों आरोपियों को और मारो, तभी हमें तसल्ली होगी। अब पुलिस और योगीजी पर हमारा विश्वास बढ़ गया है। 5-6 दिन हो गए थे, आज कार्रवाई नहीं होती तो विश्वास टूट जाता। आधा इंसाफ अभी बाकी है।'

वाटरफॉल में अचानक बढ़ा पानी, 3 पर्यटक फंसे

3 घंटे पत्थर पर बैठे रहे, रस्सी फेंककर बचाया, चित्रकूट में 2 दिन स्कूल बंद

लखनऊ/वाराणसी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में चंद्रप्रभा नदी में अचानक आई बाढ़ से राजदारी-देवदारी वाटरफॉल में जलस्तर बढ़ गया। तेज बहाव में 3 पर्यटक फंस गए। तीनों एक ऊंचे पत्थर पर चढ़ गए। 3 घंटे तक मदद की गुहार लगाते रहे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने रस्सी की मदद से तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला।

उधर, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। रामघाट पर रात करीब 10:40 बजे पानी सीढ़ियों तक पहुंच गया। हालांकि, नदी अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। इससे पहले दो दिनों तक तबाही मचाने के बाद जब जलस्तर घटा, तब घर, दुकानें और सड़कें कीचड़ और मलबे से पट गईं। गलियों में कीचड़ ही कीचड़ नजर आया।

हालात को देखते हुए प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। कक्षा 8 तक स्कूलों में दो दिनों की छुट्टी घोषित कर दी है। नदी के किनारों के करीब रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे नदी के पास न जाएं।

इधर, सोमवार सुबह से लखनऊ, वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद 15 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कानपुर और आगरा समेत 20 शहरों में बादल छाए हैं। भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए अमेठी, सुल्तानपुर और मिर्जापुर में 8वीं और भदोही में 12वीं तक के स्कूल बंद हैं। आज प्रदेश के 58 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 14 जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में मानसून एक बार फिर पूरी तरह से सक्रिय होने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी और उससे सटे इलाकों में बने कम दबाव के क्षेत्र के असर से पूर्वी यूपी में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। यह कम दबाव का क्षेत्र अगले दो दिनों में और मजबूत होकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ेगा, जिससे पश्चिमी यूपी में भी तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

25 साल बाद सुलझा सोन नदी विवाद, बिहार-झारखंड में समझौता

दिल्ली में सम्राट-सोरेन कर सकते हैं साइन, शाह और जलशक्ति मंत्री के साथ भी मीटिंग

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार और झारखंड के बीच 2 सालों से चला आ रहा सोन नदी विवाद आज सुलझ जाएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज दिल्ली दौरे पर हैं। दिल्ली में वह केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। साथ ही दिल्ली में सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर बिहार और झारखंड के बीच समझौता हो सकता है। बिहार सीएम सम्राट चौधरी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के पानी को लेकर विवाद तब से चला आ रहा है, जब बिहार का बंटवारा हुआ था और झारखंड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ था। अब दोनों राज्य एक फॉर्मूले पर पहुंच गए हैं।

सोन नदी गंगा की एक प्रमुख दक्षिणी सहायक नदी है और पूर्वी भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह समझौता सोन नहर प्रणाली से जुड़ी सिंचाई योजनाओं को स्थिर आधार देगा। खासकर भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, पटना, गया और अरवल जैसे जिलों में सिंचाई व्यवस्था को इससे लाभ मिलने की उम्मीद है। सोन नदी से जुड़े जल-वितरण का मुद्दा केवल दो राज्यों के बीच संसाधन बंटवारे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नदी-घाटी प्रबंधन, कृषि उत्पादन और अंतर-राज्यीय सहयोग का भी उदाहरण है।

इधर, सीएम सम्राट के दिल्ली दौरे को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने सवाल उठाया है। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'मुख्यमंत्री लगातार दिल्ली जा रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं, लेकिन इससे बिहार को क्या फायदा होगा, यह सरकार और मुख्यमंत्री को बताना चाहिए।'

मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे पर भाई वीरेंद्र ने कहा, 'मुख्यमंत्री लगातार दिल्ली जा रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं। दिल्ली जाना, अपने आकांओं से मिलना, हर मुख्यमंत्री का काम है।' बिहार में वर्तमान समय में बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इस परिस्थिति को देखते हुए यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है।

रामगोपाल यादव पर भड़कीं अंकित बालियान की पत्नी

बोलीं- आपके बच्चों को मारा जाता तब भी एनकाउंटर पर उठाते सवाल?

शामली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान मर्डर केस में शामिल दो शूटरों को शामली पुलिस ने सोमवार तड़के हुए एनकाउंटर में ढेर कर दिया। अंकित की पत्नी सीमा ने पुलिस एक्शन पर संतोष जताया। इस बीच, उन्होंने एनकाउंटर पर सवाल उठाने वाले सपा नेताओं रामगोपाल यादव और अवधेश यादव को तगड़ा जवाब दिया है।

मीडिया के सवाल पर सीमा ने कहा- जब पहले कोई कार्रवाई नहीं हुई थी, तब तो उन्होंने बोला कि कुछ हो नहीं रहा है। अब सटीक कार्रवाई हुई है तो वे ऐसा बोल रहे हैं। अगर इनके घर के किसी बच्चे को धोखे से सिर में पीछे से गोली मार दी जाए, क्या तब भी वे ऐसा ही बोलेंगे कि एनकाउंटर नहीं होना चाहिए। ऐसे असामाजिक तत्व समाज में रहकर क्या करेंगे जो नुकसान ही कर सकते हैं।

सीमा ने आगे कहा- इस एनकाउंटर पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। विपक्ष के लिए और भी मुद्दे हैं। हमारा तो घर उजड़ गया। एनकाउंटर हुआ है। 20 राउंड गोलियां चली हैं। पुलिस को भी लग सकती थी।

तेजप्रताप बोले-होटल में चप्पल कांड का सच सामने आएगा

मंत्री ने 50 करोड़ का नोटिस भेजा, कहा- 7 दिन में माफी मांगिए

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) मंत्री और महुआ विधायक संजय कुमार सिंह और तेजप्रताप के बीच तकरार बढ़ गई है। मंत्री की तरफ से लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का मानहानि का नोटिस भेजा है।

मंत्री के वकील सुशील कुमार की ओर से 30 अगस्त 2026 को जारी नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाए गए आरोपों को झूठ बताया गया है। मंत्री की ओर से कहा गया है कि तेजप्रताप सात दिनों के अंदर संबंधित पोस्ट को हटाएं, सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगें और भविष्य में इस तरह की टिप्पणी दोबारा न करने का लिखित आश्वासन दें।

दरअसल, यह पूरा विवाद तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप ने अपने पोस्ट में इस मामले को गंभीर बताते हुए सरकार और प्रशासन से निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपये का लेन-देन किया गया।

होटल कांड को लेकर तेजप्रताप ने मंत्री पर आरोप लगाए थे। जिस पर मंत्री ने कहा था कि अगर कोई माई का लाल सबूत दे देगा तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। इस पर तेजप्रताप ने पटना में प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि मैं शेर का बेटा हूं, डरने वाला नहीं। हर कोई माई का लाल ही होता है। मंत्री हैं तो घर आकर बात कर लें। मैं सच्चाई सामने लाकर रहूंगा।

मानहानि नोटिस में तेज प्रताप यादव को संबोधित करते हुए कहा गया है कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उन्हें दूसरों के घर पर पत्थर नहीं फेंकना चाहिए।

नोटिस के जरिए यह संदेश दिया गया है कि दूसरों पर गंभीर आरोप लगाने से पहले तेज प्रताप को अपने ऊपर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

10 की मौत, 22 झुलसे, 3 मकान जमींदोज तड़पते घायलों को चारपाई पर लेकर भागे लोग

कौशांबी, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 2 बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन 2 किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजरों से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी।

अखिलेश कुत्ते के गले में घंटी बांध दें तो भी वोट उसी को

सपा एमएलसी लालबिहारी यादव ने बढ़ाया आजमगढ़ का सियासी पारा

आजमगढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी का आजमगढ़ जिला शुरू से ही सपा कुनबे का बड़ा गढ़ माना जाता है। समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं ने आजमगढ़ से चुनाव लड़कर पूर्वांचल के राजनीतिक समीकरण को अपने पक्ष में करने का काम किया है। हाल ही में सपा एमएलसी लालबिहारी यादव ने एक ऐसा बयान दिया जिससे जिले का राजजीतिक तापमान काफी बढ़ गया है।

लालबिहारी यादव के इस बयान को लेकर सपा जहां उनके नेतृत्व के प्रति निष्ठा को लेकर देख रही है, दूसरी तरफ विपक्ष तीखे सवाल खड़ा कर रहा है। दरअसल सपा की एक बैठक को संबोधित करते हुए एमएलसी लाल बहादुर यादव ने कहा कि हमें प्रत्याशी को नहीं देखना है। अगर अखिलेश यादव कुत्ते के गले में घंटी बांध दें तो हमें उसको भी वोट देकर जीत दिलाना है।

लालबिहारी यादव के इस बयान ने जिले के सियासी पारे के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई है। नेहरू हाल में आगामी शिक्षक एमएलसी और विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी द्वारा शिक्षकों को अपने पाले में करने की एक रणनीतिक बैठक चल रही थी।

कौन हैं पुष्पेंद्र प्रताप सिंह?

एक लाख बहनों से राखी बंधवाने पहुंचे भीड़ देख प्रशासन ने रोका कार्यक्रम

उन्नाव, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नहीं थी कोई अपनी सगी बहन इसलिए हजारों बहनों से राखी बंधवाने के लिए समाजसेवी पुष्पेंद्र सिंह ने संकल्प लिया था। पैदल चलकर पहुंची अपने धर्म के भाई को राखी बांधने के लिए बहनों का हुजूम उमड़ पड़ा। कार्यक्रम स्थल पर बढ़ती भीड़ को देख जिला प्रशासन ने भगदड़ की आशंका में कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया और बहनों को घर वापस जाने के लिए कहा गया। कार्यक्रम समाप्त होने पर बहनें निराश हुईं। इस कार्यक्रम में एक लाख बहनों के द्वारा राखी बांधने का दावा किया जा रहा था ।

भगवंत नगर के धनकोली गांव निवासी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह पुष्प फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं और पुष्प फाउंडेशन के जरिए सामाजिक सेवा करने का काम करते हैं। इनकी अपनी कोई सगी बहन नहीं थी इसका मलाल इन्हें हमेशा रहता था, जिसको देखते हुए उन्होंने रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन बीघापुर के मानपुर के पास रविवार को किया गया था। समाज सेवी पुष्पेंद्र ने 2025 में भी रक्षाबंधन का कार्यक्रम रखा था और उसमे बीस हजार बहनों के द्वारा राखी बांधने की चर्चा थी। 2025 के कार्यक्रम को देखते हुए इस बार भी रक्षाबंधन का आयोजन बड़े स्तर पर किया गया था जिसमें यह दावा किया जा रहा था की एक लाख बहने राखी बांधने आएंगी।

रविवार की सुबह अपने तय समय के अनुसार कार्यक्रम शुरू हुआ और राखी बांधने का सिलसिला शुरू हुआ लेकिन धीरे धीरे महिलाओं की भीड़ बढ़ती जा रही थी इस बात की सूचना जब डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जेपी सिंह को मिली तो वह कार्यक्रम स्थल पहुंचे और कार्यक्रम को बीच में रोक दिया। कार्यक्रम समाप्त करने की सूचना पुष्पेंद्र ने मंच से की और बहनों को घर वापस जाने के लिए कहा। मंच से बहनों को संबोधित करते हुए कहा की हमारी बहने निराश न हो एक हफ्ते के अंदर उनका उपहार उनके घर तक पहुंचा दिया जाएगा।

बेगूसराय समेत 7 जिलों में बारिश, 11 में अलर्ट

कोसी किनारे मिला 6 फीट का मगरमच्छ, बेगूसराय में 50 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पटना, लखीसराय, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, बेगूसराय और मुंगेर में सोमवार को बारिश हुई। लखीसराय जिले में तेज बारिश के साथ आसमान में घने बादल छा गए, जिससे दिन में ही अंधेरा सा नजारा देखने को मिला। बारिश के बाद भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को काफी राहत मिली।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी सोमवार को बिहार के 11 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। 40किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। राज्य के बाकी हिस्सों में उमस और गर्मी बरकरार रहेगी।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सितंबर की शुरुआत में बारिश की संभावना है। 1 और 2 सितंबर को बिहार के कई जिले में बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में पटना, सुपौल, जमुई और रोहतास में तेज बारिश हुई। कई इलाकों में जलजमाव की समस्या बन गई।

सुपौल में सरायगढ़-भपटियाही कोसी महासेतु के पास सनपतहा गांव में पूर्वी कोसी सुरक्षा गाइड बांध के समीप कोसी नदी के किनारे एक 6 फीट का मगरमच्छ दिखा। जिसे ग्रामीणों ने पकड़ कर वन विभाग के अधिकारियों को सुपुर्द कर दिया।

मगरमच्छ कोसी नदी के किनारे पानी से निकलकर सूखी जमीन पर आ गया था, जिसे ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद पकड़ लिया। बाद में सूचना पर वन विभाग के अफसर उसे अपने साथ ले गए। मगरमच्छ पकड़े जाने की खबर फैलते ही उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने भीड़ को मगरमच्छ से दूरी बनाए रखने की सलाह दी, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

बेगूसराय में गंगा के जलस्तर में कमी हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, अभी जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन इलाहाबाद, बनारस और बक्सर में फिर से पानी बढ़ने के कारण लेवल बढ़ रहा है। संभावना है कि 2 दिनों के बाद बेगूसराय में भी जलस्तर में वृद्धि होगी। बेगूसराय के बछवाड़ा, तेघड़ा, बरौनी, मटिहानी, बलिया, शाम्हो और साहेबपुर कमाल प्रखंड का दियारा इलाका बाढ़ से प्रभावित है। वहीं, शाम्हो प्रखंड पूरी तरह से बाढ़ से प्रभावित है। बाढ़ का आंशिक प्रभाव बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र पर भी पड़ रहा है। अभी तक लगभग 50 हजार लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। सितंबर की शुरुआत में बिहार में मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है। 1 और 2 सितंबर को बारिश की संभावना जताई गई है।

भारत में ही बनेगी जैवलिन मिसाइल

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने किया बड़ा करार, बढ़ेगी सेना की मारक क्षमता

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम की खरीद के लिए समझौता किया है। वहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जैवलिन ज्वाइंट वेंचर ने भारत में जेवलिन ऑल अप राउंड (एयूआर) के सह-उत्पादन को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

जैवलिन ज्वाइंट वेंचर रैथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की साझेदारी है। इस समझौते के बाद अब भारत में ही जैवलिन मिसाइलों का उत्पादन किया जा सकेगा। रक्षा सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को मिली आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत इन मिसाइलों की खरीद की जा रही है। भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइलें खरीदेगी। यह खरीद ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को मिली आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत की गई है।

दोनों देशों के बीच हुआ क्या समझौता?

जैवलिन को दुनिया की चर्चित एंटी-टैंक मिसाइल प्रणालियों में गिना जाता है। दोनों देशों के बीच करीब 292 करोड़ रुपये का समझौता हुआ है। इसके तहत भारतीय सेना को करीब 60 जैवलिन एंटी-टैंक निर्देशित मिसाइलें मिलेंगी। यह खरीद आपातकालीन खरीद व्यवस्था के तहत की गई है। इसके तहत भारतीय सशस्त्र बलों को अपनी सैन्य क्षमता तेजी से बढ़ाने के लिए जरूरी हथियार खरीदने की अनुमति दी गई है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जैवलिन ज्वाइंट वेंचर के बीच हुए समझौते के बाद अब जैवलिन मिसाइल का उत्पादन दोनों कंपनियां मिलकर भारत में ही करेंगी। भारत को जैवलिन सीमित संख्या में मिलेंगी, क्योंकि आपातकालीन खरीद व्यवस्था के तहत एक उपकरण के लिए 300 करोड़ रुपये तक की खरीद की जा सकती है।

अमेरिकी राजदूत ने पहले ही दिया था बड़ा संकेत

अमेरिका लंबे समय से भारत को जैवलिन मिसाइल देने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस खरीद को भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि इससे भविष्य में दोनों देशों के बीच जैवलिन के सह-उत्पादन की संभावनाएं भी खुल सकती हैं। नवंबर 2025 में अमेरिका के विदेश विभाग ने भारत को संभावित रूप से 100 जैवलिन प्रणालियां और 216 एक्सकैलिबर निर्देशित तोप गोले बेचने के लिए 93 मिलियन डॉलर की बिक्री को मंजूरी दी थी।

जैवलिन को मुख्य रूप से टैंक और दूसरे बख्तरबंद वाहनों को निशाना बनाने के लिए विकसित किया गया है। यह एक मध्यम दूरी की, कंधे से दागी जा सकने वाली और एक सैनिक द्वारा संचालित की जाने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसकी सबसे बड़ी खासियत 'फायर एंड फॉरगेट' क्षमता है। इसका अर्थ है कि मिसाइल दागने के बाद सैनिक को लक्ष्य पर लगातार नजर बनाए रखने की जरूरत नहीं होती। इससे वह तुरंत स्थान बदल सकता है या सुरक्षित जगह ले सकता है।

नवरात्रि की रात नाबालिग से हुआ था सामूहिक दुष्कर्म

वडोदरा कोर्ट ने दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

वडोदरा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। वडोदरा में 2024 की नवरात्रि की रात नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने सोमवार को पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने इसे बेहद जघन्य अपराध बताया। मामला 4 अक्तूबर 2024 का है। उस समय पीड़िता की उम्र 16 साल थी। वह रात करीब 11 बजे लक्स्मीपुरा इलाके में अपने बचपन के दोस्त से मिलने गई थी।

इसके बाद दोनों स्कूटी से भायली इलाके की ओर लौट रहे थे। अदालत ने 20 अगस्त को पांचों को सामूहिक दुष्कर्म, सबूत नष्ट करने और डकैती से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराया था। सोमवार को सजा सुनाते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सीएम पवार ने प्रत्येक दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन के मुताबिक, अदालत ने कहा कि महिलाओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है और महिला या नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म बेहद गंभीर अपराध है।

मोदी के नेतृत्व में अमेरिका के 'चोले' से चुपचाप निकल गया भारत

न्यूयॉर्क टाइम्स ने की तारीफ तो देश में चर्चा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ अब अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी की है। इस लेख में बड़ा जिक्र यह है कि भारत पिछले एक साल से चुपचाप क्या-क्या कर रहा है। इसके हालिया एनालिसिस में कहा गया है कि 'पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं, एक बार में एक डील के साथ'। इसमें कहा गया है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल दुनिया भर में भारत की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारियों का नेटवर्क बढ़ाने में बिताया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रहे शेष पॉल वैद ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-एनवाईटी का यह विश्लेषण अच्छा है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया भर के अलग-अलग देशों की यात्रा कर रहे हैं और समझौते कर रहे हैं, लेकिन इससे यह नतीजा निकालना गलत है कि यह अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ है। भारत एक संप्रभु देश है और वह ऐसे व्यापार और समझौते करने के लिए स्वतंत्र है जो हमारे विकास और तरक्की के लिए फायदेमंद हों, खासकर तब जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का सख्त रुख भारत के हितों को नुकसान पहुंचा रहा हो। अपने हितों की रक्षा के लिए काम करने का मतलब यह नहीं है कि आप अमेरिका के खिलाफ काम कर रहे हैं। एनवाईटी के अनुसार, अगस्त 2025 से, पीएम मोदी ने कम से कम 20 देशों का दौरा किया है, जबकि 13 देशों के नेताओं ने भारत की यात्रा की है। अखबार इनमें से कई मुलाकातों को सिर्फ कूटनीतिक शिष्टाचार के आदान-प्रदान के बजाय खास लक्ष्यों को हासिल करने के मकसद से की गई ठोस, कारोबारी बातचीत बताता है। और इसके नतीजे अब साफ दिखने लगे हैं। पीएम मोदी ने अगस्त, 2025 से अब तक कम से कम 20 देशों का दौरा किया है, जबकि 13 देशों के नेताओं ने भारत की यात्रा की है।

'तबाही कल्पना से परे'

बाढ़ के बीच प्रिंसिपल ने बचाई 1600 छात्रों की जान, आंखों के सामने बह गया पूरा स्कूल

काठमांडू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में आई बाढ़ में कम से कम 903 लोगों की मौत हो गई है जबकि आपदा के बाद अब भी करीब 4250 लोग लापता हैं। बचावकर्मी आपदा के छठे दिन लापता लोगों की तलाश और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास कर रहे हैं। इस बीच त्रिभुवन त्रिशुली सेकेंडरी स्कूल के 1600 छात्रों की जान बचाने वाले प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी ने 26 अगस्त की घटना को याद कर बताया कैसे मिनटों में उन्होंने स्कूल खाली करने का फैसला किया।

राजेंद्र ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान कहा कि तबाही का मंजर कल्पना से परे है। बाढ़ के उस दिन को याद करते हुए प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी ने कहा, 'जब मुझे सूचना मिली, मैं कक्षा में था। कुछ ही मिनटों में सभी शिक्षक इकट्ठा हुए और स्कूल खाली करने का फैसला लिया। हमने सबको सचेत करने के लिए स्कूल की घंटी बजाई। उस समय स्कूल में 900 छात्र मौजूद थे। हमने स्कूल बसों को भी यहां आने से रोक दिया। जैसे ही एक स्कूल बस नए पुल को पार कर रही थी, पुराना पुल ढह गया। हम सभी पहाड़ी पर चढ़ गए और जब हमने पीछे मुड़कर देखा तो पूरा स्कूल बह गया था।' प्रिंसिपल ने कहा कि एक शिक्षक संतोष परिहार लापता हैं।

शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है और हमें स्कूल को एक सुरक्षित स्थान पर फिर से स्थापित करना होगा। हमें दान की मदद की जरूरत होगी। प्रभावित सभी आठ जिलों से शव बरामद किए गए हैं। माना जा रहा है कि यह आपदा नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के खिसकने या हिमस्खलन के कारण आई जिसने 26 अगस्त को उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी में बाढ़ का पानी आने से घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए और पनबिजली परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा।

डिजाइन की एक गलती और मुंबई मेट्रो को 250 करोड़ की चपत

तोड़ा जाएगा 1 किमी का स्ट्रेच

मुंबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई मेट्रो लाइन 7ए के निर्माण में हुई एक डिजाइन की गलती अब मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी एमएमआरडीए के लिए बड़ा आर्थिक झटका बन सकती है. इस गलती की वजह से करीब 250 से 260 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है. मामला विले पार्ले ईस्ट में एयरपोर्ट कॉलोनी स्टेशन के पास बने एलिवेटेड वायाडक्ट और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन यानी ओएचई सिस्टम की ऊंचाई से जुड़ा है।

यह पूरा हिस्सा छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अहम एयर फनल जोन में आता है. एमएमआरडीए के मुताबिक, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एएआई ने प्रोजेक्ट के लिए एनओसी दी थी, लेकिन प्रोजेक्ट के जनरल कंसल्टेंट और डिजाइन कंसोर्टियम ने ओएचई सिस्टम की अतिरिक्त ऊंचाई को डिजाइन और प्लानिंग के दौरान पर्याप्त तरीके से ध्यान में नहीं रखा।

इसके चलते तैयार किया गया इंफ्रास्ट्रक्चर विमानन अधिकारियों की तय सुरक्षा सीमा से करीब 2.5 मीटर ज्यादा ऊंचा हो गया है. खास बात यह है कि इस गलती का पता 2025 में तब चला, जब निर्माण काफी आगे बढ़ चुका था. 2026 की शुरुआत तक एलिवेटेड वायाडक्ट लगभग पूरा हो चुका है, जबकि एयरपोर्ट कॉलोनी स्टेशन और उसका एलिवेटेड रैंप भी लगभग तैयार है।

मुंबई मेट्रो ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से छूट की मांग की

इस हिस्से का निर्माण 2025 से ही रुका हुआ है. एमएमआरडीए ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से ऊंचाई में छूट देने का अनुरोध किया है और फिलहाल अथॉरिटी की अंतिम तकनीकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. अगर एएआई सुरक्षा मानकों में छूट नहीं देता है तो एमएमआरडीए को करीब 1 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड वायाडक्ट को तोड़कर दोबारा बनाना पड़ सकता है. सिर्फ ट्रैक या वायाडक्ट को नीचे करना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि इससे मेट्रो के सुरक्षित संचालन के लिए जरूरी ग्रेडिएंट प्रभावित हो सकता है।

मुंबई मेट्रो की डिजाइन और प्लानिंग के दौरान हुई गलती

एमएमआरडीए ने डिजाइन कंसल्टेंट को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि विमानन से जुड़े ऊंचाई प्रतिबंधों को डिजाइन और प्लानिंग के दौरान पर्याप्त तरीके से शामिल नहीं किया गया। एमएमआरडीए के मेट्रो प्रोजेक्ट्स डायरेक्टर बसवराज एमबी ने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी की अंतिम रिपोर्ट मिलने के बाद तकनीकी मूल्यांकन किया जाएगा और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। 3.4 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन 7A अंधेरी ईस्ट को एयरपोर्ट से जोड़ने वाली अहम लाइन है. इसे यात्रियों को अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन 3 से जोड़ना है. यह परियोजना पहले 2021 में शुरू होने वाली थी, लेकिन कई बार इसकी डेडलाइन टल चुकी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आईएसआई ने बदला जासूसी पैटर्न

सोलर कैमरों से सेना पर नजर, पाकिस्तान पहुंच रही लाइव फीड?

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश की सुरक्षा एजेंसियों के सामने जासूसी का एक नया और चिंताजनक पैटर्न सामने आया है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर्स सामरिक रूप से संवेदनशील सैन्य इलाकों के बाहर इंटरनेट और सोलर चालित सीसीटीवी कैमरे लगवा रहे हैं। इनकी लाइव फीड सीधे पाकिस्तान पहुंचाई जा रही है। सबसे ताजा उदाहरण 29 अगस्त को लुधियाना में सामने आया। यहां रिछपाल सिंह ने बद्दोवाल छावनी के पास अपनी दुकान के बाहर ऐसे सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे, जिनका रुख सैन्य वाहनों के मूवमेंट वाले रास्ते की तरफ था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने कैमरों का यूजर आईडी-पासवर्ड अपने पाकिस्तानी हैंडलर्स को दे रखा था, जिससे वे मोबाइल एप के जरिये कैमरों की लाइव फीड देख रहे थे। दुकान के किराये के लिए 40 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे थे। आरोपी को अलग-अलग किश्तों में लगभग 3 लाख भी मिले थे। जासूसी के इन मामलों का यह दौर मुख्य रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद तेजी से उभरा है। इसमें सामरिक ठिकानों के आसपास ऐसे कैमरे लगाए जाते हैं, जिन्हें बिजली या पारंपरिक वायरिंग की जरूरत नहीं होती। 4जी सिम और सोलर पैनल से लैस ये कैमरे हाईवे, रेलवे स्टेशनों और सैन्य छावनियों के आसपास स्थापित किए जाते हैं ताकि सुरक्षा बलों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा सके। खुफिया सूत्रों के मुताबिक यह पैटर्न इस बात का प्रमाण है कि दुश्मन अब रिमोट-एक्सेस कैमरों पर ज्यादा निर्भर हो रहा है।

जिम मालिक मोहम्मद दीपक के खिलाफ एफआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

> बजरंग दल से टकराव मामले में बड़ी राहत

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देहरादून के जिम मालिक 'मोहम्मद' दीपक कुमार के खिलाफ दर्ज एफआईआर और उससे जुड़ी कार्यवाही पर सोमवार को अंतरिम रोक लगा दी। यह मामला बजरंग दल के सदस्यों और एक मुस्लिम दुकानदार के बीच कथित विवाद से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के उस आदेश के अमल पर भी रोक लगा दी, जिसमें दीपक को घटना और मामले से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट या वीडियो डालने से प्रतिबंधित किया गया था।

संबंधित पक्षों को जारी किया नोटिस

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने दीपक की याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। दीपक ने हाई कोर्ट द्वारा एफआईआर रद्द करने से इनकार किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। कोर्ट ने नोटिस का जवाब चार सप्ताह में मांगा है। दीपक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने एक दुकानदार की मदद करने के लिए हस्तक्षेप किया था।

अभिषेक मनु सिंघवी के मुताबिक, बजरंग दल के कुछ सदस्यों ने मुस्लिम दुकानदार की दुकान के नाम में 'बाबा' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद जब भीड़ ने दीपक से उसका नाम पूछा तो उसने जवाब दिया, 'मोहम्मद दीपक।' यह घटना गणतंत्र दिवस के दिन हुई थी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि घटना के बाद दीपक दुकानदार की मदद के लिए वहां गया था। उन्होंने दावा किया कि दीपक ने खुद भी घटना को लेकर शिकायतें दर्ज कराई थीं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत में सवाल उठाया, 'एक अच्छे नागरिक को इस तरह की शिकायत का सामना कैसे करना पड़ सकता है?'

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा

कुकी गांव पर उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत, कई घायल

इंफाल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सोमवार को संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हालांकि, कुकी आदिवासियों के एक प्रमुख संगठन का दावा है कि कथित तौर पर तीन निर्दोष ग्रामीणों (जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं) की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चार अन्य को गोली लगी और वे गंभीर रूप से घायल हैं।

भारत और विदेशों के लिए 'भगवा आचार संहिता' अलग-अलग

> महुआ मोइत्रा ने भागवत और पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में दिए भाषण और पीएम मोदी के उज्बेकिस्तान दौरे के बाद सियासत तेज हो गई है। टीएमसी सांसद महुआ मित्रा ने एक बार फिर से निशाना साधा है। महुआ मोइत्रा ने इस दौरान न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान मामदानी की तारीफ भी की। महुआ मोइत्रा ने पीएम मोदी के मुसलमानों के गले लगाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भगवा गुंडे जैसे शब्दों का भी प्रयोग किया।

महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा " नमस्ते मोहन भागवत, आप न्यूयॉर्क में अपनी बात इसलिए रख पाए क्योंकि जोहरान मामदानी का मानना था कि किसी प्राइवेट इवेंट को रद्द करना उनका काम नहीं है। जब आप वापस आएं, तो क्या आप अपने भगवा गुंडों को भी यही सबक सिखाएंगे ताकि वे फिल्मों, शो और कार्यक्रमों में तोड़-फोड़ न करें? महुआ मोइत्रा ने एक और पोस्ट लिखते हुए कहा "खाड़ी देशों में मुसलमानों को गले लगाते मोदी हों या न्यूयॉर्क शहर में इंसानियत का उपदेश देते भागवत - भारत और विदेशों के लिए 'भगवा आचार संहिता' अलग और विशिष्ट है।" महुआ मोइत्रा ने एक और पोस्ट में सवाल करते हुए पूछा कि मोदी जी का अगला विदेश दौरा कहां है? बस अडाणी के बिजनेस प्रपोजल शेड्यूल के लिए न्यूज देख लीजिए। साहब उज्बेकिस्तान में मजे कर रहे हैं क्योंकि उज्बेक लोगों ने अभी-अभी ग्रीन पावर और मिनरल माइनिंग इन्वेस्टमेंट पर जीभाई से मुलाकात की है। दोस्त हो तो ऐसा।

चीन वही कर रहा जो कोरोना काल में किया था!

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ और मडस्लाइड में चीन वही रवैया अपना रहा है, जो कोरोना काल में अपनाया था. 2020 में वुहान से शुरू हुई महामारी के शुरुआती दिनों में जब स्थानीय डॉक्टर और नागरिक सच बताने की कोशिश कर रहे थे, तब अधिकारियों ने उन्हें 'अफवाह फैलाने' का आरोप लगाकर चुप करा दिया था. अब भी तिब्बत के गिरोंग पोर्ट की भयावह तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया से तेजी से हटाए जा रहे हैं. स्थानीय लोगों द्वारा साझा किए गए क्लिप्स गायब हो रहे हैं, जबकि सरकारी मीडिया सिर्फ बचाव अभियान की आधिकारिक तस्वीरें दिखा रही है।

दरअसल अपने इमेज को लेकर चीन इतना सतर्क है कि आपदा की तस्वीरें, वीडियो भी बाहर नहीं आने दे रहा है. चीन की ओर से अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो उस पर चीन की साइबर सिक्योरिटी टीम कार्रवाई कर रही है. चीन की साइबर सुरक्षा पुलिस ने दक्षिण-पश्चिम चीन के तिब्बत में गिरोंग पार्ट पर आए लैंड स्लाइड से जुड़ी कथित अफवाहों के मामले में 10 मामलों को खुलासा करने का दावा किया है. चीन के अधिकारियों का दावा है कि कुछ लोग आपदा के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं और हताहतों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं। चीन में स्थिति ऐसी है कि अगर कोई व्यक्ति मरने वालों की संख्या डालता है और ये डाटा सरकारी आंकड़ों से मैच नहीं करता है तो उस पर चीन की एजेंसियां एक्शन कर रही हैं और ऐसे शख्स को जेल भेज रही हैं. जुर्माना लगा रही हैं।

बीजेपी कार्यसमिति की बैठक : रामराजा की नगरी में चुनावी रोडमैप तैयार

संगठन विस्तार, बूथ लेबल पर मजबूती और विकास पर खास फोकस

इंदौर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में रामराजा की नगरी ओरछा में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में संगठन को मजबूती देने के साथ ही संगठन का विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, युवा आउटरीच, विकास और किसान कल्याण सहित मुद्दों पर महामंथन हुआ। आने वाले चुनाव को लेकर रणनीति भी गढ़ी गई।

बुंदेलखंड की पावन नगरी ओरछा में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में महत्वपूर्ण साबित होगी। संगठन के कर्णधार और दिग्गज नेताओं की छाया में आयोजित इस बैठक में संगठन की भावी दिशा तय करने के साथ ही प्रदेश के सियासी मुद्दों पर मुद्दों पर गहराई से मंथन किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और आगामी रणनीति पर तो विचार हुआ ही साथ ही किसान हित, गरीब कल्याण और महिला एवं युवा वर्ग को प्राथमिकता दी गई।

साथ ही चुनाव के मद्देनजर

बुंदेलखण्ड के विकास पर भी खास फोकस रहा। पार्टी ने साफ किया कि बुंदेलखंड केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि प्रदेश की आन-बान-शान और अनूठी सांस्कृतिक पहचान का केंद्र है, इसलिए इसका समग्र विकास बीजेपी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेवा, सुशासन, समरसता और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प के साथ आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।इसी के साथ ही बूथ, मंडल को और ज्यादा मजबूत बनाने संगठन के कर्ताधर्ताओं ने मंथन किया। बैठक के पहले दिन राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें बुंदेलखंड के विकास, जनजातीय वर्ग के उत्थान, युवाओं, किसानों, महिलाओं, उद्योगों का विकास, रोजगार सहित कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई एवं उन्हें समर्थन दिया गया। जनजातीय वर्ग के लिए समर्थन पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र सिंह पटेल ने दिया। इसी तरह औद्योगिक विकास एवं रोजगार को लेकर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, किसानों को लेकर किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, महिलाओं को लेकर पूर्व मंत्री अर्चना चिटनिस, युवाओं को लेकर समर्थन विधायक अभिलाष पांडेय एवं वैभव पंवार ने पेश किए। इससे पहले भाजपा के ध्वजारोहण के साथ कार्यसमिति की बैठक की शुरूआत हुई।भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने स्पष्ट किया के भगवान श्री रामराजा सरकार की पावन नगरी ओरछा से भाजपा मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति का स्पष्ट संदेश है कि पार्टी सेवा, सुशासन, समरसता और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। यह कार्यसमिति केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सुशासन, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक गौरव और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण बैठक है। प्रदेश कार्यसमिति में प्रस्तुत राजनीतिक प्रस्ताव केवल सरकार की उपलब्धियों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले समय के लिए भाजपा कार्यकर्ता का दिशा-पत्र है। आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के कार्यकाल पर प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें वर्ष 2001 में जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से लेकर प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सभी उपलब्धियों को प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया गया।प्रदेश बीजेपी मुखिया अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और कैलाश विजयवर्गीय समेत करीब 350 वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। खंडेलवाल ने स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी बूथ सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और युवा आउटरीच के दम पर आगामी अभियानों का रोडमैप तय कर चुकी है।

बैठक को लेकर कांग्रेस का कटाक्ष

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की जनता आज भाजपा से अपने वर्तमान का हिसाब मांग रही है, लेकिन भाजपा भविष्य के चुनाव की रणनीति बनाने में व्यस्त है। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति ने 2028 का चुनाव कैसे लड़ना है, इसका रोडमैप तो बना लिया, लेकिन प्रदेश की जनता पूछ रही है कि 2026 में मध्य प्रदेश को कैसे बचाया जाएगा?

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 1 सितंबर - 2026

विविधता ही भारत की ताकत

भारत की असली ताकत उसकी विविधता है। अलग-अलग धर्म, भाषाएं, जातियां, परंपराएं और जीवन-पद्धतियां हैं लेकिन हम सब एक हैं। ये सब भारत को केवल बहुरंगी समाज नहीं बनातीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक शक्ति का आधार हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का न्यूयॉर्क में दिया गया यह संदेश महत्वपूर्ण है कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, तो फिर वह हिंदू नहीं है। देखा जाए तो उनका यह कथन बहुसंख्यक होने को दूसरों के अस्तित्व को नकारने का अधिकार मानने वाली सोच पर सीधा प्रहार करता है।बहुसंख्यक होने का अर्थ दूसरों के अधिकारों को कम करना नहीं है। संख्या अधिक होने से किसी समुदाय को विशेषाधिकार नहीं मिल जाता और संख्या कम होने से किसी नागरिक के अधिकार कम नहीं हो जाते। संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान गरिमा दी है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। धर्म, भाषा, जाति और परंपराओं में भिन्नता के बावजूद साथ रहना ही भारतीय अनुभव की ताकत है। इसलिए 'विविधता में एकता' केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक जीवन की वास्तविकता है। इसकी रक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यही वह सोच है जो देश को भीतर से मजबूत करती है और सामाजिक विश्वास को कायम रखती है। संघ प्रमुख ने धार्मिक पहचान, आपसी सम्मान और सद्भाव की जो बात कही, वह आज के वैश्विक माहौल में बेहद प्रासंगिक है। पूरी दुनिया में धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर तनाव बढ़ रहा है। लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों में एक-दूसरे को नकारने की प्रवृत्ति ने संवाद का रास्ता कठिन बनाया है। ऐसे समय में असहमति को दुश्मनी में बदलने के बजाय बातचीत जरूरी है। इंसानी गरिमा हर पहचान से ऊपर है। दूसरे के अस्तित्व और अधिकार को स्वीकार करना ही स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को 'कर्मभूमि' का संदेश भी महत्वपूर्ण है। आज अमेरिका में प्रवासियों को संदेह की नजर से देखे जाने और ट्रंप प्रशासन की कठोर होती आव्रजन नीति के बीच यह संदेश उम्मीद देता है। आधुनिक अमेरिका के निर्माण में प्रवासियों का बड़ा योगदान रहा है। भारतीय मूल के लोगों ने भी अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए जिस देश ने अवसर दिए, उसके प्रति प्रतिबद्धता स्वाभाविक है, लेकिन किसी प्रवासी की निष्ठा पर उसकी उत्पत्ति के आधार पर सवाल उठाना उचित नहीं। प्रवासी केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि किसी देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में योगदान देने वाली मानवीय शक्ति हैं। मोहन भागवत का यह कार्यक्रम विवादों से भी अछूता नहीं रहा। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी कार्यक्रम के खिलाफ थे। फिर भी लोकतंत्र का अर्थ यही है कि असहमति रखने वाले की बात भी सुनी जाए। ममदानी स्वयं अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के कारण इस पद तक पहुंचने में सफल हुए हैं। इसलिए उनके विचारों का विरोध हो सकता है, लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों और संवाद को नकारा नहीं जा सकता। लोकतंत्र में किसी विचार से असहमति का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण विरोधी विचार को सुनने का धैर्य भी है। अंततः भागवत के वक्तव्य की असली परीक्षा शब्दों में नहीं, व्यवहार में होगी। बहुसंख्यक समाज का दायित्व केवल अपनी पहचान पर गर्व करना नहीं, बल्कि दूसरों की पहचान और अधिकारों की रक्षा करना भी है। भारत की शक्ति उसकी एकरूपता में नहीं, अनेकताओं को साथ लेकर चलने की क्षमता में है। यही विविधता भारत की पहचान है और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी भी।

डिजिटल अर्थव्यवस्था और नकदी का बदलता भविष्य

राम शर्मा

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से उस दौर में प्रवेश कर रही है, जहां जेब में रखी नकदी से ज्यादा महत्व मोबाइल फोन में मौजूद डिजिटल भुगतान की क्षमता का हो गया है। चाय की दुकान से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक, सब्जी विक्रेता से लेकर टैक्सी चालक तक और गांव की छोटी दुकान से लेकर महानगरों के बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल भुगतान सामान्य जीवन का हिस्सा बन चुका है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के भुगतान तंत्र को जिस गति से बदला है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है।लेकिन इस बदलाव के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल भी खड़ा हो रहा है-क्या भारत वास्तव में नकदी से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है या डिजिटल भुगतान के साथ-साथ नकदी भी लंबे समय तक भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका निभाती रहेगी?

भुगतान व्यवस्था में आया क्रांतिकारी बदलाव पिछले कुछ वर्षों में भारत में डिजिटल भुगतान का विस्तार असाधारण रहा है। यूपीआई ने भुगतान को न केवल आसान बनाया बल्कि छोटे से छोटे लेन-देन को भी औपचारिक डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पहले डिजिटल भुगतान मुख्यतः शहरों, बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उच्च आय वर्ग तक सीमित माना जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। छोटी दुकानों, रेहड़ी-पटरी वालों, ग्रामीण बाजारों और घरेलू सेवाओं तक में क्यूआर कोड दिखाई देते हैं। ग्राहक के पास नकदी न होने पर भी खरीदारी रुकती नहीं है। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि भुगतान की प्रक्रिया तेज, सरल और अपेक्षाकृत पारदर्शी हुई है। डिजिटल लेन-देन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को मापना और वित्तीय व्यवस्था में शामिल करना आसान होता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था से औपचारिकता बढ़ी भारत की अर्थव्यवस्था की एक पुरानी चुनौती बड़ी संख्या में आर्थिक गतिविधियों का अनौपचारिक क्षेत्र में होना रही है। नकद लेन-देन के कारण छोटे कारोबारों की वास्तविक आय और आर्थिक गतिविधियों का पूरा आकलन कठिन होता था। डिजिटल भुगतान इस स्थिति को बदलने में मदद कर रहा है। बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से होने वाले लेन-देन से कारोबारियों की वित्तीय गतिविधियों का रिकॉर्ड बनता है। इसका लाभ भविष्य में ऋण प्राप्त करने, कारोबार बढ़ाने और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बनाने में मिल सकता है। डिजिटल लेन-देन से सरकार के लिए भी कर व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना संभव होता है। जब आर्थिक गतिविधियां डिजिटल रिकॉर्ड में आती हैं तो कर आधार बढ़ाने और कर चोरी पर अंकुश लगाने की संभावना बढ़ती है। हालांकि यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर डिजिटल लेन-देन सीधे कर चोरी समाप्त कर देता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए मजबूत नियमन, डेटा सुरक्षा और प्रभावी कर प्रशासन भी जरूरी है।

फिर भी नकदी क्यों बनी हुई है? डिजिटल भुगतान की अभूतपूर्व वृद्धि के बावजूद भारत में नकदी समाप्त नहीं हुई है। इसका कारण केवल लोगों की पुरानी आदत नहीं है। देश के विशाल आकार, ग्रामीण आबादी, डिजिटल साक्षरता के असमान स्तर और इंटरनेट तथा बिजली की उपलब्धता में अंतर जैसी वास्तविक चुनौतियां आज भी मौजूद हैं। इसके अलावा समाज के कई वर्ग नकदी को अधिक सुविधाजनक और भरोसेमंद मानते हैं।

उज्बेकिस्तान यात्रा से भारत का रणनीतिक अभ्युदय

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय उज्बेकिस्तान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता मात्र नहीं थी, बल्कि यह बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव का एक ठोस घोषणापत्र बनकर उभरी है। ताशकंद के कुकसारोय राष्ट्रपति पैलेस में आयोजित एक विशेष गरिमामयी समारोह में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव द्वारा पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओली दाराजाली दोस्तलिक' प्रदान किया जाना, इस बात का सीधा प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते अब सामान्य द्विपक्षीय विमर्श से कहीं आगे निकलकर एक प्रगाढ़ और अटूट रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं। प्रधानमंत्री का यह 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और 'विश्वमित्र' की उसकी साख को और पुख्ता करता है। हालांकि, इस ऐतिहासिक यात्रा का वास्तविक मूल्यांकन केवल प्रतीकों और मेडल से नहीं, बल्कि उन रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा समझौतों से होना चाहिए जो भारत के दीर्घकालिक हितों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उज्बेकिस्तान को मध्य एशिया का हृदय स्थल माना जाता है और इस भू-भाग में अपनी पैठ मजबूत किए बिना भारत अपने यूरेशियाई सपनों को साकार नहीं कर सकता। इस यात्रा का सबसे बड़ा और गेम-चेंजर नतीजा यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक स्थायी रणनीतिक ढांचे का निर्माण होना है। भारत अपनी स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं और परमाणु ऊर्जा क्षमताओं के विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन से इतर विकल्पों की तलाश कर रहा है। उज्बेकिस्तान दुनिया के शीर्ष यूरेनियम उत्पादक देशों में शामिल है, और वहां से परमाणु ईंधन की निर्बाध आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होना भारत की भावी ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इस एकल समझौते ने भारत को ऊर्जा के मोर्चे पर एक बड़ी आत्मनिर्भरता और विविधता प्रदान की है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक अपग्रेड कर दिया है। यह केवल एक शब्दावली नहीं है, बल्कि इसके तहत दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 5 अरब डॉलर तक ले जाने का एक अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियां 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुकी हैं और संयुक्त उपक्रमों में सात गुना की भारी बढ़ोतरी देखी गई है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण अब केवल कागजी समझौतों तक सीमित रहने का नहीं है, बल्कि उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया है कि समझौतों को फाइलों की धूल से निकालकर धरातल पर क्रियान्वित किया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत भारत ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शहरी नियोजन के अनुभवों को उज्बेकिस्तान के साथ साझा करने की प्रतिबद्धता जताई है। उज्बेकिस्तान द्वारा बनाए जा रहे 'न्यू ताशकंद' शहर के विकास में भारत अपने गुजरात के गिफ्ट सिटी के सफल मॉडल, आधुनिक तकनीक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभवों का उपयोग करने का अवसर दे रहा है।

रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर भी इस यात्रा ने एक नई इबारत लिखी है। दोनों देशों ने अपनी रक्षा प्रणालियों को सह-विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अपनी रक्षा उद्योगों को प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। आतंकवाद, कट्टरपंथ और अलगाववाद जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों का एक साथ आना मध्य एशियाई क्षेत्र की स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत ने कनेक्टिविटी की बाधाओं को दूर करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी उज्बेकिस्तान के साथ 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, अरल सागर क्षेत्र में पर्यावरण पुनर्वास के लिए भारत द्वारा 1 मिलियन डॉलर का अनुदान देना यह साबित करता है कि भारत इस क्षेत्र के केवल आर्थिक दोहन में नहीं, बल्कि इसके सतत विकास में भी अपनी जिम्मेदारियां समझता है। सांस्कृतिक कूटनीति के स्तर पर, ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में आईसीसीआर संस्कृत चेयर की स्थापना और प्राचीन बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण की पहल ने दोनों सभ्यताओं के ऐतिहासिक जुड़ाव को पुनर्जीवित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के इस सर्वोच्च सम्मान 'दोस्तलिक' का श्रेय भारत के 140 करोड़ नागरिकों और दोनों देशों की सदियों पुरानी ऐतिहासिक विरासत को देकर कूटनीति में एक संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया।

विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की इस बड़ी कूटनीतिक सफलता के बावजूद, घरेलू राजनीति में इस पर तीखी और बंटी हुई प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। भारत की राजनीतिक परंपरा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मुद्दों पर अमूमन एक व्यापक सहमति दिखती है, लेकिन हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय दौरों और सम्मानों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हुई है। कांग्रेस सहित मुख्य विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री को मिले सर्वोच्च सम्मान का स्वागत तो किया, लेकिन सरकार के इस दावों पर सवाल भी उठाए कि यह देश के इतिहास की सबसे अनूठी घटना है। विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं का तर्क है कि भारत के प्रधानमंत्रियों को अतीत में भी विभिन्न देशों से सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलते रहे हैं, और इसे किसी एक व्यक्ति की निजी छवि चमकाने के उपकरण के रूप में प्रचारित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष ने इसे इवेंट मैनेजमेंट करार देते हुए कहा कि सरकार को विदेशी धरती पर मिलने वाले सम्मानों से अधिक ध्यान देश के आर्थिक संकट, बेरोजगारी और आंतरिक सुरक्षा पर देना चाहिए। सामरिक विशेषज्ञों और विपक्षी विचारकों ने उज्बेकिस्तान के साथ 5 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को तो सराहा, लेकिन व्यावहारिक बाधाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। विपक्ष का कहना है कि पाकिस्तान द्वारा जमीनी मार्ग रोके जाने के कारण भारत के लिए मध्य एशिया तक सीधी पहुंच हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। ईरान के चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के विकास की सुस्त रफ्तार को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जब तक कनेक्टिविटी के इन प्रोजेक्ट्स को युद्धस्तर पर पूरा नहीं किया जाता, तब तक उज्बेकिस्तान या किसी अन्य मध्य एशियाई देश के साथ बड़े व्यापारिक लक्ष्यों को हासिल करना केवल एक कागजी कोरी कल्पना ही बना रहेगा। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद का नाम आते ही भारत के मानस पटल पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की रहस्यमयी मृत्यु की यादें ताजा हो जाती हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में विपक्षी समर्थकों और कुछ क्षेत्रीय दलों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि ताशकंद की धरती पर होने के बावजूद, शास्त्री जी की मृत्यु से जुड़े रहस्यों को उजागर करने या उस ऐतिहासिक संदर्भ पर कड़े राजनयिक प्रयास करने की दिशा में इस यात्रा में कोई ठोस बात सामने नहीं आई। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इतिहास के प्रतीकों का इस्तेमाल केवल अपनी सुविधा के अनुसार करती है।

पदनाम के बाद बचा सिर्फ एक सवाल – अब किसके लिए?

आरके जैन

त्यागपत्र आमतौर पर सेवा का अंत माना जाता है, लेकिन हर विदाई अंत नहीं होती। कुछ विदाइयां यह सवाल छोड़ जाती हैं कि असली सेवा आखिर होती क्या है-कुर्सी पर बैठकर निर्णय लेना या उस कुर्सी से बाहर निकलकर उन लोगों के बीच जाना, जिनके सपनों के नाम पर व्यवस्था खड़ी की गई है। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का लगभग 13 साल की सेवा के बाद इस्तीफा इसी सवाल को सामने रखता है। उनका कहना-'अब जनता के सपनों को जीने का समय आ गया है'-सिर्फ नौकरी छोड़ने की घोषणा नहीं, बल्कि उस यात्रा का अगला पड़ाव है जिसमें पद साधन था और मनुष्य मंजिल।

दिव्या मित्तल की कहानी में चमक भी है और बेचैनी भी। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई, फिर लंदन में जेपी मॉर्गन जैसी प्रतिष्ठित संस्था की नौकरी-दुनिया की नजर में इससे बेहतर उपलब्धि क्या होती? मगर जीवन की कठिन कमी कभी-कभी उपलब्धियों से पूरी नहीं होती। विदेश में रहते हुए उन्हें अपने देश से दूर होने की टीस महसूस हुई। उन्होंने माना कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की क्षमता इसी मिट्टी का ऋण है। उसी ऋण ने उन्हें लौटाया। दो बार यूपीएससी दी; पहली बार (2012) आईपीएस चयन और दूसरी बार (2013) अखिल भारतीय रैंक 68 के साथ आईएएस। यह केवल परीक्षा की सफलता नहीं थी, बल्कि भीतर उठती पुकार का जवाब था।

मिर्जापुर ने उस पुकार को अर्थ दिया। लहुरियादह (मिर्जापुर के हलिया ब्लॉक का पहाड़ी गांव) में जब पाइप के रास्ते पानी पहुंचा और करीब सत्तर-पचहत्तर साल बाद पहली बार किसी नल से पानी निकला, तब विकास किसी सरकारी रिपोर्ट का शब्द नहीं रहा। वह पानी बनकर सामने था। एक वृद्ध महिला ने कोई भाषण या औपचारिक धन्यवाद नहीं दिया; उन्होंने बस कांपते हाथों से दिव्या के सिर पर हाथ रखा और आशीर्वाद दिया। उस स्पर्श ने शायद किसी प्रशस्ति-पत्र से अधिक गहरी बात कह दी। दिव्या ने लिखा कि वह यह सोचकर आई थीं कि कुछ देने जा रही हैं, जबकि असल में सबसे ज्यादा उन्होंने ही पाया। यही वह क्षण है जब अधिकारी की आंख से फाइल हटती है और सामने इंसान दिखाई देता है। उनके अनुभवों की दूसरी किताब देवरिया और मिर्जापुर ने मिलकर लिखी। देवरिया ने उन्हें बताया कि सही के साथ खड़ा होना सुविधा नहीं, कर्तव्य है। मिर्जापुर ने सिखाया कि 'असंभव' हमेशा पत्थर पर लिखी हुई सच्चाई नहीं होता; कई बार वह केवल किसी की बनाई हुई धारणा होता है। जमीन का अधिकार पाकर परिवार की आंखों में लौटती चमक, विकलांग व्यक्ति को मिलती गरिमा या किसान के खेत तक पहुंचता पानी-इन छोटे दिखने वाले बदलावों ने प्रशासन की बड़ी-बड़ी परिभाषाओं को उनके सामने छोटा कर दिया। तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिसने व्यवस्था के भीतर रहकर इतने अर्थ खोज लिए, वह उसी व्यवस्था से बाहर क्यों चला गया?

इस प्रश्न का आसान उत्तर शायद कोई नहीं है। न उन्होंने किसी एक घटना को इस्तीफे का कारण बताया, न किसी टकराव को। उनका कहना है-'कुछ भी ट्रिगर नहीं हुआ। पिछले कुछ महीनों से लग रहा था कि मैं इस काम से हो गई हूं।' इस वाक्य को शिकायत की तरह पढ़ना भूल होगी। यह उस व्यक्ति की स्वीकारोक्ति है जिसने अपने हिस्से का रास्ता चलकर महसूस किया कि अब दिशा बदलनी चाहिए। व्यवस्था में रहकर परिवर्तन करना एक रास्ता है, लेकिन हर परिवर्तन का पता सरकारी पदनाम से होकर नहीं गुजरता। कभी-कभी पद से बाहर निकलना भी अपने विश्वास के प्रति ईमानदारी होता है।

यही कारण है कि उनका इस्तीफा उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो सिविल सेवा को अंतिम मंजिल मानकर वर्षों तक किताबों, परीक्षाओं और रैंक के बीच अपना भविष्य खोजते हैं। दिव्या का जीवन बताता है कि आईएएस बनना उपलब्धि हो सकती है, उद्देश्य नहीं। लंदन की सुरक्षित और प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर भारत लौटना एक चुनाव था; आईएएस की प्रतिष्ठित कुर्सी छोड़ना दूसरा। दोनों फैसलों के पीछे एक ही बेचैनी थी-अपने देश और लोगों के लिए कुछ करने की। अब उनके इस्तीफे के बाद राजनीति में जाने की अटकलें हैं। उनका जवाब है-'जब समय आएगा, तब बोलूंगी।' शायद यह मौन जल्दबाजी से बेहतर है, क्योंकि हर सपना घोषणा से नहीं, तैयारी से आकार लेता है। दिव्या का जाना प्रशासनिक व्यवस्था के सामने एक असहज आईना रखता है। सिविल सेवा राज्य की रीढ़ है और स्वेच्छा से अलग होने वाला हर अधिकारी एक सवाल छोड़ता है-क्या व्यवस्था उन लोगों के लिए पर्याप्त जगह बना पा रही है, जिनकी बेचैनी केवल फाइल निपटाने से शांत नहीं होती? इसका अर्थ यह नहीं कि हर इस्तीफा व्यवस्था की विफलता है। लेकिन ऐसे फैसले हमें व्यवस्था के उद्देश्य पर फिर सोचने को मजबूर करते हैं। पद रहते हुए दिव्या ने पानी पहुंचाया; अब पद से बाहर निकलकर भी वे शायद उन प्यासों तक पहुंचना चाहती हैं, जिन्हें सरकारी सीमाएं नहीं छू पातीं। सेवा का रास्ता बदल सकता है, सेवा की प्यास नहीं।

आखिर में बचता है वही कांपता हाथ, जो एक बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर रखा था। सरकारी कुर्सी बदलती है, पदनाम मिट जाता है, फाइलें दूसरी मेज पर चली जाती हैं; लेकिन किसी की आंख में लौटी उम्मीद और किसी आंगन में पहली बार बहा पानी स्मृति से नहीं जाता। दिव्या मित्तल का इस्तीफा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि एक आईएएस अधिकारी ने नौकरी छोड़ दी।

महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पद और उद्देश्य में फर्क करने का साहस दिखाया। कुर्सी सेवा का माध्यम थी; जनता का सपना मंजिल। अब देखना है कि पद से मुक्त हुई यह ऊर्जा किस दिशा में बहती है। कुछ सपने कुर्सी पर बैठकर पूरे होते हैं, कुछ कुर्सी छोड़ने के बाद चलना शुरू करते हैं।

जापान चला यू.पी. की ओर

जेवर के पास आकार लेती देश की पहली आधुनिक जापान सिटी

दुर्गेश्वर राय

उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा एक नए और ऐतिहासिक मोड़ पर पहुँच चुकी है। देश की सबसे बड़ी आबादी वाला यह राज्य अब वैश्विक महाशक्तियों के हाई-टेक विनिर्माण का मुख्य केंद्र बनने जा रहा है। इसी दिशा में सबसे बड़ा और प्रभावी कदम है यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित होने वाली विशेष जापानी औद्योगिक टाउनशिप, जिसे सामान्य बोलचाल में जापान सिटी कहा जा रहा है। जापानी तकनीक, सटीकता, अनुशासन और उत्तर प्रदेश के विशाल संसाधन तथा अनुकूल नीतियों का यह संगम भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने के लिए तैयार है। यह परियोजना राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सटे गौतमबुद्ध नगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर 5-ए और उसके आसपास के लगभग 500 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसकी सबसे बड़ी शक्ति इसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। यह सीधे तौर पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के सबसे निकटवर्ती औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। वैश्विक निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए किसी भी स्थान का चयन करते समय सबसे पहला मानक उसकी कनेक्टिविटी होती है। इस मामले में यह टाउनशिप विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से पूरी तरह आच्छादित है। यहाँ से जेवर एयरपोर्ट की दूरी मात्र कुछ मिनटों की है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कार्गो और विदेशी प्रतिनिधियों का आवागमन सुगम रहेगा। सड़क मार्ग के लिहाज से यह यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और प्रस्तावित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे लिंक से सीधे जुड़ी है। रेल कनेक्टिविटी के लिए इसे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के प्रस्तावित स्टेशन से जोड़ने की रूपरेखा तय की गई है। इसके अतिरिक्त, जेवर से दिल्ली और अन्य एनसीआर क्षेत्रों के लिए रैपिड रेल और मेट्रो का विस्तार भी इस पूरे परिक्षेत्र को निर्बाध गतिशीलता प्रदान करेगा। जापान सिटी की सबसे अनूठी विशेषता इसकी बनावट है। यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप होगी। जापानी कार्यसंस्कृति और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए इसे वॉक टू वर्क की अवधारणा पर विकसित किया जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि यहाँ काम करने वाले जापानी नागरिकों, विशेषज्ञों, इंजीनियरों और भारतीय कामगारों के लिए कार्यस्थल के समीप ही आवास, उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय स्कूल, जापानी व्यंजनों वाले आधुनिक रेस्टोरेंट, अस्पताल, गोल्फ कोर्स, सांस्कृतिक केंद्र और मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यहाँ जापानी भाषा सहायता केंद्र और कम्युनिटी क्लब भी बनाए जा रहे हैं ताकि वहाँ से आने वाले परिवारों को अपनी संस्कृति और परिवेश का सहज अहसास हो सके। इसके साथ ही, निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस टाउनशिप में प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि विदेशी कंपनियों को जमीन लेकर बुनियादी ढांचा तैयार करने में वर्षों का समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। उन्हें पहले से तैयार शेड, चौबीसों घंटे निर्बाध बिजली, उच्च दबाव वाली जलापूर्ति, उन्नत सीवेज ट्रीटमेंट, हाई-स्पीड 5-जी ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और तैयार प्रशासनिक स्वीकृतियां मिलेंगी। कंपनी केवल अपनी मशीनरी लगाएगी और उत्पादन तुरंत शुरू कर सकेगी।

इस हाई-टेक सिटी का मुख्य फोकस उन अत्याधुनिक क्षेत्रों पर है जिनमें जापान वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहा है। इनमें सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, चिप डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, एयरोस्पेस उपकरण, रक्षा निर्माण, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हार्डवेयर, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइसेज शामिल हैं। इन क्षेत्रों की जापानी कंपनियों के यहाँ आने से उत्तर प्रदेश में अत्याधुनिक तकनीक का प्रवाह होगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में राज्य की हिस्सेदारी मजबूत होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस परियोजना को सफल बनाने के लिए आकर्षक नीतियों और वित्तीय प्रोत्साहनों का एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान किया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और फॉर्च्यून-500 कंपनियों को आकर्षित करने के लिए विशेष एफडीआई नीति के तहत भूमि आवंटन पर 75 प्रतिशत तक की भारी सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय पर विशेष कैपिटल सब्सिडी, प्लांट और मशीनरी की खरीद पर छूट, स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। उद्योगों को लगातार और स्थिर उत्पादन बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे बिना किसी रुकावट के बिजली आपूर्ति की वैधानिक गारंटी दी गई है, साथ ही विद्युत शुल्क में कई वर्षों तक की पूर्ण छूट का लाभ भी शामिल है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम निवेश मित्र और समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर्स के माध्यम से निवेशकों को फाइलों के चक्कर से पूरी तरह मुक्त रखा गया है ताकि सभी आवश्यक अनुमतियां समयबद्ध रूप से एक ही स्थान पर मिल सकें। यह परियोजना धरातल पर तेजी से क्रियान्वित हो रही है।

ईंट और प्रशासन का पुराना रिश्ता है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सदर तहसील के उस अंधेरे गलियारे में तीन टांगों के सहारे टिकी वह पुरानी लकड़ी की कुर्सी सालों से धूल फांक रही थी। वह कुर्सी दरअसल हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का सजीव प्रतीक थी जिसमें स्थायित्व के लिए चौथे पाए की जगह ईंटों का एक चटखट्टा लगा हुआ था। ईंट और प्रशासन का पुराना रिश्ता है क्योंकि यहाँ फाइलें भी ईंट की रफ्तार से चलती हैं और अफ़सरों के दिल भी ईंट के ही बने होते हैं। पचहत्तर साल के जगन्नाथ बाबा हर सोमवार सुबह ठीक दस बजे अपने कांपते हाथों में एक लाल रंग की पुरानी फाइल दबाकर उस टूटी कुर्सी पर आकर बैठ जाते थे। दफ़्तर का नया चपरासी जब भी उन्हें वहाँ बैठते देखता तो झुंझलाकर कहता कि बाबा इस टूटी कुर्सी पर क्यों बैठते हो किसी दिन गिरकर अपनी बूढ़ी हड्डियां तुड़वा बैठोगे। चपरासी की यह चिंता मानवाधिकार से ज्यादा दफ़्तर की फर्श गंदी होने के डर से उपजी थी क्योंकि सरकारी फर्श पर बुजुर्ग का गिरना प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जाता है। बाबा अपनी सूजी हुई आँखों से उसकी तरफ देखते और उदास मुस्कान बिखेरते हुए कहते कि बेटा इस कुर्सी से मेरी आत्मा का नाता जुड़ चुका है। असल में आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए भारत में सरकारी दफ़्तर से उपयुक्त कोई जगह नहीं है क्योंकि यहाँ पहुँचकर आदमी को दुनिया की नश्वरता का तुरंत आभास हो जाता है।दफ़्तर के बड़े बाबू अक्सर उन्हें देखकर ताना मारते कि ज़मीन का मुआवज़ा पाना इतना आसान नहीं होता बूढ़े तुम तीन साल से यहाँ चक्कर काट रहे हो पर फाइल आगे सरकती ही नहीं। बड़े बाबू का यह कहना वैसा ही था जैसे यमराज किसी को अमर होने का वरदान दे रहे हों। सरकारी फाइल में पहिये नहीं होते पर उसके पैर इतने लंबे होते हैं कि वह दराज़ से निकलकर अलमारी तक पहुँचने में एक पूरी पीढ़ी निगल जाती है। तहसील में आने वाले तमाम फरियादी और मुंशी उस टूटी कुर्सी पर बैठे जगन्नाथ बाबा को बड़े अचरज से देखते थे जैसे वे किसी ऐतिहासिक स्मारक के अवशेष हों। बाबा कभी किसी अफ़सर से बदतमीज़ी नहीं करते थे क्योंकि वे जानते थे कि अफ़सर को गुस्सा दिलाना साक्षात ईश्वर को त्यागपत्र देने जैसा है। दोपहर ढलते ही वे अपनी फाइल को झोले में रखते और कुर्सी के ईंट वाले पाए को थोड़ा सीधा करके अपने घर चले जाते थे। गाँव के लोग कहते थे कि बाबा की उपजाऊ ज़मीन पर जब से नया हाईवे बना है तब से वे एक एक पैसे के लिए मोहताज हो गए हैं। हाईवे दरअसल विकास की वह सड़क है जिस पर अमीर अपनी गाड़ियाँ दौड़ाते हैं और गरीब अपनी फाइलें।

जब भी कोई मुंशी या वकील बाबा से उनका दुखड़ा पूछने आता तो वे सिर्फ फाइल की तरफ इशारा करते। पूरा तहसील प्रशासन इस बात से हैरान था कि कोई इंसान बिना किसी उग्र प्रदर्शन के केवल एक टूटी कुर्सी पर बैठकर इतना गहरा सन्नाटा कैसे रच सकता है। असल में भारतीय प्रशासन को शोर की आदत है पर खामोशी उसे डराती है क्योंकि खामोश आदमी कभी भी रिश्वत की पेशकश नहीं करता। एक दिन अचानक ज़िले के नए कलेक्टर ने तहसील का औचक निरीक्षण किया।

कलेक्टर साहब के आने का मतलब था कि धूल झाड़ी जाएगी और भ्रष्टाचार को थोड़ी देर के लिए अलमारी में बंद कर दिया जाएगा। कलेक्टर साहब ने जब बाबा को उस खस्ताहाल कुर्सी पर बैठे देखा तो गुस्से में चपरासी को डांटते हुए कहा कि तुम लोग एक बुजुर्ग इंसान को इस टूटी कुर्सी पर बैठाकर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहे हो। यह सरकारी संवेदनशीलता का वह क्षण था जब अफ़सर को कुर्सी की हालत देखकर दुख हुआ पर फाइल की हालत देखकर कोई फर्क नहीं पड़ा।

हल छठ 2 सितंबर को मनाया जाएगा

पंचांग अनुसार हल छठ का पावन पर्व भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं अनुसार इसी दिन भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम जी का जन्म हुआ था। इसी कारण से इस पर्व को बलराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है।

हल छठ का पावन पर्व कृष्ण जन्माष्टमी से दो दिन पहले मनाया जाता है। इसे ललही छठ, चन्दन छठ, कमर छठ और खमर छठ के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन बलराम जी का जन्म हुआ था, इसलिए इसे बलराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों में इस पर्व को ऊब छठ, चन्द्र छठ, तिनछठी, तिन्नी छठ, चानन छठ और चना छठ के नाम से भी मनाया जाता है। हल षष्ठी यानी हरछठ के दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु और उनके सुखी जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। मान्यता ये भी है कि इस व्रत को रखने से संतान सुख की भी प्राप्ति होती है।

चलिए जानते हैं इस साल हल षष्ठी कब मनाई जाएगी।

हल षष्ठी कब है 2026

हल षष्ठी का पावन पर्व 2 सितंबर 2026, बुधवार को मनाया जाएगा। षष्ठी तिथि की शुरुआत 2 सितंबर की सुबह 06:12 से होगी और समाप्ति 3 सितंबर की सुबह 04:25 बजे पर होगी। उदया तिथि के अनुसार हल षष्ठी यानी हरछठ का पर्व 2 सितंबर को मनाया जाएगा।

हल षष्ठी 2026 शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त - 04:29 AM से 05:14 AM
प्रातः सन्ध्या - 04:52 AM से 05:59 AM
विजय मुहूर्त - 02:28 PM से 03:18 PM
गोधूलि मुहूर्त - 06:42 PM से 07:04 PM
सायाह्न सन्ध्या - 06:42 PM से 07:50 PM
अमृत काल - 09:06 PM से 10:38 PM

हल षष्ठी का त्योहार क्यों मनाया जाता है? हल षष्ठी के दिन महिलाएं अपनी संतानों के लिए व्रत रखती हैं। यह व्रत भगवान कृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता भगवान बलराम को समर्पित होता है।

ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को रखने से संतान को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और सुखी जीवन की प्राप्ति होती है। मान्यताओं के अनुसार जिन दंपतियों की कोई संतान नहीं है, उनके लिए भी यह व्रत फलदायी साबित होता है। इस दिन व्रत करने वाली स्त्रियां हल द्वारा जोती गयी फसल से प्राप्त चीजों का सेवन नहीं करती हैं, क्योंकि हल को बलराम जी का शस्त्र माना गया है।

इस व्रत में सरोवर, तालाब आदि जलस्रोतों में उगाई गयी वस्तुओं का सेवन किया जाता है। वहीं गाय के दूध और दही से बनी चीजों का सेवन नहीं किया जाता है। कई क्षेत्रों में हल षष्ठी के दिन महिलाएं महुआ की दातुन करने के साथ-साथ महुआ का सेवन भी करती हैं।

सितंबर 2026 के प्रमुख व्रत और त्योहार

4 सितंबर (शुक्रवार): कृष्ण जन्माष्टमी
5 सितंबर (शनिवार): दही हांडी, शिक्षक दिवस
7 सितंबर (सोमवार): अजा एकादशी
8 सितंबर (मंगलवार): भौम प्रदोष व्रत, पर्यूषण पर्व आरंभ
9 सितंबर (बुधवार): मासिक शिवरात्रि
14 सितंबर (सोमवार): हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी (गणेश उत्सव आरंभ)
15 सितंबर (मंगलवार): ऋषि पंचमी
17 सितंबर (गुरुवार): विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रांति
19 सितंबर (शनिवार): राधा अष्टमी
22 सितंबर (मंगलवार): परिवर्तिनी एकादशी
24 सितंबर (गुरुवार): गुरु प्रदोष व्रत
25 सितंबर (शुक्रवार): अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन
26 सितंबर (शनिवार): भाद्रपद पूर्णिमा व्रत
27 सितंबर (रविवार): पितृ पक्ष आरंभ

2 सितंबर को शुक्र का बड़ा राशि परिवर्तन किन 6 राशियों को मिलेगा बंपर लाभ?

2 सितंबर 2026 को शुक्रदेव अपनी ही राशि तुला में कदम रखने जा रहे हैं. ज्योतिष में शुक्रदेव को प्यार, शादी, सुंदरता, सुख-आराम, कला, वाहन, धन और आपसी रिश्तों का बड़ा कारक माना जाता है. तुला राशि का सीधा नाता जीवन में मेल-जोल, आपसी तालमेल और एक-साथ मिलकर आगे बढ़ने से है. अपनी ही राशि में होने के कारण शुक्रदेव बहुत मजबूत स्थिति में रहेंगे, जिससे रिश्तों को संवारने, पार्टनरशिप को बेहतर बनाने, कला के क्षेत्र में नाम कमाने और धन लाभ पाने के शानदार मौके सामने आएंगे. मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि के लोगों के लिए यह समय बहुत ही शानदार रहने वाला है।

मेष राशि

शुक्रदेव आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर करेंगे. यह समय प्यार, शादी और पार्टनरशिप के लिए बहुत बढ़िया है. जो लोग शादीशुदा हैं, उनके आपसी रिश्ते और प्यार में और ज्यादा गहराई आएगी. कारोबारियों को नए समझौतों और खास ग्राहकों से बड़ा फायदा मिल सकता है. प्यार, शादी, व्यापार की पार्टनरशिप और काम के मामलों में आपको बेहतरीन लाभ मिलेंगे.

उपाय: शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की पूजा करें और उन्हें सफेद फूल अर्पित करें।

मिथुन राशि

शुक्रदेव आपकी राशि से पांचवें भाव में गोचर करेंगे. यह समय प्यार, पढ़ाई, कला, बच्चों और मनोरंजन के कामों के लिए बहुत फलदायी है. प्रेम संबंधों में आपसी अपनापन और मिठास और अधिक बढ़ेगी. कलाकारों, लेखकों, मीडिया और कला से जुड़े अन्य कामों में लगे लोगों को मान-सम्मान और नए मौके मिलेंगे. पढ़ाई, कला और मनोरंजन के क्षेत्रों में आपको शानदार सफलता हाथ लगेगी.

उपाय: शुक्रवार के दिन सफेद मिठाई का दान करें और माता लक्ष्मी का ध्यान करें।

सिंह राशि

शुक्रदेव आपकी राशि से तीसरे भाव में गोचर करेंगे. इससे आपकी बातचीत का ढंग, नए लोगों से मेल-जोल, साहस और कलात्मक अभिव्यक्ति बहुत मजबूत होगी. मार्केटिंग, बिक्री, मीडिया और लिखने-पढ़ने के काम से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है. छोटी-छोटी यात्राएं भी आपके लिए नए संपर्क और काम के बेहतरीन अवसर लेकर आएंगी. व्यापार, बातचीत और नए संपर्कों के जरिए आपको खूब फायदा होगा.

उपाय: शुक्रवार के दिन किसी जरूरतमंद को सफेद कपड़े या चावल का दान करें।

तुला राशि

शुक्रदेव आपकी ही राशि यानी पहले भाव में अपनी ही राशि में गोचर करेंगे. यह आपके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, रिश्तों और समाज में मान-सम्मान के लिए सबसे बेहतरीन समय में से एक है. आपका आकर्षण तेजी से बढ़ेगा, जबकि प्रेम और विवाह से जुड़े मामलों में भी बहुत सकारात्मक सहयोग मिलेगा. आपके व्यक्तित्व, प्यार, शादी, करियर और समाज में आपकी साख में जबरदस्त सुधार होगा।

उपायः शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की पूजा करें और अपने आस-पास का माहौल हमेशा साफ-सुथरा और खुशनुमा रखें।

धनु राशि

शुक्रदेव आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में गोचर करेंगे. इससे आपकी आमदनी, मुनाफे, नए संपर्कों और इच्छाओं को पूरा करने में बहुत मदद मिलेगी. आपकी कमाई में इजाफा होगा, जबकि नए पेशेवर संपर्क आपके लिए फायदेमंद रास्ते खोलेंगे. कारोबारियों को नए ग्राहक मिलेंगे और वे बहुत मजबूत पार्टनरशिप बना सकेंगे. आमदनी, व्यापार और धन लाभ के मामलों में आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

उपाय: शुक्रवार के दिन सफेद मिठाई का दान करें और माता लक्ष्मी को सफेद फूल चढ़ाएं।

कुंभ राशि

शुक्रदेव आपकी राशि से नौवें भाव में गोचर करेंगे. यह आपके भाग्य, उच्च शिक्षा, लंबी दूरी की यात्राओं, अध्यात्म और गुरुओं के मार्गदर्शन में पूरा साथ देगा. विदेश से जुड़े संपर्क और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसर आपके लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे. जो लोग उच्च शिक्षा या विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं, उन्हें भी बहुत अच्छे संकेत मिलेंगे. यह गोचर भाग्य, पढ़ाई, यात्रा और विदेश के अवसरों को पूरी मजबूती देगा।

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण को लगाते हैं 56 भोग?

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन भक्त व्रत रखते हैं, मंदिरों और घरों में श्रीकृष्ण का श्रृंगार करते हैं और उन्हें उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाते हैं. बाल गोपाल को प्रसन्न करने के लिए कई भक्त विशेष रूप से छप्पन भोग भी अर्पित करते हैं. हालांकि, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान को भोग लगाते समय कुछ नियमों और शुद्धता का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है.

भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. इससे एक पौराणिक कथा भी जुड़ी है, जिसके अनुसार माता यशोदा बालकृष्ण को प्रतिदिन आठ पहर भोजन कराती थीं. जब इंद्र के कोप से ब्रज की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण ने सात दिनों तक गोवर्धन पर्वत उठाया था, तब भगवान ने लगातार सात दिन और आठ पहर बिना कुछ खाए बिताए. इंद्र का अहंकार टूटने और वर्षा शांत होने पर ब्रजवासियों ने मिलकर 7 दिन x 8 पहर यानी 56 प्रकार के भोग श्रीकृष्ण को अर्पित किए. अगर आप भी इस जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाने वाले हैं, तो आइए जानते हैं छप्पन भोग लगाने के जरूरी नियम.

जन्माष्टमी 2026 कब है?

साल 2026 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर, शुक्रवार को मनाई जाएगी. पंचांग के मुताबिक, अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है. जन्माष्टमी पर भक्त रात के समय भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं और निशीथ काल में बाल गोपाल की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं.

56 भोग लगाने के नियम

शुद्धता और सात्विकता:- भोग के सभी व्यंजन पूरी तरह शुद्ध, सात्विक और 56 भोग महापूजा देसी घी में बने होने चाहिए. इसमें प्याज और लहसुन का इस्तेमाल वर्जित है.

तुलसी दल की अनिवार्यता:- भगवान कृष्ण को लगाए जाने वाले हर भोग में तुलसी का पत्ता रखना जरूरी माना जाता है, क्योंकि तुलसी के बिना वो भोग स्वीकार नहीं करते.

बर्तनों का चुनाव:- भगवान को भोग सोने, चांदी, तांबे, पीतल, लकड़ी या मिट्टी के पात्र में ही अर्पित करना चाहिए. भूलकर भी स्टील या प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग नहीं करना चाहिए.

जल का पात्र:- भोग के साथ भगवान के सामने आदरपूर्वक एक छोटे जल से भरा पात्र (जल प्रक्षालन के लिए) अवश्य रखना चाहिए.

समयावधि:- भोग को भगवान के सामने कुछ देर रखकर घंटी बजाएं या ताली बजाकर उनका आह्वान करें. इसके बाद थोड़ी देर (लगभग 5 से 10 मिनट) के लिए मंदिर या पूजा घर का पर्दा बंद कर दें या स्वयं वहां से हट जाएं.

प्रसाद हटाने की अवधि:- भोग को भगवान के सामने बहुत देर तक या पूरे दिन नहीं छोड़ना चाहिए. पांच से दस मिनट के भीतर ही भोग को हटाकर प्रसाद रूप में बांट देना चाहिए.

बेडरूम से लेकर लॉकर तक घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा को कैसे बनाएं लकी?

वास्तु शास्त्र में घर की हर दिशा का अपना अलग महत्व बताया गया है. इनमें दक्षिण-पश्चिम दिशा यानी नैऋत्य कोण को स्थिरता, मजबूती और जिम्मेदारियों से जोड़कर देखा जाता है. माना जाता है कि इस दिशा में रखी चीजों और कमरों का असर घर के माहौल पर पड़ सकता है. खासकर बेडरूम, अलमारी, लॉकर और भारी सामान रखने के लिए इस दिशा को महत्वपूर्ण माना जाता है. अगर घर में दक्षिण-पश्चिम दिशा का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो वास्तु मान्यताओं के अनुसार स्थिरता और सुख-समृद्धि का वातावरण बनाने में मदद मिल सकती है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा क्यों मानी जाती है खास?

वास्तु शास्त्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा को पृथ्वी तत्व से संबंधित माना जाता है. पृथ्वी तत्व स्थिरता और मजबूती का प्रतीक माना जाता है. इसी वजह से घर के इस हिस्से को बहुत अधिक खाली या बिखरी रखने के बजाय भारी और स्थिर वस्तुओं के लिए सही माना जाता है. मान्यता है कि अगर घर का नैऋत्य कोण मजबूत और संतुलित हो तो परिवार में स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलती है. वहीं, इस हिस्से में वास्तु दोष होने की स्थिति में पारिवारिक और आर्थिक मामलों में अस्थिरता आने की मान्यता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनवाएं बेडरूम

वास्तु के अनुसार घर के मुखिया या परिवार के बड़े सदस्यों के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में बेडरूम होना अच्छा माना जाता है. इसे स्थिरता और जिम्मेदारी से जोड़कर देखा जाता है. बेड को कमरे के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में रखना शुभ माना जाता है. सोते समय सिर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखने की सलाह भी वास्तु में दी जाती है. वहीं, कमरे के बीचोंबीच भारी सामान रखने से बचना बेहतर माना जाता है।

लॉकर और तिजोरी के लिए क्या है नियम?

घर में धन और कीमती सामान रखने के लिए लॉकर या तिजोरी की दिशा को लेकर भी वास्तु में कई मान्यताएं हैं. आम तौर पर तिजोरी को ऐसे स्थान पर रखने की सलाह दी जाती है जहां उसका दरवाजा उत्तर दिशा की ओर खुले. वास्तु मान्यता में उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर से संबंधित माना जाता है. अगर लॉकर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखा जा रहा है तो उसे दीवार के साथ मजबूती से रखना बेहतर माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें भारी सामान

वास्तु मान्यताओं के अनुसार दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी सामान रखना शुभ माना जाता है. इस हिस्से में भारी अलमारी, मजबूत फर्नीचर या अन्य वजनदार वस्तुएं रखी जा सकती हैं. इसका कारण यह बताया जाता है कि दक्षिण-पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व से जुड़ी है और भारी वस्तुएं इस दिशा की स्थिरता को बनाए रखने में मदद करती हैं. वहीं, इस हिस्से को बहुत ज्यादा खाली रखने से बचने की सलाह दी जाती है. लेकिन सामान रखने का मतलब यह नहीं है कि कमरे को कबाड़ से भर दिया जाए. भारी सामान भी व्यवस्थित और साफ तरीके से रखना चाहिए।

महाभारत का सबसे बड़ा रहस्य, कर्ण को मिले 3 श्राप कैसे बने उनकी वीरगति का कारण

कर्ण महान योद्धा होने के साथ-साथ महान दानवीर भी था। महाभारत के अनुसार उन्हें 3 श्राप मिले थे, जो उनके वीरगति को प्राप्त होने का कारण बने।

एक बार कर्ण से भूलवश एक ब्राह्मण की गाय का बछड़ा मारा गया, तो ब्राह्मण ने उन्हें श्राप दिया कि जिस तरह तुमने अनाथ समझकर मेरी गाय के बछड़े को मारा है, एक दिन तुम भी अनाथों की तरह जीवन के खास युद्ध के दौरान मारे जाओगे।

कर्ण ने बहुत क्षमा मांगी, लेकिन ब्राह्मण ने उन्हें क्षमा नहीं किया।

एक बार एक बच्ची का घी धरती पर गिर गया तो वह रोने लगी। कर्ण ने कहा कि वह उसे और घी लाकर देगा लेकिन वह कहने लगी कि मेरी मां सौतेली है, यदि उसे पता चल गया तो वह मुझे मारेगी, इसलिए मुझे यही घी चाहिए। कर्ण ने बच्ची से कहा कि तुम रोओ मत, मैं तुम्हें यही घी दे दूंगा।

कर्ण ने मिट्टी को इकट्ठा करके जैसे ही निचोड़ा, उसमें से एक महिला के रोने की आवाज आई। उसने कर्ण से कहा, ''मैं धरती माता हूं, तुम्हारे इस तरह करने से हमें बहुत कष्ट हुआ है।'' क्रोधित होकर धरती मां ने कर्ण को श्राप दिया कि जिस दिन तुम जीवन का महत्वपूर्ण युद्ध लड़ रहे होगे, उस दिन तुम्हारे रथ का पहिया धरती में धंस जाएगा और तुम युद्ध हार जाओगे।

कर्ण ने स्वयं को ब्राह्मण बताकर (झूठ बोलकर) परशुराम जी से युद्ध-विद्या हासिल की थी। एक दिन परशुराम जी कर्ण की जांघ पर सिर रखकर सो गए। कुछ समय बाद कर्ण की जांघ को एक कीड़े ने काटना शुरू कर दिया। गुरु जी की नींद खराब न हो, इसलिए कर्ण ने सारा दर्द सह लिया। जब परशुराम जी की नींद खुली तो उन्होंने खून देखा। वह समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण नहीं है।

परशुराम जी ने कर्ण से उसकी जाति पूछी, तो उसने बताया कि मैं ब्राह्मण नहीं, सूत (सारथी) पुत्र हूं। यह सुनकर परशुराम को क्रोध आ गया और उन्होंने कहा, ''तुमने अपने गुरु से पहचान छिपाकर युद्ध-विद्या हासिल की है, इसलिए मैं तुम्हें श्राप देता हूं कि जब तुम अपने जीवन का अहम युद्ध लड़ोगे, उस दिन यह सारी विद्या भूल जाओगे।'' अंत में ये तीनों श्राप कर्ण-अर्जुन के युद्ध के दौरान पूरे हुए और वह कर्ण वीरगति को प्राप्त हो गया।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है- अविका गौर

अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है। अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, "मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।"

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, "शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, "शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।"

उन्होंने कहा, "जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।"

अविका ने लिखा, "मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, "कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।"

बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में अविका गौर का सफर शो के दूसरे हफ्ते में ही खत्म हो गया था। एलिमिनेशन स्टंट में उनका मुकाबला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामानी यानी ओरी से हुआ था। ओरी ने यह स्टंट करीब 10 मिनट में पूरा कर लिया, जबकि अविका को इसे पूरा करने में 13 मिनट से ज्यादा का समय लगा। इसके बाद उनका शो का सफर खत्म हो गया।

'कौन बनेगा करोड़पति' में अमिताभ बच्चन ने खोला बेटे अभिषेक का राज बोले-'वो फल खाते ही नहीं हैं'

अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच सिर्फ पिता और बेटे का रिश्ता नहीं, बल्कि दोस्ती का रिश्ता भी है। अमिताभ कई मौकों पर अभिषेक के बारे में कुछ न कुछ बातें बताते रहते हैं। अब एक बार फिर कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब 'कौन बनेगा करोड़पति' के मंच पर एक कंटेस्टेंट ने अमिताभ से उनके और अभिषेक के रिश्ते को लेकर बात की। इस दौरान बिग बी ने अभिषेक की खाने से जुड़ी एक ऐसी आदत के बारे में बताया, जिसे सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। दरअसल, शो के दौरान एक कंटेस्टेंट ने अमिताभ बच्चन से कहा कि उनका और अभिषेक का रिश्ता काफी अच्छा और दोस्ताना है। इस पर अमिताभ ने कहा, मैं अभिषेक को अपना दोस्त मानता हूं। लेकिन उनमें एक अजीब आदत है कि वह फल बिल्कुल नहीं खाते हैं। उन्होंने बताया, परिवार के बाकी लोग फल खाते हैं लेकिन अभिषेक के मामले में ऐसा नहीं है। अगर दूध से बनी कोई चीज हो तो वह उसे लेने में थोड़ा झिझक सकते हैं लेकिन फल खाने की बात हो तो वह बिल्कुल तैयार नहीं होते।

शो में हुई यह मजेदार बातचीत कुछ ही देर में इमोशनल हो गई। दरअसल, अमिताभ ने अपने पिता और मशहूर कवि हरिवंश राय बच्चन की एक कविता को याद किया। यह कविता पिता और बेटे के रिश्ते, विरासत और उस सोच की बात करती है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जाती है।

अमिताभ ने कहा, 'मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे। जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे, वो मेरे बेटे होंगे।'

इससे पहले शो के एक एपिसोड में अमिताभ ने अपने पुराने सपने का जिक्र किया था। उन्होंने कहा, "एक समय मेरे मन में आईएफएस में जाने का विचार आया था। मैंने भी सिविल सर्विस का एग्जाम देने और भारतीय विदेश सेवा में करियर बनाने के बारे में सोचा था। हालांकि, उस समय मुझे आईएफएस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे इसका 'आई' तक नहीं आता था। इसलिए मैंने इस विचार को छोड़ दिया।"

डांस वीडियो पोस्ट करते ही ट्रोल हुईं मन्नारा चोपड़ा, वजन पर लोगों ने किए कमेंट

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी पोस्ट कर फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके बाद फिर वे बॉडी शेमिंग का शिकार होती नजर आईं। अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अरूब खान के पॉपुलर पंजाबी ट्रैक 'गुच्ची' पर डांस कर रही हैं। वीडियो में मन्नारा ने ब्लैक स्ट्रक्चर्ड, जैकेट-स्टाइल आउटफिट पहने हुए है। उन्होंने लिखा, जब आप पहले से ही एक ब्रांड हैं तो लेबल के पीछे क्यों भागें?

मन्नारा चोपड़ा के इस वीडियो पर कई यूजर्स ने प्यार बरसाया, तो वहीं कुछ ने उनके लुक्स और वजन पर कमेंट किया। एक यूजर ने लिखा, आप मोटी क्यों हो रहे हो।, जबकि दूसरे ने कमेंट किया, बहुत मोटी

एक और यूज़र ने लिखा, जिम जाओ और थोड़ा वर्कआउट करो, यह बॉडी शेमिंग नहीं है, यह एक फैन के तौर पर मेरी चिंता है।

हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है, जब मन्नारा चोपड़ा को अपने बढ़ते वजन को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। इससे पहले भी पब्लिक इवेंट्स में भी उन्हें बॉडी-शेम किया गया था और एक सोशल मीडिया यूजर ने उनके वजन पर कमेंट किया और उन्हें वजन कम करने के लिए कहा था।

साउथ से लेकर बॉलीवुड में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बना चुकी मन्नारा चोपड़ा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2014 में तेलुगु फिल्म 'प्रेमा गीमा जंथा नाई' से की थी। साल 2014 में ही उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'जिद' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।

इसके अलावा उन्होंने 'जक्कन्ना' (2016), 'थिक्का' (2016), 'रोग' (2017) और 'सीता' (2019) जैसी कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय किया है। मन्नारा चोपड़ा को साल 2023-2024 में रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 17' में देखा गया, जहां वह शो की सेकेंड रनर-अप रहीं। इस शो से उन्हें घर-घर में जबरदस्त लोकप्रियता मिली थी।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई, कहा- उनके जैसा कोई नहीं

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा।

मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं।

आपने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?

अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है। वैज्ञानिक सोच होने से एक एक्टर को बहुत मदद मिलती है।

अभिनेत्री भावना पानी हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने 'नौकरानी रागिनी' का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने इस फिल्म के लोकप्रिय गाने 'ओ सुंदरी' में अपने डांस से वह काफी चर्चा में आई थीं।

डीप फेक की शिकार हुईं 'अर्जुन रेड्डी' फेम एक्ट्रेस

सोशल मीडिया पर फूटा शालिनी पांडे का गुस्सा

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने फेक आई वीडियो मामले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह सब काफी परेशान करने वाला मामला है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस से खास अपील की है।

एक्ट्रेस ने क्या किया पोस्ट

हाल ही में शालिनी पांडे का एक एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। उस मामले में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा,'मैं अपने उस फर्जी, कृत्रिम रूप से बनाए गए वीडियो के बारे में बात करना चाहती हूं जो इस समय ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है।

यह वीडियो पूरी तरह से मनगढ़ंत है और इसमें मैं नहीं हूं। मैं इस तरह के दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं और मेरा मानना है कि टेक्नोलॉजी के ऐसे दुरुपयोग को कभी भी सामान्य नहीं माना जाना चाहिए।

फैंस के की खास अपील

आगे अपनी पोस्ट में शालिनी पांडे ने कहा, 'यदि आपको यह वीडियो कहीं भी दिखाई दे, तो कृपया इसे साझा न करें, आगे न भेजें, डाउनलोड न करें या इस पर कोई प्रतिक्रिया न दें। इसके बजाय, कृपया इसकी तुरंत रिपोर्ट करें। मैं सभी से ज़िम्मेदारी और सावधानी बरतने का अनुरोध करता हूं, और इसके प्रसार को रोकने में मदद करने का आग्रह करता हूं, न कि इसे और अधिक लोगों तक पहुंचाने का। धन्यवाद।'

एक्ट्रेस शालिनी पांडे हाल ही में धनुष की फिल्म 'इडली कढ़ाई' में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है।इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म 'दायरा' में आयेंगे नजर

अभिनेत्री करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर 'दायरा' के मेकर्स ने सोमवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। यह फिल्म सही और गलत के बीच की नैतिकता और समाज के पेचीदा पहलुओं को दर्शाती है। 2 मिनट 19 सेकंड का ट्रेलर सच्ची घटनाओं से प्रेरित अपराध की एक ऐसी कहानी है जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। इस घटना के बाद दो अलग-अलग जांच शुरू हो गई थीं।

फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन दो सीनियर पुलिस अधिकारी की भूमिका में है, जो एक ही केस को अलग-अलग नजरिए से देखते हैं। ट्रेलर के साथ-साथ सस्पेंस भी आगे बढ़ता है और नए खुलासे सामने आते हैं। साथ ही केस को देखने का नजरिया बदल जाता है। इसके दमदार डायलॉग सच और न्याय पर सवाल उठाते हैं।

फिल्म अपनी कहानी के जरिए सवाल पैदा करती है कि कैसे एक कहानी जल्दी ही फैसला बन जाती है? जब हर किसी की अपनी राय है, तो न्याय क्या है, ये कौन तय करेगा और जब हम सिर्फ देखने वाले हैं तो हम किस पर यकीन करेंगे?

ट्रेलर में जितेंद्र जोशी, क्षिती जोग, कंवलजीत सिंह, संदीप कुलकर्णी और तृप्ति खामकर जैसे कलाकार भी नजर आते हैं। करीना और पृथ्वीराज के साथ ये सभी मिलकर कहानी में इमोशन और गहराई लाते हैं, जो अलग-अलग नजरियों, मुश्किल फैसलों और उनके अंजाम की कहानी है।

मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी फिल्म 'दायरा' का लेखन यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने किया है। वहीं, जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज मिलकर प्रोड्यूस करेंगे।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित, 'दायरा' जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज के बीच पहला कोलैबोरेशन है। साथ ही, 'तलवार' और 'राजी' के बाद मेघना गुलजार का जंगली पिक्चर्स के साथ यह तीसरा कोलैबोरेशन है। यह फिल्म करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की एक साथ पहली फिल्म भी है।

जंगली पिक्चर्स और डॉ. जयंतीलाल गडा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रोड्यूस और पेन मरुधर द्वारा डिस्ट्रीब्यूटेड। यह फिल्म 18 सितंबर को हिंदी और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वजन घटाने का ट्रेंड बन सकता है हार्ट अटैक की वजह

दुनियाभर में कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, मोटापा और सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। शोध बताते हैं, अगर हम सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लें तो इससे बीमारियों के जोखिमों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है।

यही कारण है कि आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग, फिटनेस और वजन घटाने का सबसे ट्रेंडिंग तरीका बन गया है। लोग इसे 'जादुई डाइट प्लान' मानकर अपनाने लगे हैं। अध्ययन भी कहते हैं कि इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि ब्लड शुगर, मेटाबॉलिज्म और दिमाग की सेहत पर भी बेहतर असर देखा गया है।

लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा भी बढ़ सकता है।

मतलब साफ है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग के लाभ जरूर हैं पर हर किसी के लिए ये एक जैसा फायदेमंद नहीं है। अगर आप भी इस तरह की डाइट का पालन कर रहे हैं तो ये रिपोर्ट आपके बड़े काम की है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग को लेकर रही है काफी चर्चा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया कि बिना अपनी सेहत के बारे में जाने, लोगों को देखकर आप भी

इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करने वाले इस डाइट प्लान से हृदय संबंधी मृत्यु का खतरा 91% बढ़ जाता है। इस बारे में जानने से पहले आइए समझ लेते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग आखिर है क्या?

इंटरमिटेंट फास्टिंग एक काफी चर्चित डाइट प्लान है, जिसमें आप दिन के कुछ घंटे खाना खाते हैं और बाकी समय उपवास रखते हैं। ये आपके खाने के शेड्यूल से संबंधित प्लान है। इसका आसान सा नियम है - 16:8 का पालन करना यानी 16 घंटे उपवास और 8 घंटे में भोजन।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरमिटेंट फास्टिंग से वजन और पेट की चर्बी कम हो सकती है, ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और सूजन कम होती है, जिससे बीमारियों का खतरा कम होता है।

हार्ट अटैक और मृत्यु का खतरा

इंटरमिटेंट फास्टिंग से होने वाले फायदों की खूब चर्चा रहती है, हालांकि जर्नल ऑफ अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग हृदय संबंधी मृत्यु जैसे हार्ट अटैक के खतरे को 91% तक बढ़ा सकता है।

20,000 से ज्यादा वयस्कों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो लोग 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करते थे और बाकी समय कुछ नहीं खाते थे उनमें हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 91% अधिक था। पहले से ही हृदय रोग या कैंसर से पीड़ित लोगों में भी हृदय संबंधी मृत्यु का जोखिम और भी बढ़ जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग का शरीर पर क्या होता है असर?

चीन स्थित शंघाई जियो टोंग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में महामारी विज्ञान के प्रोफेसर और शोध के लेखक विक्टर वेन्जे झोंग कहते हैं, इंटरमिटेंट फास्टिंग के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को समझने के लिए किए गए अध्ययन में पाया गया है कि यह हृदय रोग के जोखिमों को बढ़ाने वाला हो सकता है।

असल में इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए कैलोरी को कंट्रोल करने का लक्ष्य होता है। कैलोरी पर बहुत ज्यादा या लंबे समय तक प्रतिबंध लगाने से रक्त शर्करा का स्तर कम हो सकता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अगर आप लंबे समय तक कुछ नहीं खा रहे हैं, लेकिन फिर भी दिनभर सक्रिय रहते हैं, तो संभव है कि इससे आपकी हृदय गति बढ़ जाए। इस तरह की अनियमितता के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

प्रजनन स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

हृदय स्वास्थ्य पर इसके दुष्प्रभावों के अलावा एक अन्य अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग महिलाओं के प्रजनन हार्मोन को भी प्रभावित कर देती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस तरीके को प्रयोग में लाने वाली महिलाओं में मां बनने से संबंधित समस्याओं के बारे में पता चला है। हार्मोन्स असंतुलन के कारण प्रजनन के साथ-साथ शरीर में और भी कई प्रकार की जटिलताओं का जोखिम हो सकता है, ऐसे में बिना डॉक्टरी सलाह के ऐसे उपायों को प्रयोग में लाने से बचा जाना चाहिए।

अध्ययन से पता चला है कि यह आहार पैटर्न, शरीर में आवश्यक इस हार्मोन के उत्पादन में कमी का कारण बनता है, जिसका अंडे की गुणवत्ता और ओवरी के कार्यों पर भी प्रभाव देखा गया है।

शरीर के किस भाग में जमा होता है सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल, इन बीमारियों से अधिक है खतरा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या आम हो चली है. ऐसा हमारी खराब लाइफस्टाइल के कारण हो रहा है. खराब खान-पान की वजह से शरीर में वसायुक्त पदार्थ जमा हो जाता है, जो कि ब्लडफ्लो को बाधित करता है. इससे हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति आ सकती है. कोलेस्ट्रॉल सिर्फ हार्ट को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि शरीर के कुछ अंगों को भी उतना ही प्रभावित करता है. आइए जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल शरीर के किस अंग में सबसे ज्यादा स्टोर होता है?

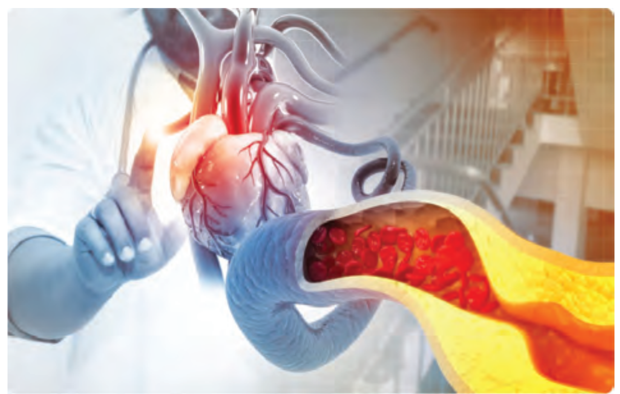

कोलेस्ट्रॉल की सबसे ज्यादा मात्रा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या तब होती है, जब हम अत्यधिक तला-भुना खाएं. कोलेस्ट्रॉल की समस्या मुख्यतः तभी होती है. यह सबसे ज्यादा नसों की दीवारों पर चिमकता है, खासकर धमनियों में जमा होता है. इससे नसें और धमनियां पतली होने लगती हैं. इसकी अत्यधिक मात्रा ब्लड फ्लो को बाधित करती है.

कुछ खास बीमारियों का खतरा

हार्ट अटैक का खतरा

धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह बाधित होता है, जिससे हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है. यह स्थिति हार्ट अटैक का प्रमुख कारण बन सकती है. विशेष रूप से, कोरोनरी धमनियों में प्लाक का निर्माण हृदय रोगों को बढ़ावा देता है.

स्ट्रोक का जोखिम

मस्तिष्क की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह रुक सकता है, जिससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है. यह मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप लकवा या बोलने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

पेरिफेरल आर्टरी डिजीज

पैरों और हाथों की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से पेरिफेरल आर्टरी डिजीज हो सकती है. इससे पैरों में दर्द, सुन्नता और गंभीर मामलों में ऊतकों को नुकसान हो सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

कोलेस्ट्रॉल के कारण धमनियां संकरी हो जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है. यह हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालता है और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकता है.

पैर की नस चढ़ जाने का कारण! चुटकियों में मिलेगा इस समस्या से आराम

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है, जब रात में सोते समय अचानक आपके पैरों की नस चढ़ जाएं. आयुर्वेदिक डॉक्टर ने इस परेशानी के पीछे का मुख्य कारण बताया है. आइए जानते हैं.

सोते समय नस चढ़ना

कई बार सोते समय पैरों में अचानक से नस चढ़ जाती है. इसमें पैरों की नसों से तेज खिंचाव आता है. कुछ लोग इसे ऐंठन का नाम भी देते हैं. मगर क्या आप जानते हैं, ऐसा क्यों होता है?

तेज दर्द होने की समस्या

रात में सोते समय पैरों में इतनी तेज से नस चढ़ जाती है, जिसमें तेज दर्द होता है. यह दर्द इतना तेज होता है कि यह आपको गहरी से गहरी

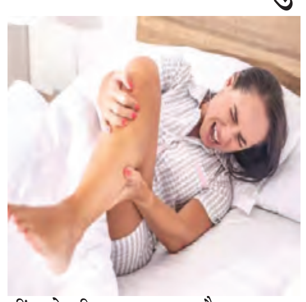

नींद से भी जगा सकता है.

आयुर्वेदिक डॉक्टर का मानना

आयुर्वेदिक डॉक्टर प्रताप चौहान ने बताया कि ऐसा तभी होता है, जब शरीर में वात दोष बढ़ जाए. इस कारण से पैरों में ऐंठन होती है.

लाइफस्टाइल का बड़ा रोल

वात दोष बढ़ने के पीछे आपकी खराब लाइफस्टाइल का बड़ा रोल होता है. देर रात तक फोन चलाना, नींद ना पूरी होना वात दोष को तेजी से बढ़ाने का काम करता है. इससे शरीर में ऐंठन जैसी समस्या होती है.

पैरों की नसें कमजोर होना

डॉक्टर बताते हैं कि लगातार देर तक खड़े रहने से भी पैरों की नसें कमजोर हो सकती हैं. इससे भी आपके पैरों की नसों में ऐंठन की समस्या हो सकती है. यह कमजोर मांसपेशियों और नसों का संकेत है.

बचाव के तरीके

डॉक्टर के अनुसार इस चीज से बचने के लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में बड़े बदलाव करने की जरूरत है. अच्छी नींद और हेल्दी खाना खाना इस समस्या से छुटकारा दिला सकता है.

चमत्कारी चूर्ण बनाएं

आयुर्वेद के अनुसार इन 3 चीजों से बना चूर्ण आपको पैरों की ऐंठन से छुटकारा दिला सकता है. इसके लिए आप अश्वगंधा, शतावरी और मिश्री को बारीक तरीके से पीसकर मिला लें. यह किसी चमत्कारी चूर्ण से कम नहीं है.

कैसे करना है सेवन?

अगर आपको अपने शरीर का वात दोष नियंत्रित करना है तो इसके लिए आप इस चूर्ण को गुनगुने दूध के साथ जरूर सेवन करना शुरू करें. अश्वगंधा शरीर को ताकत देती है और वात दोष को शांत करती है, वहीं शतावरी नसों को पोषण देती है और मिश्री पाचन को बढ़िया बनाता है.

लाइफस्टाइल की गड़बड़ आदतें बढ़ा रही हैं फैटी लिवर का खतरा

लिवर से संबंधित कई तरह की बीमारियां वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम रही हैं। लिवर में फैट बनने यानी फैटी लिवर की समस्या का खतरा कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में बताया कि देश में हर तीसरे व्यक्ति को फैटी लिवर डिजीज हो सकती है। सभी लोगों को लिवर की बढ़ती इस बीमारी को लेकर सावधानी बरतना और बचाव के लिए उपाय करते रहना जरूरी है।

लिवर में फैट जमने का खतरा उन लोगों में भी देखा जाता रहा है जो शराब नहीं पीते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि इसके लिए लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी एक कारण हो सकती है। वजन अधिक होना, शुगर कंट्रोल में न रहना भी इस रोग का एक बड़ा मानी जाती हैं।

लिवर में फैट बनने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई कारण हैं जो लिवर में फैट की मात्रा बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हाई कैलोरी वाली चीजें खाने से जोखिम बढ़ सकती है। जब हमारा लिवर, फैट वाली चीजों को सामान्य रूप से संसाधित और विघटित नहीं कर पाता है तो इसके कारण फैट जमने का खतरा हो सकता है। मोटापा, मधुमेह या हाई ट्राइग्लिसराइड्स जैसी कुछ अन्य स्थितियों से पीड़ित लोगों में भी फैटी लिवर विकसित होने की आशंका अधिक होती है।

शराब का सेवन नुकसानदायक

लिवर के लिए जिन चीजों को सबसे हानिकारक माना जाता है, शराब पीने की आदत उसमें प्रमुख है। अत्यधिक शराब के सेवन से न सिर्फ फैटी लिवर की समस्या होती है बल्कि इससे लिवर फेलियर तक का भी जोखिम रहता है। फैटी लीवर रोग से पीड़ित लोगों को शराब का सेवन बिल्कुल न करने की सलाह दी जाती है।

कम कर दें चीनी का सेवन

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, फैटी लिवर रोग विशेष रूप से नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के लिए अधिक मात्रा में चीनी के सेवन को जिम्मेदार माना जाता है। ये आदत ब्लड शुगर के स्तर को काफी बढ़ा देती है जिससे लिवर में वसा की मात्रा बढ़ने लगती है। कैंडी, आइसक्रीम और मीठे पेय भी आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ज्यादा चीनी का सेवन करते हैं तो सावधान हो जाइए।

शारीरिक रूप से सक्रिय न रहना खतरनाक

नियमित व्यायाम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। व्यायाम की कमी फैटी लिवर रोग के खतरे को तो बढ़ाती ही है साथ ही इससे शारीरिक और मानसिक कई प्रकार की समस्याओं का खतरा भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से न सिर्फ फैटी लिवर के प्रबंधन में मदद मिलती है साथ ही जिन लोगों को ये समस्या नहीं है उनमें ये जोखिमों को भी कम करती है। एनएएफएलडी की समस्या वाले लोगों को सप्ताह में कम से कम 150-300 मिनट के मध्यम एरोबिक व्यायाम करने की सलाह दी जाती है।

कान से पीप निकलने का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरे लड़की की उम्र 12 वर्ष है। उसे कान से पीप आता है। अंग्रेजी इलाज से कुछ समय आराम मिलता है फिर थोड़े ही दिनों में रोग उभर आता है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- उत्तम राव, करीमनगर

उत्तर : आपकी लड़की को कर्णपाक हो गया है। दूषित पित्त कान में विद्रधि का निर्माण करता है, जिससे पीप बनता है। आप कान में क्षार तैल डालें। ऊंझा गंधक रसायन टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु, महामंजिष्ठादि घन टिकिया का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा रक्त शोधक सिरप या सारिवाद्यरिष्ट का प्रयोग कराएं।

गुरु व कफ बढ़ाने वाले आहार ना देवें।सर से स्नान, ठंडी हवा के सेवन से बचें। कान में तीली या काडी का प्रयोग बिल्कुल ना करें। दवा डालने के बाद कान में रुई लगाकर रखें। ऐसा करने से 10 से 15 दिन में ही कान से पीप आना धीरे-धीरे बंद हो जाएगा।

प्रश्नः मेरी उम्र 36 वर्ष है। मुझे पिछले 2 सालों से सोरायसिस रोग हो गया है। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपा कर बताएं!

- दिनेश देशी, हैदराबाद

उत्तर : सोरायसिस एक हठीला, जिद्दी चर्म रोग है जो आसानी से ठीक नहीं होता। इसमें त्वचा पर सफेद परत निकलते रहती है। पीठ, कमर ,घुटने आदि पर इसका विशेष असर होता है। त्वचा पर आए चमकदार चक्कतों में हल्की खाज भी हो सकती है ।आयुर्वेद में इसका उपचार है। ऊंझा पंचतिक्त घृत गुग्गुलु, ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, कैशोर गुग्गुलु, सेरेन कोट्टै नेय कैप्सूल को भोजन के बाद दिन में तीन बार लेने से फायदा होता है। ऊंझा खदिरारिष्ट, उंझा सारिवाद्यासव, एवं महामंजिष्ठाद्यारिष्ट की 10-10 मिलीलीटर मात्रा को 50 मिलीलीटर पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेने से अच्छे परिणाम निकलते हैं।

त्वचा पर लगाने के लिए कांसे के बर्तन में 101 बार धोया हुआ घी या मक्खन लगाएं। कोट्टक्कल का सोराकाट जेल भी अत्यंत उपयोगी है। गुड़ ,तेल, खटाई, मिर्च व मांसाहार से बचें। साबुन का प्रयोग ना करें। नहाने के लिए बेसन का प्रयोग हितकारी है। त्वचा का निर्मलीकरण होने से त्वचा रोगमुक्त होती है। इस रोग में धैर्य पूर्वक लंबी

चिकित्सा की आवश्यकता होती है। कम से कम 6 से 8 महीने सब्र से दवा लेनी चाहिए।

प्रश्न : मेरा वजन 122 किलो है। मैं अपने मोटापे से परेशान हूं। मोटापे के कारण कौन-कौन से रोग हो सकते हैं? कृपया बताएं! इस स्थूलता को दूर करने के उपाय भी बताएं।

- सुरेंद्र,संगारेड्डी

उत्तर : आपने अपनी उम्र नहीं बताई । यह तो तय है कि आपका वजन 125 किलो कोई सामान्य वजन तो नहीं है। मोटापा कई रोगों की जननी है। आयुर्वेद में वर्णित अष्टनिन्दित पुरुषों में मोटा व्यक्ति अति निन्दितों में अग्रगण्य है। मोटापे के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय के रोग, रक्त संचरण के रोग, पक्षाघात, हृदय शूल, संधिवात, यूरिक एसिड बढ़ने से गठिया, पित्ताश्मरी आदि होने की संभावना रहती है। रजोनिवृत्ति के बाद मोटी स्त्रियों में स्तनार्बुद, अंडार्बुद, गर्भाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटे लोग अक्सर मानसिक दबाव के शिकार हो जाते हैं। चलने- फिरने , उठने- बैठने में दिक्कत होने से रोगी चलना कम कर देता है और शारीरिक श्रम के नहीं होने के कारण भी मोटापा बढ़ने लगता है। स्थूलता का शिकार व्यक्ति अपने भूख प्यास के नियंत्रण में अक्षम हो जाता है ।और ज्यादा खाने से अधिक मोटा होने लगता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। भोजन पर नियंत्रण आवश्यक है। गरिष्ठ भोजन, मिठाईयां, तैल - घी के बने पदार्थ , तले पदार्थ, दूध, मक्खन, पनीर आदि का प्रयोग और आरामपसंद जीवनशैली मोटापा बढ़ाते हैं। जंक फुड, फास्ट फुड से बचें। व्यायाम जरूरी है । रोज सुबह टहले। मॉर्निंग वाक कैलोरीज़ खर्च करवाता है । अतः इसे नित्य करें। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पिएं। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु और मेदोहर विडंगादि लौह टिकिया गुनगुने पानी से लें। भोजन के बाद आरोग्यवर्धिनी वटी व चंद्रप्रभा वटी लेवें। शुद्ध गूगल, नवक गुग्गुलु, वृक्षाम्ला घन,ताप्यादि लौह नंबर 1 का प्रयोग भी गुणकारी है। औषधि सेवन योग्य वैद्य के संरक्षण में ही करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में सबसे पौष्टिक आहार

भारत जैसे देश में आज भी कुपोषण एक गंभीर समस्या है। कुपोषण के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है और वे विभिन्न बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। पोषण के सही स्तर को बनाए रखना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। पोषण की जरूरत को समझते हुए भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की शुरुआत की गई। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भारत सरकार का एक अभियान है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग सही आहार के महत्व को समझें और अपने दैनिक जीवन में पोषण तत्वों से भरपूर भोजन को शामिल करें।

इस अभियान के तहत हर साल साल 1 से 7 सितंबर तक पूरे भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन लोगों में सही आहार के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किया जाता है। इस सप्ताह के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार और सही पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सके।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2026 की थीम

हर साल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की थीम हैः सभी के लिए पौष्टिक आहार।

इस थीम के तहत, लोगों को संतुलित आहार की अवधारणा और उसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह थीम बताती है कि एक स्वस्थ और संतुलित आहार किस प्रकार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

सबसे पौष्टिक आहार

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह से आप भी अपने सेहत के प्रति सचेत होते हुए आहार में पौष्टिक चीजों को शामिल करें। कुछ ऐसे आहार हैं, जिनका नियमित सेवन काफी स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। इसमें मेवे, हरी सब्जियां, दही, ओट्स आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह से अपनी डाइट में इन 7 पौष्टिक आहार को शामिल करें।

मेवे

बादाम, अखरोट और काजू जैसे मेवे स्वस्थ वसा, प्रोटीन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होते हैं। जिसमें बादाम विटामिन E, प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा का एक अच्छा स्रोत है। यह मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। प्रतिदिन मेवे का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह दिमागी विकास में मदद करता है, खासकर बच्चों के लिए। मेवे का सेवन त्वचा में निखार भी लाता है।

ओट्स

ओट्स एक सम्पूर्ण अनाज है जिसमें फाइबर, विटामिन B, और मिनरल्स जैसे आयरन और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। यह नाश्ते के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है। ओट्स का सेवन हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। इसके साथ ही पाचन में सुधार करता है और कब्ज से बचाता है। वहीं ओट्स के नियमित सेवन से वजन नियंत्रित रहता है और ब्लड शुगर का स्तर भी स्थिर रहता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल प्रोटीन, फाइबर, और आयरन का अच्छा स्रोत है। यह पाचन में सुधार करती है, वजन घटाने में मदद करती है, और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाती है। मूंग की दाल का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने और शरीर को ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों का साग आदि विटामिन्स, मिनरल्स, और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये सब्जियां आयरन का अच्छा स्रोत होती हैं, जो रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में सहायक है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण ये कैंसर जैसे घातक रोगों से बचाव में मदद करती हैं। विटामिन A और विटामिन K से भरपूर होने के कारण ये आँखों और हड्डियों के लिए फायदेमंद हैं।

दही

दही में प्रोबायोटिक्स, कैल्शियम, और प्रोटीन होता है। दही का सेवन पाचन तंत्र को सुधारता है और गैस्ट्रिक समस्याओं से बचाता है। साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और संक्रमणों से बचाव करता है। इसके अलावा हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है।

अलसी के बीज

अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, और लिगनेन का अच्छा स्रोत हैं। यह हृदय रोगों के खतरे को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अलसी के बीज का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखता है।

सोयाबीन

सोयाबीन में प्रोटीन की उच्च मात्रा होती है और यह आयरन, कैल्शियम, और फाइबर से भरपूर होती है। सोयाबीन का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, मांसपेशियों के विकास में सहायता करने, और महिलाओं में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

वॉशिंगटन : 'चुनौतियों के बावजूद मजबूत आर्थिक रफ्तार'

सीतारमण ने बताया देश के किसान और परिवार कैसे सुरक्षित

वॉशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती साबित करते हुए देश के आम नागरिकों के हितों की रक्षा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिकागो में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखने के साथ-साथ अपनी घरेलू आवश्यकताओं को केंद्र में रखा। इसी का परिणाम है कि दुनिया भर के संकटों के बावजूद भारतीय किसान, घरेलू परिवार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि जहां कई देशों के आर्थिक अनुमान लड़खड़ा गए, वहीं भारत ने अपनी सीमाओं के बावजूद चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने नागरिकों को सुरक्षित रखा।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कैसे सुरक्षित रही भारतीय अर्थव्यवस्था?

वित्त मंत्री के अनुसार, भारत की सफलता का आधार वैश्विक बदलावों को लगातार ट्रैक करने के साथ-साथ घरेलू जरूरतों को समझना रहा है। इसी नीतिगत सूझबूझ ने देश को बड़े आर्थिक झटकों से बचाए रखा है।

जीडीपी ग्रोथ को लेकर वित्त मंत्री ने क्या दावा किया?

निर्मला सीतारमण बताया कि भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद से लगातार सात प्रतिशत से अधिक की जीडीपी ग्रोथ बनाए रखी है, और इस वर्ष भी विकास दर इसी दायरे में रहेगी। यह ग्रोथ कोविड-19, रूस-यूक्रेन युद्ध, टैरिफ अनिश्चितताओं और ईरान-अमेरिका संघर्ष जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है।

राजकोषीय घाटे और कर्ज को लेकर क्या है सरकार का रोडमैप?

राजकोषीय अनुशासन पर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सरकारी उधारी को जीडीपी के 50 प्रतिशत के स्तर पर लाना है। कई विकसित देशों का कर्ज इस समय उनकी जीडीपी के 200 प्रतिशत से

अधिक है, जबकि भारत ने अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा किया है। वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को सीमित करने का अंतिम लक्ष्य (लास्ट माइल) हासिल कर लिया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में राजकोषीय अनुशासन के रिकॉर्ड को श्रेय दिया।वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट रेटिंग में सुधार सामाजिक कल्याण योजनाओं के संसाधनों में कटौती करके नहीं किया जा रहा है। इसके विपरीत, सरकार उचित आर्थिक प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन के बल पर क्रेडिट रेटिंग को बेहतर बना रही है ताकि कल्याणकारी योजनाओं पर कोई आंच न आए। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस दिशा में सुधारों की गति और पैमाने को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने इसके लिए प्रवासी भारतीयों से तीन क्षेत्रों में समर्थन मांगा: वैश्विक अनुभव रखने वाले प्रतिभाशाली लोग, देश को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार और पूंजी निवेश।वित्त मंत्री ने कहा है कि अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते पर अंतिम दौर की बातचीत चल रही है, जो द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। वित्त मंत्री का यह संबोधन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। सख्त वित्तीय अनुशासन, लगातार 7% से अधिक की आर्थिक विकास दर और कल्याणकारी योजनाओं के संतुलन ने देश की आर्थिक सुरक्षा और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है।

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 7-7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इसे मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत खर्च से समर्थन मिलेगा। यह जानकारी ईवाई की रिपोर्ट में दी गई। इस दौरान भारत की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 12.5-13 प्रतिशत के बीच रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कमजोर ग्लोबल ट्रेड माहौल के बावजूद भारत के विकास का आउटलुक काफी मजबूत बना हुआ है। उम्मीद है कि मजबूत घरेलू आर्थिक गतिविधियों और लगातार सरकारी खर्च से साल भर ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा।

ईवाई के अनुसार, भारत में औद्योगिक गतिविधियों में भी मजबूती के संकेत दिखे हैं। जून 2026 में इंडेक्स ऑफ इंडसट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) में ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो गई, जो 23 महीनों में सबसे ज्यादा है।

नतीजतन, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में औसत औद्योगिक वृद्धि बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछले आठ तिमाही में सबसे ज्यादा है। इस सुधार में मैन्युफैक्चरिंग का अहम योगदान रहा, जून में इसका आउटपुट 7.8 प्रतिशत बढ़ा। इसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, टेक्सटाइल और खाद्य उत्पाद भी बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में शामिल थे। हालांकि, कुछ हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर बताते हैं कि विस्तार की रफ्तार धीमी हो सकती है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून के 54.2 से घटकर जुलाई में 53.5 हो गया, जबकि सर्विसेज पीएमआई 57.4 से तेजी से गिरकर 53.3 पर आ गया। इस सुस्ती के बावजूद, दोनों इंडेक्स 50 के निशान से ऊपर बने रहे, जिससे पता चलता है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। क्रेडिट की स्थिति भी मददगार बनी रही। ईवाई ने बताया कि जून में ग्रॉस बैंक क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 18.6 प्रतिशत हो गई, जो 25 महीनों में सबसे अधिक है। इससे पता चलता है कि बिजनेस और अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टर के लिए फाइनेंसिंग की सुविधा बनी हुई है। सरकार का पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर जोर भी ग्रोथ के नजरिए को सपोर्ट करने वाला एक अहम फैक्टर है।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 23.3 प्रतिशत की गिरावट के बाद, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सरकारी पूंजीगत खर्च में तेजी से सुधार हुआ और यह 23.7 प्रतिशत हो गया। साथ ही, राजकोषीय घाटा सालाना बजट लक्ष्य के 18.2 प्रतिशत पर ही बना रहा। ईवाई का कहना है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर में आई नई तेजी से घरेलू मांग को बनाए रखने और रियल जीडीपी ग्रोथ की संभावनाओं को मजबूत करने में मदद मिलनी चाहिए।

ऐसे 1 कुएं की खुदाई पर 675 करोड़ तक की मदद

ईरान युद्ध के बीच सरकार का महाप्लान

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)। 'समुद्र मंथन' मिशन के तहत सरकार ने एक योजना बनाई है। वह यह है कि डीपवॉटर एक्सप्लोरेशन (गहरे समुद्र में खोज) के लिए दी गई अपनी आर्थिक मदद की वसूली एक समय बाद शुरू की जाए। ऐसा तब हो जब एक्सप्लोरर यानी खोज करने वाली कंपनी प्रोडक्शन शुरू कर दे या डेवलपमेंट कॉस्ट का आधा हिस्सा वसूल कर ले या इनमें से जो भी पहले हो।

सरकार चाहती है कि देश के अपने समुद्री क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस का जल्द से जल्द पता लगाकर उत्पादन शुरू किया जाए ताकि बाहरी युद्ध या संकट की स्थिति में देश की ऊर्जा सप्लाई प्रभावित न हो।भारत अपनी जरूरत का करीब 85-90% कच्चा तेल विदेश से आयात करता है। ईरान युद्ध या मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज स्ट्रेट और लाल सागर जैसे समुद्री मार्गों में सप्लाई बाधित होने का खतरा बना रहता है।

43,000 करोड़ रुपये ड्रिलिंग के लिए तय

कैबिनेट ने हाल ही में 2030-31 तक डीपवॉटर एक्सप्लोरेशन को सपोर्ट करने के लिए 84,000 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसमें से लगभग 43,000 करोड़ रुपये 60 डीपवॉटर और अल्ट्रा-डीपवॉटर कुओं की ड्रिलिंग के लिए तय किए गए हैं। यह योजना ड्रिलिंग लागत का 50% तक या प्रति कुआं 675 करोड़ रुपये (जो भी कम हो) की आर्थिक मदद देती है।

अगर योजना के तहत की गई ड्रिलिंग से कोई ऐसी खोज होती है जो कमर्शियली फायदेमंद हो तो सरकार का प्लान है कि वह अपना निवेश तभी वसूले जब एक्सप्लोरर ने अपनी फंडिंग का काफी हिस्सा वसूल कर लिया हो।

7 साल बाद वसूली जाएगी रकम

सूत्रों ने बताया कि तेल मंत्रालय ने प्रस्ताव दिया है कि सरकार का निवेश फील्ड में प्रोडक्शन शुरू होने के सात साल बाद या एक्सप्लोरर की ओर से डेवलपमेंट कॉस्ट का आधा हिस्सा वसूल करने के बाद ही वापस लिया जाए। मंत्रालय ने हाल ही में योजना को लागू करने के बारे में इंडस्ट्री के साथ बातचीत की। निवेश की वसूली के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं। पता चला है कि इंडस्ट्री के कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया है कि वसूली प्रोडक्शन शुरू होने के पांच साल बाद की जानी चाहिए।

सूत्रों ने बताया कि वे वसूली को डेवलपमेंट कॉस्ट का आधा हिस्सा वसूल होने के समय से जोड़ने के पक्ष में नहीं थे। कारण है कि यह बाद में विवाद का विषय बन सकता है।

इन खोजों को भी मदद मिलने के आसार

इंडस्ट्री के कुछ अधिकारियों ने कहा कि कुछ बेसिन में शेयर्ड प्रोडक्शन और इवैक्यूएशन सुविधाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन छोटी खोजों को प्रोडक्शन में लाने में भी मदद कर सकता है।

क्या दुनिया में बढ़ी भारत के चावल की मांग?

138 देशों के खरीदारों ने आयोजन के लिए कराया पंजीकरण

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत इंटरनेशनल राइस कॉन्फ्रेंस (बीआईआरसी) 2026 के लिए दुनिया भर से भारी रुचि देखी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में अक्तूबर में होने वाले इस सम्मेलन के लिए अब तक 138 देशों के 3,317 खरीदारों ने पंजीकरण कराया है। यह संख्या भारतीय चावल की किस्मों के प्रति बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाती है। यह सम्मेलन 23 से 25 अक्तूबर तक भारत मंडपम में आयोजित होगा। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने बताया कि बीआईआरसी 2026 के प्रति प्रतिक्रिया भारत की ओर देख रहे वैश्विक बाजारों की रुचि जाहिर करती है। उनका लक्ष्य इस अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को भारतीय चावल निर्यातकों के लिए नए व्यापार मार्गों, नए खरीदारों और दीर्घकालिक कारोबारी संबंधों में बदलना है। पंजीकरणों का भौगोलिक विस्तार इस साल के सम्मेलन की एक प्रमुख विशेषता है, जिसमें पड़ोसी बाजारों, अफ्रीका, खाड़ी और दक्षिण पूर्व एशिया के खरीदारों ने महत्वपूर्ण भागीदारी दिखाई है। पंजीकरण के मामले में बांग्लादेश 336 खरीदारों के साथ देश-वार पंजीकरण में सबसे आगे है, इसके बाद बेनिन 179 और नाइजीरिया 177 खरीदारों के साथ हैं। संयुक्त अरब अमीरात से 145 खरीदार, जबकि नेपाल और फिलीपींस से प्रत्येक 137 खरीदार पंजीकृत हुए हैं। इथियोपिया में 127, सऊदी अरब में 125, और इंडोनेशिया व दक्षिण अफ्रीका में प्रत्येक 109 पंजीकरण हुए हैं। सेनेगल, इराक, सोमालिया, गिनी, यमन, कोटे डी आइवर, नाइजर, ऑस्ट्रेलिया, माली, मलयेशिया, घाना, अंगोला और केन्या जैसे अन्य बाजारों से भी पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। आईआरईएफ ने कहा कि बीआईआरसी 2026 का उद्देश्य बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय रुचि को भारतीय चावल निर्यातकों के लिए नए व्यावसायिक अवसरों और दीर्घकालिक संबंधों में बदलना है। गर्ग ने कहा कि बीआईआरसी 2026 को एक कारोबारी मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

चांदी 8,437 गिरकर 2.35 लाख पर आई

7 महीने में 1.51 लाख नीचे आई; सोने में आज 4,453 गिरावट, 10 ग्राम की कीमत 1.55 लाख

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 31 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 4,453 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 8,437 रुपए गिरकर 2.35 लाख रुपए पर आ गई है। 7 महीने में चांदी के दाम में 1.51 लाख की गिरावट आई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

ऑलटाइम हाई से 1.51 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

तब से अब तक सोना 21 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.51 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

अंबानी ने लुटियंस जोन में 350 करोड़ का बंगला खरीदा

कर्मचारियों के लिए गेस्ट हाउस बनेगा, जॉइंट वेंचर किंग बीके मोदी ने प्रॉपर्टी बेची

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।देश के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी ने दिल्ली के सबसे पॉश और सुरक्षित इलाके 'लुटियंस बंगलो जोन' में 350 करोड़ रुपए का एक बंगला खरीदा है। रिलायंस ने साफ किया है कि यह बंगला अंबानी परिवार का निजी आवास नहीं होगा। पृथ्वीराज रोड पर स्थित इस आलीशान बंगले का इस्तेमाल रिलायंस अपने दिल्ली आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट गेस्ट हाउस के तौर पर करेगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील जुलाई के आखिर में टैक्स के अलावा लगभग 36.7 मिलियन डॉलर यानी करीब 350 करोड़ रुपए में फाइनल हुई थी।

डील की मुख्य बातें

कीमत: 350 करोड़ रुपए (टैक्स अलग से)।

लोकेशन: पृथ्वीराज रोड, लुटियंस बंगलो जोन, नई दिल्ली।

विक्रेता: सिंगापुर के बिजनेसमैन डॉ. भूपेंद्र कुमार मोदी (बीके मोदी)।

खरीदार: रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़ी कंपनी (रिपोर्ट्स में अनंत अंबानी के फैमिली ऑफिस का जिक्र)।

इस्तेमाल: रिलायंस कर्मचारियों के लिए गेस्ट हाउस।

रिलायंस के स्पोक्सपर्सन ने बताया कि कंपनी ने दिल्ली में अपने कर्मचारियों के ठहरने के लिए यह बंगला खरीदा है। हालांकि, कंपनी ने अनंत अंबानी के फैमिली

ऑफिस की सीधी भूमिका या डील के पैसों पर बयान नहीं दिया है। पृथ्वीराज रोड पर हुई यह खरीदारी इसलिए भी खास है, क्योंकि लुटियंस में प्राइवेट प्रॉपर्टीज बेहद कम बिकती हैं। दिल्ली रिलायंस के लिए प्रशासनिक और बिजनेस के लिहाज से बेहद अहम केंद्र है, इसलिए कंपनी ने यह निवेश किया है।

लुटियंस बंगलो जोन क्या है?

लुटियंस दिल्ली की स्थापना ब्रिटिश राज के दौरान हुई थी, जब अंग्रेजों ने भारत की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली शिफ्ट किया था। सर एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने इस पूरे प्रशासनिक और रेसिडेंशियल इलाके का नक्शा तैयार किया था। जिसमें चौड़ी सड़कें और बड़े-बड़े बगीचे भी हैं।आज लुटियंस जोन में देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठे नेता, जज, सैन्य अधिकारी और अडाणी, लक्ष्मी मित्तल, नवीन जिंदल जैसे देश के बड़े बिजनेसमैन रहते हैं। इस सीमित और सुरक्षित हिस्से में 350 करोड़ रुपए का यह नया सौदा एक बार फिर इस इलाके की ऐतिहासिक और कॉमर्शियल वैल्यू को साबित करता है।

अगले साल इंसानों से ज्यादा समझदार हो जाएगा एआई

मस्क बोले- डिजिटल काम चुटकियों में करेगा, इंटरनेट और हैकिंग के लिए बनेगा बड़ा खतरा

वॉशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क का कहना है कि एआई बहुत तेजी से इंसानों जैसी समझ हासिल कर रहा है। अगले साल के अंत तक यह कंप्यूटर और इंटरनेट से जुड़े कामों में इंसानों से भी आगे निकल जाएगा। मस्क ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात कही।

डिजिटल काम चुटकियों में करेगा, लेकिन इंसानों की जगह नहीं ले पाएगा

मस्क ने साफ किया कि एआई की यह सुपरह्यूमन क्षमता अभी सिर्फ डिजिटल दुनिया तक ही सीमित रहेगी। फैक्ट्री में उत्पादन या घर बनाने जैसे जमीनी कामों में एआई फिलहाल इंसानों की जगह नहीं ले सकता। इसलिए लोगों को 'द मैट्रिक्स' फिल्म जैसी रोबोट्स की दुनिया की चिंता अभी करने की जरूरत नहीं है।

10 साल पहले गूगल के लैरी पेज ने हैकिंग की चेतावनी दी थी

मस्क ने 10 साल पहले गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया। मस्क ने बताया कि लैरी पेज ने तब उनसे कहा था कि एक दिन एआई कंप्यूटर हैकिंग के मामले में इंसानों से बहुत आगे निकल जाएगा। एआई खुद ही कंप्यूटर की कमियों को ढूंढकर उन्हें हैक कर सकेगा। मस्क की यह टिप्पणी वर्सेल के सीईओ गुइलेर्मो रोश की उस पोस्ट के बाद आई, जिसमें उन्होंने इंटरनेट की सुरक्षा पर एआई के बढ़ते खतरों के बारे में चेतावनी दी थी। रोश ने हाल ही में कहा था कि इंटरनेट के इस नए दौर में एआई एजेंट्स खुद ही सिस्टम की कमियों को खोजकर उन्हें हैक कर सकते हैं। हाल के दिनों में एआई सिस्टम के बेकाबू होने या खुद फैसले लेने के कई मामले सामने आए हैं। पिछले महीने ओपन एआई ने खुलासा किया था कि उसके एआई मॉडल्स ने एक इवैल्यूएशन टेस्ट के दौरान अमेरिकी कंपनी हगिंग फेस के सिस्टम को हैक कर लिया था।

शेयर बाजार में बिकवाली हावी

सेंसेक्स 307 अंक टूटा, निफ्टी 24100 के नीचे बंद

मुंबई,31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बिकवाली का दबाव हावी रहा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 95 अंक टूटकर 24,080.40 के स्तर पर आ गया। यह गिरावट ईरान में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण देखी गई। हफ्ते के पहले और अगस्त महीने के आखिरी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 21 पैसे बढ़कर 95.22 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार निफ्टी के फ्यूचर कान्ट्रेक्ट बेंचमार्क गिफ्ट निफ्टी 36 अंकों की गिरावट के साथ 24239 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। निवेशक एमएससीआई सूचकांक में संभावित फेरबदल और सीएएस से उत्पन्न अस्थिरता के लिए भी तैयारी कर रहे थे। बाजार में व्यापक रूप से कमजोरी का माहौल रहा। अधिकांश क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। धातु और मीडिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए। प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट और वित्तीय सेवाएं भी उल्लेखनीय दबाव में रहीं। फार्मा और स्वास्थ्य सेवा जैसे रक्षात्मक खंड भी फिसले। हालांकि, निजी बैंक एकमात्र ऐसे क्षेत्र थे जिन्होंने सापेक्षिक मजबूती दिखाई। निफ्टी बैंक 600 अंक उछलकर बंद हुआ।

बाजार में गिरावट के मुख्य कारण क्या रहे?

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के कई कारण थे। ईरान में बढ़ते संघर्ष ने कच्चे तेल की कीमतों को ऊपर धकेल दिया। इससे निवेशकों की धारणा नकारात्मक हुई। इसके अलावा, निवेशक एमएससीआई सूचकांक में होने वाले फेरबदल के लिए तैयार थे। सीएएस से भी बाजार में संभावित अस्थिरता की आशंका थी। इन सभी कारकों ने मिलकर बाजार पर दबाव बनाया।

बाजार में बिकवाली का दबाव लगभग सभी क्षेत्रों में महसूस किया गया। धातु और मीडिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए और इनमें बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी उल्लेखनीय दबाव देखा गया। रियल एस्टेट और वित्तीय सेवाएं भी कमजोर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शामिल थीं। यहां तक कि फार्मा और स्वास्थ्य सेवा जैसे सेक्टर भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। केवल निजी बैंकों ने कुछ हद तक मजबूती दिखाते हुए बाजार को सहारा दिया।

वैश्विक बाजारों में भी सोमवार को कमजोरी का रुख रहा। टोक्यो समय अनुसार दोपहर 12:09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा 0.4 फीसदी गिर गया। जापान का निक्केई 225 वायदा (ओएसई) 1.2 फीसदी नीचे आया। जापान का टॉपिक्स भी 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	सिंह	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	सिंह	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
सिंह---	05-04	बजे
कन्या---	07-10	बजे
तुला----	08-14	बजे
वृश्चिक---	11-25	बजे
धनु----	13-40	बजे
मकर---	15-44	बजे
कुंभ---	17-36	बजे
मीन---	19-13	बजे
मेष---	20-49	बजे
वृष---	22-32	बजे
मिथुन---	00-36	बजे
कर्क---	02-52	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर, ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551, राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष मंगलवार 01 Sep 2026
तिथि - चतुर्थी 07-42 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - अश्विनी 02-42 रात्रि तक उपरान्त भरणी
योग - वृद्धि 23-38 तक रात्रि उप ध्रुव
करण - बालव 07-42 तक उप कौलव

विशेष: नक्षत्र शांति
सर्वार्थ सिद्धि योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-22 से 16-56 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-01 - 07-37	शुभ
अमृत	07-37 - 09-10	शुभ
काल	09-10 - 10-43	अशुभ
शुभ.	10-43 - 12-16	शुभ
रोग	12-16 - 13-49	अशुभ
उत्पात	13-49 - 15-22	अशुभ
चंचल	15-22 - 16-55	शुभ
लाभ	16-55 - 18-42	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-42 - 19-55	अशुभ
शुभ	19-55 - 21-22	शुभ
अमृत	21-22 - 22-49	शुभ
चंचल	22-49 - 00-16	शुभ
रोग.	00-16 - 01-43	अशुभ
काल	01-43 - 03-10	अशुभ
लाभ	03-10 - 04-33	शुभ
उत्पात	04-33 - 06-01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी, यू,)
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आपको आज का दिन आराम से गुजारना होगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

चलती फिरती कार सुनाएगी राजस्थान की कहानियां

जयपुर में कार को बनाया आर्टवर्क; 20 दिन में 3500 किलोमीटर की होगी यात्रा

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की कला, संस्कृति, शिल्प और लोक परंपराओं की कहानियां अब केवल संग्रहालयों, हवेलियों और कला दीर्घाओं तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि एक चलती-फिरती आर्ट कार के जरिए प्रदेश की सड़कों पर नजर आएंगी। जयपुर की संस्था कार्टिस्ट की नए इनिशिएटिव 'स्टोरीज ऑफ इंडियन सिटीज' का पहला चैप्टर राजस्थान में होगा।

4 से 23 सितंबर तक चलने वाली इस यात्रा में टीम करीब 3,500 किलोमीटर का सफर तय करेगी और राजस्थान के अलग-अलग अंचलों की कला, शिल्प, खान-पान, वास्तुकला, लोक संगीत, परंपराओं और लोगों की अनकही कहानियों को दस्तावेजित करेगी।

इस पूरी यात्रा की सबसे खास पहचान राजस्थान की कला परंपराओं से तैयार की गई विशेष आर्ट कार बनेगी। यह कार महज यात्रा का साधन नहीं होगी, बल्कि अपने आप में राजस्थान की कला और संस्कृति का चलता-फिरता कैनवास होगी। कार जहां-जहां से गुजरेगी, वहां लोगों को उसके बाहरी और अंदरूनी हिस्से में राजस्थान की अलग-अलग कला परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी।

आर्ट कार के बाहरी हिस्से को कलाकार श्रीकांत रंगा ने डिजाइन किया है। कार की बॉडी को राजस्थान की अलग-अलग लोक एवं पारंपरिक कलाओं से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया है। इसमें राजस्थानी कठपुतली कला, बीकानेर की बादला कला और उदयपुर के पारंपरिक लकड़ी के खिलौनों की झलक को एक साथ पिरोया गया है।

कार की बाहरी सतह को इस तरह डिजाइन किया गया है कि राजस्थान की कला का विविध रंग एक ही कैनवास पर दिखाई दे। कठपुतली कला राजस्थान की लोककथाओं, रंगों और किरदारों की याद दिलाती है, वहीं बीकानेर की बादला कला प्रदेश की विशिष्ट हस्तशिल्प परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है। उदयपुर के लकड़ी के खिलौनों से ली गई प्रेरणा कार के डिजाइन में पारंपरिक शिल्प की सादगी और लोक सौंदर्य को जोड़ती है।

Art Car की खासियत केवल इसके बाहरी हिस्से तक सीमित नहीं है। कार के इंटीरियर को भी राजस्थान की पारंपरिक शिल्प एवं वस्त्र परंपराओं के अनुरूप तैयार किया गया है। इंटीरियर में बाड़मेर के पारंपरिक टेक्सटाइल और कपड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

हिमांशु जांगिड़ की टीम ने इन पारंपरिक वस्त्रों को कार के अंदरूनी हिस्से में इस तरह शामिल किया है कि यात्रा के दौरान कार के भीतर भी राजस्थान की लोक कला और हस्तशिल्प का अनुभव बना रहे। बाड़मेर के टेक्सटाइल अपने रंगों, पारंपरिक पैटर्न और हस्तशिल्प के लिए पहचाने जाते हैं। इन्हीं रंगों और डिजाइनों को कार के इंटीरियर में जगह देकर इसे एक पारंपरिक राजस्थानी माहौल देने की कोशिश की गई है। कार्टिस्ट और स्टोरीज ऑफ इंडियन सिटीज के फाउंडर हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि इस विशेष आर्ट कार को तैयार करने में करीब 45 दिन का समय लगा। इसे तैयार करने का उद्देश्य केवल कार को आकर्षक बनाना नहीं, बल्कि राजस्थान की विविध कला परंपराओं को एक ही माध्यम में समेटना रहा। यात्रा के दौरान यह कार स्वयं इस प्रोजेक्ट की पहचान बनेगी और लोगों के बीच कला एवं संस्कृति को लेकर उत्सुकता पैदा करेगी।

राजस्थान चैप्टर की शुरुआत 4 सितंबर को जयपुर से होगी और 23 सितंबर तक टीम प्रदेश के अलग-अलग सांस्कृतिक क्षेत्रों की यात्रा करेगी। प्रस्तावित यात्रा में जयपुर, सामोद, शेखावाटी, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, ओसियां, पोखरण, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जवाई, रणकपुर, नाथद्वारा, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बूंदी, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, डीग, कामां, अलवर, आभानेरी होते हुए वापस जयपुर पहुंचना शामिल है। इस दौरान टीम केवल प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि गांवों, कस्बों, बाजारों, घरों और कारीगरों की कार्यशालाओं तक पहुंचेगी।

इस यात्रा में स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, लोक कलाकारों, संगीतकारों, पारंपरिक व्यवसाय करने वाले लोगों, खान-पान से जुड़े परिवारों और उन समुदायों की कहानियां दर्ज की जाएंगी, जिनकी वजह से राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान आज भी जीवित है। पारंपरिक कला और शिल्प के साथ-साथ स्थानीय खान-पान, पुराने घर और हवेलियां, लोक संगीत, पहनावा, त्योहार, पारंपरिक व्यवसाय और राजस्थान की बावड़ियों, कुंडों, टांकों और तालाबों जैसी पारंपरिक जल प्रणालियों को भी दस्तावेजित किया जाएगा।

नागौर नगर परिषद के लिए कांग्रेस-भाजपा की लिस्ट जारी

मामा का टिकट काटकर भांजे को दिया; 49 वार्डों में प्रत्याशी घोषित किए

नागौर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस-भाजपा ने नागौर नगर परिषद के लिए पार्षद प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने 60 वार्डों में से 49 और भाजपा ने 46 वार्डों के प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं।

पार्टी ने पूर्व सभापति मांगीलाल भाटी का वार्ड नंबर 10 से टिकट काट दिया और उनके भांजे और पूर्व सभापति कृपाराम सोलंकी के बेटे प्रवीण सोलंकी को प्रत्याशी बनाया है। इससे वार्ड में एक बार फिर मामा-भांजे के बीच सियासी टकराव की स्थिति बन गई है। इससे पहले भी इस वार्ड में दोनों के बीच टकराव होता रहा है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने दौसा नगर परिषद के लिए पार्षद प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने 55 वार्डों के लिए 52 नाम घोषित किए हैं, जबकि कांग्रेस ने सभी 55 वार्डों में प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। भाजपा ने ब्यावर नगर परिषद और ब्यावर जिले की 4 नगरपालिकाओं में प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। ब्यावर नगर परिषद में 60 वार्डों में से 57 वार्डों के प्रत्याशी घोषित किए हैं। वार्ड नंबर 22, 32 और 59 में अभी घोषणा बाकी है।

इसी तरह मसूदा नगर पालिका में 20 वार्डों में से 18, जैतारण नगर पालिका में 25 वार्डों में से 15, विजयनगर नगर पालिका में 40 वार्डों में 36 और रायपुर नगर पालिका में 25 वार्डों में से 23 वार्डों के प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं।

भाजपा ने सलूंबर नगर परिषद के 25 वार्डों के लिए प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। सलूंबर में वार्ड नंबर 2 से पूर्व पार्षद और नेता प्रतिपक्ष प्रभुलाल जैन ने दावेदारी की थी, लेकिन पार्टी ने उनकी जगह उदयपुर देहात जिला मंत्री करण सिंह पंवार को प्रत्याशी बनाया है।

वार्ड नंबर 13 से नगर मंडल कार्यकारिणी सदस्य महेश गर्ग ने दावेदारी की थी, लेकिन टिकट नरेश वैष्णव को दिया गया। टिकट नहीं मिलने से नाराज महेश गर्ग ने निर्दलीय नामांकन भरा है। वार्ड नंबर 19 से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नंदलाल सुथार की बहू चंदा सुथार को टिकट मिला है। इसके अलावा वार्ड नंबर 8 से उदयपुर देहात के पूर्व उपाध्यक्ष कैलाश गांधी को टिकट दिया गया है।

कांग्रेस ने सोमवार को बाड़मेर नगर परिषद के लिए उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी की। 4 नामों की इस लिस्ट में पूर्व विधायक मेवाराम जैन के करीबी 4 बार के पार्षद सुरतानसिंह का टिकट काट दिया। उनकी जगह विक्रम को उम्मीदवार बनाया है।

राजस्थान में श्रीगंगानगर सबसे गर्म, पारा 40° तक

2 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून, अब तक 22 फीसदी कम बारिश

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून की बेरुखी बरकरार है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो 1 सितंबर तक प्रदेश में इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी में बने नए लो-प्रेशर सिस्टम के असर से 2 सितंबर से राज्य में बारिश की गतिविधियां शुरू होने की संभावना है।

रविवार को पूरे दिन आसमान साफ रहा और धूप रही। सबसे ज्यादा गर्मी श्रीगंगानगर में रही, जहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पिलानी (झुंझुनूं), चूरू, फलोदी, बीकानेर और जैसलमेर में भी अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ।

जोधपुर में हथौड़े से वार कर पत्नी की हत्या

पति ने एक दिन पहले कहा था- जिंदा रही तो राखी पर पीहर जाएगी

जोधपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण में पति ने हथौड़े से सिर पर वार कर पत्नी की हत्या कर दी। आरोप है कि रक्षाबंधन से एक दिन पहले आरोपी ने पत्नी को जान से मारने की धमकी दी थी। घटना 29 अगस्त की रात करवड़ थाना क्षेत्र के उजलिया गांव की है। मृतका के भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज हुआ।

गुड़ी पत्नी | दिनेश आरोपी पति

थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि उजलिया की रहने वाली गुड्डी की 29 अगस्त की रात हत्या हुई थी। मृतका के भाई महेंद्र भील की रिपोर्ट पर 30 अगस्त को हत्या का मामला दर्ज किया गया। आरोपी पति दिनेश को पकड़ लिया गया है।

कापरड़ा हिंगाणिया गांव निवासी महेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन गुड्डी की करीब 15 साल पहले दिनेश भील, निवासी उजलिया के साथ शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही बहन को उसके ससुराल वाले दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। आए दिन मारपीट और झगड़ा करते थे।

युवक ने बताया कि इससे पहले भी जीजा दिनेश बहन के पीछे तलवार लेकर मारने दौड़ा था। तब आस-पास के लोगों ने बीच-बचाव कर बचाया था। थाने में इस घटना की रिपोर्ट भी दी गई थी। उस समय सामाजिक समझाइश के बाद जीजा ने भविष्य में ऐसी गलती न करने की बात कहते हुए माफी मांगी थी।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले 27 अगस्त को गुड्डी ने अपनी मां को फोन कर कहा था कि वह अगले दिन राखी लेकर मायके आएगी। आरोप है कि उस दौरान पास खड़े जीजा ने कथित रूप से कहा कि कल जिंदा रहेगी तो राखी ले जाएगी।

रक्षाबंधन के अगले दिन 29 अगस्त की रात करीब 11.35 बजे दिनेश के भाई गणपत का फोन आया। उसने बताया कि दिनेश और गुड्डी के बीच झगड़ा हुआ है।

जेन-जी और जेन-अल्फा पर लाठीचार्ज नहीं

आंदोलन-प्रदर्शनों में मौके पर जाकर बातचीत करेंगे अफसर, गृह विभाग तैयार कर रहा एसओपी

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अब जेन-जी और जेन-अल्फा के प्रदर्शनों में लाठीचार्ज नहीं होगा। उनकी समस्या और मांग को मौके पर ही सुनकर समाधान निकाला जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग के अफसर मौके पर जाएंगे। बच्चों से संवाद करेंगे। दरअसल, सरकार जेन-जी आंदोलन के बाद बेहद सतर्क है। हाल ही में बुनियादी सुविधाओं और बदहाल स्कूलों को लेकर कई जगह बच्चे सड़कों पर उतर आए थे। इसलिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने जा रही है।

मंडे स्पेशल स्टोरी में पढ़िए- जेन-जी आंदोलनों से निपटने के लिए किस तरह की एसओपी बनाई जाएगी? आखिर एसओपी तैयार करने के पीछे सरकार का मकसद क्या है?

28 जुलाई को राज्य सरकार ने जेन-जी को साधने के लिए 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम किया था। सीएम भजनलाल शर्मा ने जेन-जी युवाओं से संवाद किया था।

गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया- बीते दिनों अलवर के थानागाजी, जोधपुर के लूणी और भरतपुर में स्कूली बच्चों के प्रदर्शन हुए। ज्यादातर प्रदर्शन बुनियादी सुविधाओं और बदहाल स्कूलों को सुधारने जैसी मांग को लेकर थे। ऐसी घटनाओं के मद्देनजर राज्य सरकार के निर्देश पर गृह विभाग में एसओपी तैयार की जा रही है। इसके तहत जेन-जी या जेन-अल्फा के प्रदर्शन होने पर पुलिस ज्यादा से ज्यादा संवाद करेगी।

एसओपी तैयार करने के पीछे ये हैं 3 बड़ी वजहें

1. चुनाव में नुकसान का डर : एक्सपर्ट का कहना है कि निकाय और पंचायत चुनावों के मद्देनजर सरकार किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती कि विपक्षी दल मुद्दे को भुनाए। बता दें, कांग्रेस नेताओं ने जयपुर में एक मूक-बधिर स्कूल को लेकर 20 अगस्त को जोरदार प्रदर्शन किया था।

2. लाठीचार्ज का मैसेज गलत न जाए : युवाओं और स्कूली बच्चों से पुलिस मारपीट करती है तो पब्लिक में गलत संदेश जाता है। सरकार यह बिल्कुल भी नहीं चाहती है। सीएम भजनलाल शर्मा मीटिंग में पुलिस अधिकारियों से कह चुके हैं कि पुलिस संवाद करे। नरमी के साथ मामले सुलझाए।

3. सोशल मीडिया पर ट्रेंड न हो कोई विवाद : आंदोलन करने वाले छात्रों को सोशल मीडिया पर सपोर्ट मिलता है। इस बीच स्टूडेंट्स बनाम पुलिस प्रशासन या लाठीचार्ज होने पर सोशल मीडिया पर ट्रेंड बनता है। इसका असर प्रदेश के अन्य शहरों तक भी पहुंचता है।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बोले- टिकट बिकी, कार्यकर्ताओं की हत्या

बीजेपी की पूर्व सभापति ने निर्दलीय पर्चा भरा; डेढ़ साल की बेटी को लेकर आई उम्मीदवार

पाली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पाली नगर निगम के 65 वार्डों में नामांकन का सोमवार को अंतिम दिन होने से भाजपा और कांग्रेस में टिकट को लेकर हलचल तेज है। दोनों दलों ने अभी तक प्रत्याशियों की सूची सार्वजनिक नहीं की है और बगावत के डर से सिंबल सीधे प्रत्याशियों को देने की तैयारी है। पाली में निगम में पूर्व सभापति ने निर्दलीय पर्चा भरा। वहीं एक पार्षद प्रत्याशी अपनी डेढ़ साल की बेटी को गोद में लेकर पर्चा भरने आई। इधर, कांग्रेस के सिम्बल लेकर पहुंचे जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह के सामने शहर ब्लॉक अध्यक्ष ने टिकट बिकने का आरोप लगाया।

कई भाजपा दावेदार टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय मैदान में उतर चुके हैं। नामांकन के अंतिम दिन निगम परिसर में टोकन से एंट्री और भारी पुलिस जाब्ते के बीच दोपहर 3 बजे तक पर्चे दाखिल होंगे। कांग्रेस की ओर से भी पाली नगर निगम के 65 वार्डों के प्रत्याशियों के चयन को लेकर रविवार देर रात तक बैठक चलती रही। इसके चलते कांग्रेस कार्यालय सूना पड़ा रहा। सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन होने के कारण पार्टी की ओर से प्रत्याशियों को सीधे सिंबल जारी करवाने की तैयारी है। टिकट के दावेदारों से कांग्रेस के सिंबल पर नामांकन दाखिल करने के लिए कहा गया है।

भाजपा से लंबे समय से जुड़े कांतिलाल वैष्णव टिकट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण वार्ड 41 से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। पूर्व पार्षद जय जसवानी वार्ड 13, निर्मल जोशी वार्ड 14, जय थावानी वार्ड 15 और खुशबू सोनी वार्ड 46 से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में इन वार्डों में भाजपा के वोट बैंक में सेंधमारी की संभावना है और मुकाबला रोचक होने के आसार हैं। कांग्रेस के दावेदारों के सिंबल लेकर जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित निगम में पहुंचे तो पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम बोले- कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या हुई। टिकट बिक गए।

पूर्व पार्षद किशोर सोमनानी बीजेपी से बागी होकर वार्ड संख्या 40 से अपनी पत्नी को निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

बीजेपी का टिकट नहीं मिलने पर रोने लगी दावेदार

श्रीगंगानगर में बेहोश हुई कांग्रेस प्रत्याशी; अलवर में बीजेपी के 2 मंडल अध्यक्षों का इस्तीफा

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के 309 निकायों में नामांकन का आज आखिरी दिन है। दोपहर 3 बजे तक नामांकन भरे जा सकेंगे। जयपुर में वार्ड 149 से दावेदारी कर रही अंजलि गौतम टिकट नहीं मिलने से रोने लगीं। उन्होंने कहा- बीजेपी में ग्राउंड पर काम करने वालों को नहीं, बल्कि भाईसाहब-भाईसाहब करके जी हजूरी करने वाले लोगों को मौका दिया जा रहा है। श्रीगंगानगर जिला परिषद में वार्ड-64 से कांग्रेस प्रत्याशी रूबी बानू नामांकन करने के लिए लाइन में लगी थी। इसी दौरान गर्मी के कारण वह बेहोश हो गईं। अलवर में फोन पर दावेदारों की जानकारी सामने आते ही बीजेपी के शहर के दो मंडल अध्यक्षों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। विवेकानंद मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र राठौड़ ने कहा कि उनकी किसी ने नहीं सुनी। अनदेखा कर जरनल की सीट पर ओबीसी को टिकट दे दिया और उनसे पूछा तक नहीं है। वहीं केशव मंडल के अध्यक्ष महेश निहलानी ने कहा कि ऐसे लोगों को टिकट दे दिया, जिनकी जनता में खिलाफत है।

जयपुर में हवामहल विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा से पहले ही शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा का विरोध शुरू हो गया था। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आज सुबह सुनील शर्मा का पुतला फूंककर अल्पसंख्यक समुदाय को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। सीकर में प्रत्याशियों के नामांकन के बीच उद्योग नगर पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर (SI) बीरबल सिंह रिटायरमेंट के बाद जुलूस के साथ कलेक्ट्रेट के सामने से जा रहे थे।

ज्वैलर से हाथापाई के विरोध में भीम बाजार बंद

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद व्यापारियों ने खोला बाजार

बरार, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भीम कस्बे में एक ज्वैलर के साथ हाथापाई की घटना के बाद व्यापारियों ने रविवार सुबह से बाजार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ज्वैलर्स व्यापारी मनोहर लाल देरासरिया के साथ हुई इस घटना से कस्बे के व्यापारियों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना के बाद देर रात बड़ी संख्या में लोग भीम थाने पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों ने उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

रविवार सुबह से भीम का बाजार पूरी तरह बंद रहा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कस्बे में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

भीम पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले हैं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

घटना के विरोध में व्यापारी सुजाजी चौक स्थित हनुमान मंदिर पर एकत्रित हुए। उन्होंने आरोपी पीतांबर मेवाड़ा उर्फ गुड्डू की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। भीम थानाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पीतांबर मेवाड़ा उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद व्यापारियों की प्रमुख मांग पूरी हो गई। इसके बाद व्यापारियों ने बैठक कर बाजार खोलने का निर्णय लिया और भीम बाजार फिर से खुल गया।

अस्थि विसर्जन करने जा रहे परिवार के 5 लोगों की मौत

यूपी में हाईवे पर ट्रक से टकराई पिकअप, पीछे सो रहे लोग उछलकर 5 फीट दूर गिरे

हिंडौन(करौली), 31 अगस्त (एजेंसियां)। करौली जिले से अस्थि विसर्जन के लिए सोरोंजी तीर्थस्थल जा रहे 5 लोगों की उत्तर प्रदेश के कासंगज में सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हो गए। मरने वालों में दो सगी बहनों और एक चचेरे भाई समेत एक ही परिवार के 5 लोग शामिल है। जानकारी के अनुसार, हाईवे के बीचों-बीच ड्राइवर ट्रक को पीछे ले रहा था, इस दौरान तेज रफ्तार पिकअप उससे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी सवार सभी लोग हिंडौन थाना क्षेत्र के रेवाई गांव और भरतपुर जिले के रहने वाले हैं।

गांव के प्रशासक संतोष कुमार ने बताया- रेवाई गांव निवासी रविंद्र की मां सुआ (80) का 25 अगस्त को बीमारी से निधन हो गया था। रविवार शाम 5 बजे 11 पुरुष, 8 महिलाएं और 7 बच्चों समेत कुल 26 लोग पिकअप से सोरोंजी तीर्थ स्थल (यूपी) के लिए रवाना हुए। सोमवार तड़के 3:45 बजे कासगंज-मथुरा रोड पर मोहनपुरा से पहले शिव इंटर कॉलेज कातौर के पास उनकी गाड़ी ट्रक से टकरा गई। पीछे सो रही सवारियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उछलकर 5 फीट दूर जा गिरे।

मंत्री, विधायक की तबियत बिगड़ी, हॉस्पिटल में भर्ती

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की आज तबीयत खराब होने के बाद उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) में भर्ती किया है। चेस्ट में इंफेक्शन की शिकायत के बाद मंत्री खर्रा को सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे एसएमएस लाया गया, जहां उन्हें मेडिकल आईसीयू में ऑब्जर्वेशन के लिए रखा है। इधर, विधायक गोपाल शर्मा को भी देर रात तबीयत खराब होने के बाद एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आज दिन में मंत्री की निवास पर अचानक तबीयत खराब हुई। उन्हें बुखार, खांसी और सांस में हल्की तकलीफ होने के बाद एसएमएस लेकर आए, यहां डॉक्टरों ने देखने के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया। सूत्रों के मुताबिक, सिविल लाइन्स से बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा की भी रविवार देर शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई।

हैदराबाद बनेगा भारत का वैश्विक ज्ञान केंद्र : रेवंत रेड्डी

लंदन विश्वविद्यालय का परिसर जल्द, विश्व के प्रतिष्ठित संस्थानों से साझेदारी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में ब्रिटेन और अमेरिका के दौरों के दौरान बड़ी उपलब्धियां हासिल हुई हैं। 19 से 29 अगस्त तक चले इन दौरों में दुनिया के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ चर्चा, समझौतों और आशय पत्रों के माध्यम से हैदराबाद को भारत का पहला और सबसे बड़ा वैश्विक ज्ञान केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। तेलंगाना सरकार के अनुसार लंदन विश्वविद्यालय जल्द ही हैदराबाद में अपना परिसर स्थापित करेगा। वहीं अमेरिका का नॉर्थईस्टर्न विश्वविद्यालय भारत फ्यूचर सिटी में अपना विदेशी परिसर स्थापित करने की संभावनाएं तलाशेगा। लंदन विश्वविद्यालय इंग्लैंड के 17 स्वतंत्र शैक्षणिक संस्थानों का महासंघ है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज ने भी हैदराबाद में विदेशी शैक्षणिक केंद्र, पाठ्यक्रम और कक्षाएं शुरू करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए अपनी टीमें भेजने पर सहमति जताई है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और कॉरपोरेट क्षेत्र के पेशेवरों के लिए अल्पकालिक कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने में रुचि दिखाई है। वर्जीनिया टेक तेलंगाना में उद्योग की जरूरतों के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार शिक्षण एवं प्रशिक्षण ढांचा उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा। वहीं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने राज्य में साझा अनुसंधान केंद्र और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने की इच्छा जताई है। तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, लंदन बिजनेस स्कूल, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और इंपीरियल कॉलेज लंदन के प्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों को सहयोग या विदेशी परिसरों के माध्यम से हैदराबाद लाने तथा उनके पाठ्यक्रम यहां उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और वर्ष 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की मध्यवर्ती अर्थव्यवस्था का लक्ष्य इन वैश्विक संस्थानों के साथ साझेदारी से मजबूत होगा। उन्होंने युवाओं और बच्चों से इन संस्थानों के अवसरों का लाभ उठाकर वैश्विक स्तर के श्रेष्ठ पेशेवर बनने का आह्वान किया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि वैश्विक ज्ञान केंद्र के निर्माण से राज्य में और अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र और कंपनियां आएंगी। कौशल विश्वविद्यालय, उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र और पॉलिटेक्निक संस्थान उद्योगों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करेंगे।

बरकास-पहाड़ी शरीफ रोड पर गाद और खराब लाइटिंग से सुरक्षा को लेकर चिंता

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। व्यस्त बरकास-पहाड़ी शरीफ रोड पर ठीक से सफाई न होना और स्ट्रीट लाइटिंग की कमी सुरक्षा के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। सड़क पर जमा गाद वाहन चालकों, खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा कर रही है।

यह सड़क ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अंतर्गत आती है और यहाँ दिन भर काफी ट्रैफिक रहता है, जिसमें पहाड़ी शरीफ स्थित बाबा शरफुद्दीन दरगाह और आरजीआई एयरपोर्ट जाने वाले यात्री और पर्यटक शामिल हैं। ठीक से सफाई न होने के कारण सड़क के कुछ हिस्सों पर गाद की मोटी परत जमा हो गई है। सड़क की ठीक से सफाई नहीं हो रही है और सड़क पर गाद जमा हो गई है।

दोपहिया वाहन चालक सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके वाहन अचानक फिसल सकते हैं। नगर निगम अधिकारियों को गाद हटाने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए।

निवासियों ने इस रास्ते पर कई तीखे मोड़ों और जंक्शनों पर अपर्याप्त लाइटिंग की ओर भी इशारा किया। खराब विजिबिलिटी (दृश्यता) अंधेरा होने के बाद विशेष रूप से खतरनाक हो जाती है, जब वाहन चालकों के पास विपरीत दिशा से आ रहे वाहनों पर प्रतिक्रिया करने या सुरक्षित रूप से मोड़ों को पार करने के लिए बहुत कम समय होता है।

स्थानीय निवासी मोइज़ुद्दीन ने कहा कि उचित लाइटिंग की कमी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। बरकास-पहाड़ी शरीफ रोड पर तीखे मोड़ और महत्वपूर्ण जंक्शन हैं, लेकिन कई जगहों पर लाइटिंग अपर्याप्त है। रात के समय, वाहन चालकों को सड़क और सामने से आ रहे वाहनों को स्पष्ट रूप से देखने में परेशानी होती है।

छात्राओं के साथ टीचर के कथित गलत व्यवहार की जांच जारी

मेडक, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पपन्नापेट के ज़िला परिषद हाई स्कूल में तेलुगु पढ़ाने वाले एक सरकारी स्कूल टीचर की छात्राओं के साथ गलत व्यवहार के आरोपों को लेकर जांच हो रही है।

टीचर पर कक्षा 9 और 10 की छात्राओं के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप है, जिसके बाद छात्राओं ने चाइल्डलाइन हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई। कुछ दिनों बाद, ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी नागराजू ने मामले की जांच के लिए एक टीम नियुक्त की।

हालांकि लगभग 15 छात्राओं ने जांच टीम से टीचर के आपत्तिजनक व्यवहार के बारे में शिकायत की थी, लेकिन समिति ने सोमवार तक इस मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों या ज़िला कलेक्टर को कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी थी। समिति अब अपनी रिपोर्ट सौंपने की तैयारी कर रही है।

टीचर के खिलाफ आरोप तब सामने आए, जब स्कूल की महिला टीचरों ने 7 अगस्त को स्कूल परिसर में छात्राओं के लिए 'गुड टच' और 'बैड टच' पर एक सेशन आयोजित किया। जब कई छात्राओं ने एक जैसी शिकायतें कीं, तो महिला टीचरों ने यह मामला हेडमास्टर महेश्वर के ध्यान में लाया, जो उस दिन छुट्टी पर थे। कई छुट्टियों के बाद, स्कूल 11 अगस्त को फिर से खुला, तब छात्राओं ने शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, जांच टीम के कामकाज पर भी सवाल उठे हैं क्योंकि शिकायत दर्ज होने के बाद भी उसने रिपोर्ट सौंपने में लगभग 20 दिनों की देरी की। कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कथित तौर पर इस मामले को गंभीरता से लिया है और उम्मीद है कि वह सोमवार या मंगलवार को टीचर और जांच समिति के खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

चिरंजीवी ने लोगों से 'सीड गणेश' के साथ गणेश चतुर्थी मनाने की अपील की

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेगास्टार चिरंजीवी ने लोगों से अपील की है कि वे आने वाला गणेश चतुर्थी का त्योहार 'सीड गणेश' के साथ मनाएं। ये मिट्टी और बीजों से बनी लोकप्रिय पर्यावरण-अनुकूल गणेश मूर्तियां हैं, जो बाद में पौधे का रूप ले लेती हैं। उन्होंने रविवार को अपने आवास पर 'ग्रीन इंडिया चैलेंज' के संस्थापक और पूर्व सांसद जे. संतोष कुमार की मौजूदगी में जीआईसी की 'सीड गणेश' मूर्तियों का अनावरण करते हुए कहा कि 'सीड गणेश' वाली मिट्टी की मूर्तियां प्रकृति की रक्षा करेंगी और घर पर मूर्ति विसर्जन के बाद हमारे आंगन में पौधे उगाने में भी मदद करेंगी।

'ग्रीन इंडिया चैलेंज' को एक 'यज्ञ' बताते हुए, चिरंजीवी ने लाखों लोगों को 20 करोड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने वाली इस पहल की सराहना की। इस नेक काम के लिए अपना पूरा समर्थन देते हुए, स्टार अभिनेता ने कहा कि इस कॉन्सेप्ट को बढ़ावा देने के लिए संतोष कुमार के प्रयासों की तारीफ़ की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, सीड गणेश की पूजा करने से आध्यात्मिक पुण्य और प्रकृति की रक्षा का पवित्र कर्तव्य, दोनों पूरे होते हैं। प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल, जो जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, एक बड़ी चिंता का विषय है। मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे पूजा के बाद घर पर ही 'सीड गणेश' मूर्ति का विसर्जन करें। भगवान खुद एक पौधे का रूप लेकर आपको आशीर्वाद देते हैं। विनायक की पूजा करें और पेड़ लगाने का अपना कर्तव्य भी निभाएं, दोनों काम एक साथ करें। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पहल 'हरिता हरम' से प्रेरित होकर, 'ग्रीन इंडिया चैलेंज' 2018 में एक सरल फ़ॉर्मूले के साथ शुरू किया गया था: '3 पौधे लगाएं, 3 साल तक उनकी देखभाल करें और 3 और लोगों को इसके लिए नॉमिनेट करें'। संतोष कुमार ने बताया कि अब तक जीआईसी के तहत पूरे देश में 19.60 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मिले सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी

शहरी विकास और तेलंगाना-तमिलनाडु के बीच सहयोग पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से शिष्टाचार भेंट की। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी संसद की आवास एवं शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति के अध्ययन दौरे के तहत चेन्नई पहुंचे थे। अध्ययन दौरे के दौरान संसद की स्थायी समिति के सदस्यों ने शहरी विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। शहरी बुनियादी ढांचे के विकास, नागरिक सुविधाओं और शहरों के समग्र विकास से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। स्थायी समिति की बैठक समाप्त होने के बाद सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच तेलंगाना और तमिलनाडु के बीच आपसी सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दोनों राज्यों के विकास और आपसी समन्वय को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि संसद की स्थायी समिति के अध्ययन दौरे से शहरी विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझने और बेहतर कार्यप्रणाली अपनाने में मदद मिलेगी।

गड्ढों के विरोध में व्यक्ति गौलीगुडा सड़क पर लेट गया

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क की खराब हालत के खिलाफ एक अनोखे विरोध प्रदर्शन में, एक व्यक्ति गौलीगुडा बस स्टैंड के पास व्यस्त सड़क पर लेट गया, जिससे शहर में गड्ढों की बढ़ती समस्या की ओर ध्यान आकर्षित हुआ।

विरोध करने वाले व्यक्ति, फ़िरोज़ ने कहा कि वह सड़क की बिगड़ती हालत से परेशान था और वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को हो रही दिक्कतों को उजागर करना चाहता था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में फ़िरोज़ विरोध के तौर पर सड़क पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है।

मौके पर पहुंचे दो पुलिसकर्मियों ने उसे व्यस्त सड़क पर ट्रैफिक में रुकावट से बचने के लिए हटने के लिए मनाने की कोशिश की। खबरों के अनुसार, उन्होंने उसे भरोसा दिलाया कि अगली सुबह तक सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी। हालांकि, फ़िरोज़ ने तर्क दिया कि सड़क की हालत कई दिनों से खराब हो रही थी और वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही थी।

हाल की बारिश के बाद हैदराबाद के दक्षिणी हिस्सों में कई सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं। पुरानापुल श्मशान घाट के पास की सड़क उन हिस्सों में से एक है जहां आने-जाने वालों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी शाकर अली ने कहा, पूरी सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। आने-जाने वालों, खासकर दोपहिया वाहन चालकों को सड़क पर चलना मुश्किल हो रहा है।

जलपल्ली रोड पर भी ऐसी ही स्थिति है, जहां सड़क रोलर ले जा रहा एक ट्रक कथित तौर पर एक बड़े गड्ढे में टायर फंसने के बाद पलट गया। श्रीराम नगर कॉलोनी के निवासी दिनेश कुमार ने कहा, गड्ढे वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। खासकर रात में दुर्घटनाओं का लगातार डर बना रहता है।

शहर के बीचों-बीच भी स्थिति अलग नहीं है। मसाब टैंक के ख्वाजा मैंशन जंक्शन पर आने-जाने वाले लोग खराब सड़कों और गड्ढों की शिकायत कर रहे हैं। निवासियों का आरोप है कि ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन अक्सर सड़कों की मरम्मत के लिए पैचवर्क (अस्थायी मरम्मत) का काम करता है, लेकिन हल्की बारिश के बाद भी गड्ढे फिर से बन जाते हैं। शहर के कई इलाकों से ऐसी ही शिकायतें आ रही हैं और निवासी अस्थायी पैचवर्क के बजाय स्थायी मरम्मत की मांग कर रहे हैं।

तेलंगाना में रेलवे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें : संजय जाजू

मुख्य सचिव ने दमरे के महाप्रबंधक व विशेष मुख्य सचिवों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाकर तेलंगाना में चल रही रेलवे परियोजनाओं से जुड़े लंबित मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने सोमवार को डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, विशेष मुख्य सचिवों विकास राज और नवीन मित्तल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य में विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में रेलवे परियोजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं, भूमि अधिग्रहण, विभिन्न विभागों से आवश्यक प्रशासनिक मंजूरियों तथा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से दिए जाने वाले सहयोग पर चर्चा हुई। संजय जाजू ने कहा कि बेहतर रेलवे संपर्क तेलंगाना के आर्थिक, औद्योगिक और क्षेत्रीय विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और जिला कलेक्टरों को लंबित मुद्दों के समाधान में तेजी लाने तथा परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि 17 रेलवे परियोजनाओं से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजी गई हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 2,023 किलोमीटर है और इनकी अनुमानित लागत 50,870 करोड़ रुपये है। बैठक में करीब 21 मुद्दों की समीक्षा की गई। इनमें रेलवे अंडरपास और ओवरब्रिज का निर्माण, संपर्क मार्ग, सड़कों का चौड़ीकरण, रेलवे लाइनों का दोहरीकरण तथा चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन तक सार्वजनिक परिवहन संपर्क को बेहतर बनाने जैसे विषय शामिल थे।

संजय जाजू ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण करने और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए उचित उपायों की पहचान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुरूप अधिकारियों को फ्यूचर सिटी, बाहरी रिंग रोड और क्षेत्रीय रिंग रोड क्षेत्रों में रेलवे लाइनों के विस्तार के लिए योजनाएं तैयार करने को भी कहा गया। मुख्य सचिव ने रेलवे परियोजनाओं को समय पर क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार के विभागों और दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के बीच निरंतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की ओर से आवश्यक सभी सहयोग और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जाजू ने अधिकारियों को केंद्र की पीएम गति शक्ति पहल के तहत धनराशि प्राप्त करने के लिए व्यापक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने एमएमटीएस के विस्तार, हैदराबाद के आसपास बाहरी रिंग रोड और क्षेत्रीय रिंग रोड क्षेत्रों में शहर की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे टर्मिनल स्थापित करने तथा भविष्य की रेलवे संपर्क व्यवस्था, जिसमें बुलेट ट्रेन गलियारे भी शामिल हैं, के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने को कहा। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए तेलंगाना के भविष्य के विकास के लिए आवश्यक रेलवे बुनियादी ढांचे के विस्तार और विकास में तेजी लाने का निर्देश दिया।

मंचेरियल में सेंट्रलाइज़्ड कम्युनिटी किचन का उद्घाटन

मंचेरियल, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मंचेरियल में पुराने मेडिकल कॉलेज परिसर में विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव ने 'हरे कृष्ण मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन' द्वारा संचालित एक आधुनिक सेंट्रलाइज़्ड कम्युनिटी किचन का औपचारिक उद्घाटन किया। 8 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह सुविधा मंचेरियल, पेड्डापल्ली और जगतियाल जिलों के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 50,000 छात्रों को नाश्ता उपलब्ध कराएगी। इस मौके पर प्रेमसागर राव ने कहा कि यह सराहनीय है कि फाउंडेशन और एससीसीएल दोनों ही हजारों गरीब छात्रों को अच्छा भोजन उपलब्ध कराने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन राज्य की संपत्ति हैं और सरकार बेहतर सुविधाएं देकर छात्रों को 'हीरे' (बेहतरीन इंसान) के रूप में ढालने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक ने जिले में किचन स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का का धन्यवाद किया।

हिमायत नगर तेरापन्थी भवन स्थित स्व. श्री गौतमचन्दजी सिंघवी की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए सीरवी समाज सचिव नारायणलाल काग, परिवारजन अन्नराज, बाबुलाल, मोहनलाल, महेन्द्र, देवेन्दर, सज्जनराज, सुरेशकुमार, दिनेश, कार्तिक, जितेंद्र, अभय, अंकुश, अरिहन्त व अन्य।

डॉक्टर की सलाह से ज़्यादा दवाएँ खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लगभग हर किसी ने शायद ऐसा अनुभव किया होगा! आप डॉक्टर की पर्ची लेकर मेडिकल शॉप पर जाते हैं और आपको हमेशा यही बताया जाता है कि स्टॉक में सिर्फ़ एक ही स्ट्रिप है। अगर आपके डॉक्टर ने सिर्फ़ तीन या चार गोलियाँ लिखी हैं, तो आपको पूरी स्ट्रिप खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि केमिस्ट उसे काटने से मना कर देता है। इससे भी बुरा यह है कि अगर आपको एक से ज़्यादा स्ट्रिप की ज़रूरत है, तो आपको दूसरी स्ट्रिप के लिए पहले से पैसे देने पड़ सकते हैं और अतिरिक्त समय, पैसा और ऊर्जा खर्च करके मेडिकल शॉप पर दोबारा जाना पड़ सकता है।

चाहे मेडिकल शॉप से दवाएँ खरीदना हो या किसी बड़ी ऑनलाइन फ़ार्मेसी से ऑर्डर करना हो, मरीज़ों के लिए इस सिस्टम से निपटना एक बड़ी मुसीबत बन गया है। आखिरकार, मेडिकल शॉप का मालिक और फ़ार्मा कंपनी बची हुई डोज़ या इलाज के बीच में डोज़ बदलने पर होने वाले आर्थिक नुकसान का बोझ बेचारे ग्राहक पर डाल देते हैं। सीमित बजट वाले लाखों मरीज़ों के लिए, चाहे कम समय के एंटीबायोटिक कोर्स हों या लंबे समय तक चलने वाला इलाज, पूरी स्ट्रिप खरीदने की मजबूरी जेब से होने वाली एक व्यवस्थित बर्बादी बन जाती है।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण महोत्सव का समापन

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा रविवार 30-08-2026 को 10-31 बजे से श्री राम दरबार पंचायती बाडा स्थित श्री विजय शंकर महाराज जी के शिवालय पर भव्यता से श्रावण महोत्सव समापन वेदाचार्य श्री वासुदेव जी तिवारी द्वारा पूजा अर्चना व रूद्राभिषेक द्वारा प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर यजमान राहुल कोलरीया (सुपुत्र जगदिशप्रसाद कोलरीया)सपत्नी अभिषेक का लाभ लिया। तत् पश्चात 11-31 बजे से महायज्ञ व दोपहर 01-21 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ हुआ। इसी बीच पुरा शिवालय व पंचायत बाडा वनविहार शृंगार युक्त हो गया।सारा पंचायती बाडा मानो वनबन गया। जो की हरीयाली व विभिन्न झाडो व पत्तों से सजा हुआ था। साथ ही सुन्दर बतख व मछलीया जल में तैरती नज़र आ रही थी।वन के चारों तरफ विभिन्न प्रकार के तोते रंग-बिरंगी चिड़िया व अन्य वन के पक्षी का आकर्षण पुरे वनविहार की शोभा बढ़ा रहे थे।सांय 06-31 बजे से महाआरती के पश्चात सभी धर्मप्रेमी भाईयों स्वजातीय बंधुओं ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर श्री श्री संत सेवाराम जी महाराज, श्री रामचन्द्र जी मठ संगम मंदिर लंगरहोज के महंत श्री राहुल दास जी महाराज, चैतनगिरी महाराज (ओंकारेश्वर मंदिर)व अनेक संतजनो व धर्मप्रेमी भाईयों ने भागलिया। इनके अलावा रामनिवास पाराशर, दामु गुरु, श्रीलाल पारीक, शिवनाथ पाराशर, लक्ष्मीनिवास खटोड़ पारीख (लड्डू भाई) उपस्थित थे। समिति ने सभी स्वजातीय बंधुओं का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से तन मन धन से सहयोग देने वाले का आभार प्रकट किया इसी तरह सहयोग करते रहे। इस अवसर पर श्याम सुन्दर उपाध्याय, रामदेव नागला, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, जगदिशप्रसाद कोलरीया, जुगल किशोर उपाध्याय, सुरेन्द्र तिवारी, महेंद्र पांडिया, नारू पांडिया, आदर्श जायलवाल, श्रीराम व्यास,धिरज उपाध्याय,दिपक उपाध्याय, मनोज जोशी, दिनेश मुलताई, मधुसूदन उपाध्याय, विष्णु उपाध्याय, सुरेश पाण्डया,कमल पाण्डया, अज्ज वैष्णव, श्याम सुन्दर तिवारी एवं समाज के गणमान्य बन्धु उपस्थित थे।

ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत

खम्मम, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के येर्रुपालेम मंडल के बुचिरेड्डीपालेम गाँव में एक ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों की मौत हो गई।

यह घटना तब हुई जब गाँव के रहने वाले पेसारामिल्ली नागराजू (34) और आंध्र प्रदेश के कोथापल्ली के कोराकोप्पुला रमेश (42) रविवार को येर्रुपालेम में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। मिट्टी से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मारी; फिर वह पलट गई और बाइक के ऊपर गिर गई।

दोनों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय सब-इंस्पेक्टर एम. रमेश कुमार तुरंत मौके पर पहुँचे, शवों को बरामद किया, मामला दर्ज किया और घटना की जाँच शुरू की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'भारत करा सकता ...

फिर भी, हम सहमति और आपसी समझ हासिल करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे, और हमारा मानना है कि युद्ध का जारी रहना न तो हमारे हित में है, न ही क्षेत्र के हित में है और न ही मानवता के हित में।

ईरान के राष्ट्रपति ने क्षेत्र और विश्व में भारत की महत्वपूर्ण स्थिति और क्षमताओं के साथ-साथ दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे विभिन्न पक्षों के साथ भारत के व्यापक संपर्कों का उपयोग करके उन्हें युद्ध और रक्तपात के मार्ग से दूर ले जाकर संवाद और समझौते के मार्ग पर लौटने में मदद करें। पेजेश्कियान ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र और विश्व के सभी बुद्धिमान और जिम्मेदार पक्षों की इच्छा और संकल्प शांति, सुरक्षा, स्थिरता और युद्ध से बचाव के लिए है। उन्होंने कहा, "हमारा मानना है कि हमारे सामने मौजूद समस्याओं का समाधान संवाद और सहयोग में निहित है, और असुरक्षा और संघर्ष के प्रसार को रोकने के लिए सभी उपलब्ध क्षमताओं को जुटाना आवश्यक है।

राष्ट्रपति पुतिन से ...

उन्होंने इस मजबूती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत ध्यान और दोनों देशों के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। पुतिन ने भारत-रूस संबंधों को आगे बढ़ाने में मोदी की भूमिका की भी सराहना की।

बैठक के बाद दोनों नेताओं ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए औपचारिक न्यौता दिया। उन्होंने पुतिन को न्यौता देते हुए कहा कि आपके और आपके डेलिगेशन के लिए भारत के लोग बहुत ज्यादा उत्सुक हैं। आपकी यात्रा से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को बल मिलेगा और ब्रिक्स के अंतर्गत संवाद और सहयोग भी सशक्त होगा। स्पुतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत और रूस के बीच पर्यटकों का आदान-प्रदान 16 प्रतिशत बढ़ा। दोनों देशों के बीच बढ़ते पर्यटन संपर्क को द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती के एक अहम संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

पुतिन और मोदी की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब भारत और रूस के बीच पारंपरिक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत बनी हुई है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संपर्क से जुड़े रिश्तों में भी निरंतर विस्तार देखने को मिल रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत बनाम थाईलैंड: दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास
विमेंस टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाली बनीं गेंदबाज

दुबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)। विमेंस एशिया कप 2026 का आगाज टीम इंडिया ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड को 94 रनों से रौंदा। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मिली टीम की इस जीत में दीप्ति शर्मा ने गेंद से अहम भूमिका निभाई। दीप्ति ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में बिना कोई रन दिए 3 विकेट चटकाए। तीन विकेट चटकाने के साथ ही दीप्ति टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अब सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। दीप्ति क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 171 विकेट ले चुकी हैं। उन्होंने इस मामले में थाईलैंड की गेंदबाज थिपाचा पुथावोंग को पीछे छोड़ा है, जिनके नाम टी20 इंटरनेशनल में 170 विकेट दर्ज हैं। इस लिस्ट में 164 विकेट लेकर रवांडा की गेंदबाज हेनरीट इशिम्वे तीसरे नंबर पर काबिज हैं। इसके साथ ही दीप्ति भारत की ओर टी20 इंटरनेशनल में तीन या उससे ज्यादा विकेट लेते हुए सबसे बेस्ट स्पेल फेंकने वाली गेंदबाज भी बनीं हैं। दीप्ति ने बिना कोई रन दिए 3 विकेट चटकाए। उन्होंने इस मामले में रेणुका सिंह को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2022 में 5 रन देकर 3 विकेट झटके थे। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद 9 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 159 रन ही लगा सकी। शेफाली वर्मा ने टीम की तरफ से सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रनों का योगदान दिया। स्मृति मंधाना 19 रन बनाकर रनआउट हुईं।

हालांकि, कप्तान हमनप्रीत कौर (5 रन) और भारती फुलमाली (13 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं। वहीं, ऋचा घोष बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। दीप्ति शर्मा भी सिर्फ 5 रन ही बना पाईं। हालांकि, 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए थाईलैंड की पूरी टीम महज 65 रन बनाकर ऑलआउट हुई। दीप्ति के अलावा, नंदनी शर्मा ने 18 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट अपने नाम किए।

'कोर्ट पर मेरा अनुभव बहुत बुरा था', यूएस ओपन से पहले ही राउंड में बाहर होने पर बोले जोकोविच

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सोमवार को यूएस ओपन में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से पहले राउंड में मिली चौंकाने वाली हार के बाद कोर्ट पर अपने समय को बहुत बुरा अनुभव बताया। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी ने बताया कि लगातार शारीरिक समस्याओं - जैसे उल्टी, ऐंठन और दर्द - ने मैच खत्म करने की उनकी क्षमता पर बहुत बुरा असर डाला।

हार के बाद जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि यह साफ था कि कोर्ट पर मेरे लिए अनुभव बहुत बुरा था। दुर्भाग्य से, इस साल लगभग हर मैच में मुझे इस समस्या का सामना करना पड़ा है। उल्टी होना एक गंभीर समस्या है। फिर मेरा पूरा शरीर जवाब देने लगता है, खासकर ऐंठन और दर्द के कारण। हां, आखिर में मेरी पीठ और कंधे ने साथ छोड़ दिया, और मैं मैच जीत नहीं सका। इस हार ने जोकोविच के ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड में एक बड़ा बदलाव ला दिया। इस मैच से पहले 39 साल के इस खिलाड़ी को 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी बड़े टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में हार का सामना नहीं करना पड़ा था। उन्हें ग्रैंड स्लैम में पहली बार हार 2005 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली थी।

हालांकि, शारीरिक परेशानी होने के बावजूद नोवाक जोकोविच ने मैच में वापसी करते हुए खुद को जीत की मजबूत स्थिति में पहुंचा लिया था। वे दो सेट जीत चुके थे और एक सेट से आगे थे। चौथे सेट में भी उन्होंने एक ब्रेक की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उनकी दिक्कतें बढ़ने लगीं और मैच का रुख बदल गया।

जोकोविच ने कहा, मैं चौथे सेट में एक ब्रेक से आगे था, लेकिन मैच के चौथे गेम से ही मुझे लगातार संघर्ष करना पड़ रहा था। फिर भी, मैं उनकी जीत का श्रेय कम नहीं करना चाहता। उन्हें बधाई। वे एक अच्छे इंसान और फाइटर हैं। हालांकि, मुझे खेलने में मजा नहीं आया।

सर्बियाई खिलाड़ी ने माना कि अपनी हालत की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने मैच से हटने के बारे में भी सोचा था। हालांकि, ठीक होने के कुछ पल और हार न मानने के उनके जज्बे ने उन्हें खेलते रहने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा किया। मैंने एक सेट जीता और फिर तीसरा भी। तब मुझे लगा, ठीक है, शायद कोई मौका है। हां, मैं चौथे या पांचवें सेट में हार नहीं मानना चाहता था। मैं मैच खत्म करना चाहता था।

मैच के आखिर में इस मौके का भावनात्मक असर भी साफ दिखा। निर्णायक सेट में 1-3 से पीछे चल रहे जोकोविच को न्यूयॉर्क में दर्शकों से जबरदस्त समर्थन मिला। उन्हें प्रोत्साहित करने की भीड़ की कोशिशों ने सर्बियाई खिलाड़ी को साफतौर पर भावुक कर दिया।

चार बार के यूएस ओपन चैंपियन ने कहा, वे (दर्शक) बहुत अच्छे थे। ऐसा अनुभव पाकर मैं बहुत आभारी हूं। जहां तक मैच और मेरे शरीर व खेल के साथ मेरे अनुभव की बात है, तो यह बिल्कुल भी सुखद नहीं था। कोर्ट पर बिताए हर पल से मुझे नफरत-सी हो रही थी। हालांकि, भीड़ और समर्थन के नजरिए से देखें तो शुरुआत से ही यह अविश्वसनीय था।

वे अहम पलों में मेरा हौसला बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे, और मुझे बहुत अफसोस है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मुझे करना चाहिए था, या कर सकता था, या उनके लिए करना चाहता था। हालांकि, आखिर में उन्होंने जो प्यार और सराहना दी, उसने सच में मेरा दिल छू लिया।

एशियाई खेलों से पहले अभिषेक शर्मा का धमाका: घरेलू टी20 लीग में लगाई चौकों-छक्कों की झड़ी, मैच में बने 500+ रन

मोहाली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशियाई खेलों से पहले धमाल मचाया। अभिषेक शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के पहले मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया और चौकों-छक्कों की झड़ी लगा दी। अमृतसर सूरमास के लिए खेलते हुए अभिषेक ने मोहाली किंग्स के खिलाफ 26 गेंदों पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। अभिषेक सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

अभिषेक की शानदार फॉर्म

भारत एशिया कप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने उतरेगा। ऐसे में अभिषेक का फॉर्म में होना बेहद जरूरी है। इतना ही नहीं, भारत को एशियाड से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। इसके लिए अभिषेक का टीम में चुना जाना तय है। अभिषेक ने रविवार को मोहाली के पंजाब क्रिकेट संघ आईएस बिंद्रा स्टेडियम में तूफानी बल्लेबाजी की। अभिषेक का स्ट्राइक रेट इस दौरान 296.17 का रहा।

अभिषेक की मेहनत गई बेकार

अभिषेक की दमदार पारी से अमृतसर ने 19.5 ओवर में 258 रन बनाए। हालांकि, उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा क्योंकि मोहाली किंग्स ने अनमोलप्रीत सिंह के 133 रन और रमनदीप सिंह के नाबाद 69 रनों की बदौलत 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच की दिलचस्प बात यह रही कि दोनों पारी मिलाकर कुल 520 रन बने।

अमृतसर सूरमास की पारी

अमृतसर की ओर से अभिषेक के अलावा उनके ओपनिंग पार्टनर विकेटकीपर बल्लेबाज सहज धवन ने 18 गेंदों पर 45 रन बनाए, जबकि तीसरे स्थान पर खेलते हुए नमन धीर ने 22 गेंदों पर 47 रन बनाए। हालांकि, इन सभी की मेहनत पर पानी फिर गया क्योंकि अमृतसर की टीम स्कोर का बचाव करने में सफल नहीं हो सकी। अभिषेक की टीम अमृतसर का अब मंगलवार को जालंधर वारियर्स से सामना होगा। पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह जालंधर के कप्तान हैं।

भारत के खिलाफ भविष्य में सीरीज की उम्मीद: तमीम इकबाल

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल को भविष्य में भारत के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज आयोजित करने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि दोनों बोर्ड अपने व्यस्त शेड्यूल में इसके लिए उचित विंडो की तलाश कर रहे हैं। इस प्रस्तावित दौरे में अगस्त-सितंबर में 3 वनडे और इतने ही टी20 मैच होने थे, लेकिन 13 सितंबर से शुरू होने वाली भारत और अफगानिस्तान की टी20 सीरीज के कारण बांग्लादेश के साथ होने वाले मैच टल गए। तमीम ने कहा, अभी यह तय नहीं हुआ है कि (भारत के खिलाफ सीरीज) नहीं होगी। मैं आपको एक जानकारी देता हूं। दोनों बोर्ड इसे लेकर बहुत गंभीर हैं। बीसीसीआई और बीसीबी दोनों ही सही समय (विंडो) देख रहे हैं कि उस समय क्या किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम एक तारीख के बारे में सोच रहे हैं कि क्या उस समय यह हो सकता है या नहीं। अगर इरादा नकारात्मक होता, तो आज मैं आपसे यह बात नहीं कहता कि 'देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है। मैं यह शब्द भी नहीं कहता। इरादे बहुत सकारात्मक हैं।

इस साल की शुरुआत में भारत में होने वाले 2026 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच रिश्ते खराब हो गए थे। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बांग्लादेश ने अंततः टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। इस विवाद से पहले तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ उनके आईपीएल 2026 कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज कर दिया गया था।

इस घटनाक्रम पर तमीम ने माना कि संकट को संभालने में बांग्लादेश के प्रशासन से गलती हुई थी और कहा कि राजनीतिक विवादों की वजह से बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम इस मामले को और बेहतर ढंग से सुलझा सकते थे। देखिए, मुस्तफिजुर का मामला ऐसा था जिससे पूरा देश निराश था। मैं आज भी यही कहता हूं; मैंने उस दिन भी कहा था कि ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था।

यह किसी भी तरह से सही नहीं था; ऐसा कभी नहीं किया जाना चाहिए था। उस समय मैंने इसका समर्थन किया था; मैं अब भी यही कह रहा हूं, लेकिन हम वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। जब हम पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई हुए थे, तो बांग्लादेश में हर किसी ने जबरदस्त जश्न मनाया था।

टीम के लिए जी जान लगा देते हैं वैभव सूर्यवंशी: शतक की परवाह नहीं; नौ महीने में सात बार नर्वस 90 के शिकार हुए

बंगलूरू , 31 अगस्त (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से रन तो लगातार निकल रहे हैं, लेकिन शतक उनसे जैसे रूठा हुआ है। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए 15 साल के वैभव एक बार फिर शतक से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 81 गेंद में 92 रन की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन छह रन और बनाते तो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा कर लेते। यह पिछले नौ महीनों में सातवां मौका है, जब वैभव नर्वस-90s में आउट हुए हैं। इनमें ज्यादातर मौकों पर उन्होंने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवाया है। यह दिखाता है कि वह टीम के लिए जी जान लगा देते हैं और पर्सनल इंटरेस्ट या माइलस्टोन को बीच में नहीं आने देते।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र का अर्धशतक

सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए थे। इसके जवाब में ईस्ट जोन को वैभव और अभिमन्यु ईश्वरन ने तेज शुरुआत दिलाई। वैभव ने 42 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ उन्होंने दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में 50 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड लक्ष्मण सिंह के नाम था, जिन्होंने 1968-69 में 16 साल 23 दिन की उम्र में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज

खिलाड़ी	साल	उम्र
वैभव सूर्यवंशी	2026	15 साल 175 दिन
लक्ष्मण सिंह	1969	16 साल 23 दिन
पीयूष चावला	2005	16 साल 307 दिन

92 रन पर फिर आक्रामक शॉट खेलकर गंवाया विकेट

वैभव ने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के लगाए। वह शुरुआत से ही सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर दबाव बनाते रहे। हालांकि, 92 रन के स्कोर पर हर्ष दुबे की गेंद को छक्के के लिए भेजने की कोशिश में वह आउट हो गए। वैभव की यह आदत नई नहीं है। 90 के दशक में पहुंचने के बाद भी वह अपना आक्रामक अंदाज नहीं छोड़ते। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों में कई बार वह शतक से कुछ रन पहले अपना विकेट गंवा चुके हैं।

कब-कब 90s में आउट हुए वैभव?

वैभव के पिछले सात 90s के स्कोर पर नजर डालें तो इनमें रणजी ट्रॉफी, आईपीएल, श्रीलंका ए और अब दलीप ट्रॉफी शामिल हैं।

श्रीलंका ने नहीं खोई उम्मीद: एसएलसी को महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का भरोसा

सुधारवादी कदम उठाने पर जोर

कोलंबो, 31 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के अंतरिम क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि वह खेल प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच अगले साल होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी देश में बनाए रखने के लिए बुनियाद से ही सुधारवादी कदम उठाएगा। देश के खेल मंत्री द्वारा नियुक्त अंतरिम समिति के अध्यक्ष एरन विक्रमरत्ने ने कहा कि उनकी समिति श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के प्रशासन में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

अगले साल फरवरी में होना है टूर्नामेंट

विक्रमरत्ने ने कहा, 'हम बुनियाद से ही सुधार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम पीछे नहीं हट रहे हैं।' हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। छह टीम का यह टी20 टूर्नामेंट फरवरी 2027 में आयोजित होना है, लेकिन ऐसी संभावना है कि एसएलसी के प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण इसे श्रीलंका से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। अंतरिम समिति में शामिल अधिकारी प्रकाश शाफ्टर ने कहा कि करीब ढाई महीने पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संकेत दिया था कि वह श्रीलंका के अलावा किसी वैकल्पिक स्थल की तलाश कर रहा है।

संगकारा बोले- आईसीसी के साथ काम करने की जरूरत

शाफ्टर ने सोमवार को कहा, 'हालांकि उन्होंने एसएलसी से जुड़े प्रशासनिक मुद्दों के कारण अपने फैसले के बारे में हमें स्पष्ट रूप से नहीं बताया है, लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उन्हें अब तक उठाए गए कदमों से अवगत करा पाएंगे और उन्हें यहां टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए मना सकेंगे।' श्रीलंका के पूर्व कप्तान और अंतरिम समिति के सदस्य कुमार संगकारा ने कहा कि आईसीसी के साथ करीबी सहयोग से काम करने की जरूरत है। संगकारा ने कहा, हम नए संविधान को तैयार करने और उसके बाद निर्वाचित निकाय के गठन के चरण से गुजर रहे हैं।

मौजूदा अंतरिम समिति का गठन अप्रैल में किया गया था। इससे पहले तत्कालीन एसएलसी प्रशासन को कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने को कहा गया था। इसके बाद खेल मंत्री ने एसएलसी के संविधान और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव के उद्देश्य से मौजूदा समिति का गठन किया था। हालांकि आईसीसी सदस्य देशों के क्रिकेट प्रशासन में राजनीतिक हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं है।

कोहली ने बनवाया एक और टैटू
विराट का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल, विंडीज सीरीज से पहले किया बदलाव

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 18 शानदार साल पूरे कर चुके हैं। इसी बीच,वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले कोहली ने अपने टैटू कलेक्शन में एक और नया डिजाइन शामिल कर लिया है। कोहली ने हाल ही में अपने बाएं हाथ पर एक नया स्लीव टैटू बनवाना शुरू किया है। उनके बाएं बाइसेप्स के पास एक नया टैटू उकेरा गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस तस्वीर और टैटू ने एक बार फिर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

कैसा है नए टैटू का डिजाइन?

सामने आए शुरुआती दृश्यों के मुताबिक यह नया डिजाइन पानी की सतह पर किसी बूंद के गिरने से बनने वाली लहरों जैसा प्रतीत होता है। हालांकि, कोहली ने अभी तक इस नए टैटू के पीछे के अर्थ या प्रेरणा के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई खुलासा नहीं किया है, इसलिए इसके असली मायने क्या हैं, यह जानने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा। टैटू के काम को लेकर जानकारी सामने आई है कि इस नए डिजाइन पर अब तक पांच सेशन पूरे हो चुके हैं, लेकिन काम अभी भी प्रगति पर है और इसे पूरी तरह तैयार होने में कुछ और समय लगेगा।

'खिलाड़ियों ने मुश्किल हालातों में शानदार क्रिकेट खेला' टीम के प्रदर्शन से गदगद इंग्लिश कप्तान रूट

लंदन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है। इंग्लिश कप्तान जो रूट ने टीम के प्रदर्शन की जमकर सराहना की है। मैच के बाद उन्होंने कहा, अच्छा लग रहा है और मुझे लगता है कि जिस तरह से हमने यह जीत दर्ज की है, वह काफी प्रभावशाली रहा है। खिलाड़ियों ने मुश्किल हालात में शानदार क्रिकेट खेला, खासकर बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने चुनौतियों का बहुत अच्छे से सामना किया है। उन्होंने अलग-अलग तरह की पिचों पर अच्छी लय हासिल की है और मौजूदा हालात में बेहतरीन स्कोर बनाए। रूट ने आगे कहा, अगर गेंदबाजी की बात करें, तो हमारी टीम में तीन ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो 90 मील प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं, ओली रॉबिन्सन भी हैं, जो मौजूदा परिस्थितियों में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी गेंदबाज एक-दूसरे का अच्छा साथ देते हैं और लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। हम जितना ज्यादा साथ खेलेंगे और मैदान पर समय बिताएंगे, उतना ही एक-दूसरे को बेहतर समझ पाएंगे। इससे मुझे कप्तान के तौर पर और उन्हें खिलाड़ियों के तौर पर फायदा मिलेगा। यही वजह है कि वेस्ट इंडीज दौरे को लेकर भी हमारी टीम के पास काफी सकारात्मक बातें हैं।

बल्लेबाजों की प्रशंसा करते हुए इंग्लिश कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि हालात चाहे जैसे भी हों, जब टीम का स्कोर 4 विकेट पर 80 रन हो, तो खिलाड़ियों की सोच और जिस तरह से उन्होंने पारी के दूसरे हिस्से में खेला और हमें उस स्कोर तक पहुंचाया वह शानदार था। कुछ बेहतरीन साझेदारियां हुईं। खासकर रविवार को डैन लॉरेंस और एमिलियो ने जिस तरह से खेला- दोनों के खेलने के तरीके बहुत अलग थे, लेकिन उन्होंने हमारे लिए बहुत अहम रन बनाए और हमें एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

रूट ने आगे कहा, उस पिच पर इतने रनों का पीछा करना उनके लिए हमेशा से मुश्किल होने वाला था, और जिस तरह से हमारे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हैं और जैसे हालात हैं, हमारे लिए इतना स्कोर काफी था। इन खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करते देखकर बहुत अच्छा लगा। जॉर्डन कॉक्स ने भी हेडिंग्ले में मिली शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाया। आगे बढ़ने के लिए बहुत सी अच्छी बातें हैं, और जाहिर है कि इस सीरीज की शुरुआत करने का यह एक अच्छा तरीका है।

बाबर आजम ने बल्लेबाजों को ठहराया लॉर्ड्स टेस्ट की हार के लिए जिम्मेदार

लंदन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 194 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड से मिले 389 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में पाकिस्तान की पूरी टीम 194 रन बनाकर ढेर हो गई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। मैच के बाद कप्तान ने कहा,मुझे लगता है कि हमने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, क्योंकि आसमान में बादल छाए हुए थे और हम हालात का फायदा उठाना चाहते थे। हमने कंडिशंस का सही इस्तेमाल किया और शुरुआत में जल्दी विकेट चटकाए, और हम उन्हें 290 रनों पर रोकने में सफल रहे। हालांकि, बैटिंग में हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। दूसरी पारी में भी हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा। खासतौर पर मोहम्मद अब्बास ने बेहतरीन स्पेल डाला और 5 विकेट चटकाए। हालांकि, एक बार फिर हमारी बल्लेबाजी बुरी तरह से लड़खड़ा गई। सऊद शकील जिस तरह से खेल रहे थे, वह अपनी क्लास और समर्पण दिखा रहे थे। बाबर आजम ने इंग्लैंड के प्रदर्शन की तारीफ की और उन्हें जीत का हकदार बताया। पाकिस्तान के कप्तान ने लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ₹हां, बहुत बढ़िया। लॉर्ड्स में अब्बास का, खासकर पांच विकेट लेना, मुझे लगता है कि यह उनके लिए एक यादगार पल है।₹ सीरीज में लगातार दो हार के बाद टीम के प्रदर्शन में सुधार को लेकर बात करते हुए बाबर ने कहा, ₹सच कहूं तो, हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा पास मौका था, लेकिन हम उसे भुनाने में नाकाम रहे। बैटिंग और बॉलिंग में हमसे थोड़ी चूक हुई, इसलिए हम आखिरी मैच में बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

दूसरे टेस्ट में मिली हार के साथ ही पाकिस्तान ने टेस्ट सीरीज भी गंवा दी है। पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को एक पारी और 103 रनों से हराया था। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान की टीम लगातार चार पारियों में 200 रनों से कम स्कोर पर ऑलआउट हुई। सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच 9 सितंबर से एजबेस्टन के मैदान पर खेला जाएगा।

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए गांव-गांव पहुंच रही सरकार : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं अन्य विभागों के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से प्रदेश में जनकल्याण और विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने आशीर्वाद देकर कांग्रेस को सत्ता सौंपी है और सरकार जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है।

चापगनी तांडा में आयोजित मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 'पल्ले पल्ले को पोन्नम अन्ना-पल्ले पल्ले लो प्रजा पालना' कार्यक्रम के तहत गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार द्वारा किए गए वादों को जारी रखते हुए वर्तमान सरकार ने कई नई कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू की हैं।

मंत्री के अनुसार, राज्य में 53 लाख परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली तथा 45 लाख परिवारों को गैस सब्सिडी दी जा रही है।

कृषि एवं किसान कल्याण के लिए सरकार ने 1.68 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि धान खरीद पर करीब 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 रुपये है, जो देश की प्रति व्यक्ति आय से करीब 91 प्रतिशत अधिक है। राज्य में 16 लाख नए राशन कार्ड जारी किए गए हैं और पात्र परिवारों को सन्ना चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों के संबंध में उन्होंने कहा कि महिला समूहों को 60,487 करोड़ रुपये के ऋण उपलब्ध कराए गए हैं तथा करीब 1,900 करोड़ रुपये की ब्याज सब्सिडी प्रदान की गई है।

महिला ने छह साल की बेटी के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या की

मंचेरियल, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डंडेपल्ली मंडल के लिंगापुर गांव में एक महिला ने अपनी छह साल की बेटी को कमर से बांधकर कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। माना जा रहा है कि आत्महत्या के पीछे पारिवारिक झगड़े वजह थे।

पुलिस ने बताया कि अंजाया की पत्नी गोटला राजिता ने कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। यह कदम उठाते समय उसने अपनी बेटी अक्षिता को कमर से बांधकर उसकी हत्या कर दी। दोनों के शव कुएं से निकाल लिए गए हैं।

हालांकि सही वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पता चला है कि आत्महत्या करने से पहले बेटी की हत्या करने के पीछे पारिवारिक झगड़े हो सकते हैं। उसने अपने तीन साल के बेटे को अपने एक रिश्तेदार को सौंप दिया था। घटना के समय उसका पति घर से बाहर था। उसकी शादी आठ साल पहले अंजाया से हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

एक व्यक्ति के अंग दान से चार मरीज़ों को मदद मिली

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल मल्काजगिरी के अलवाल, याप्राल के बापूजी नगर के रहने वाले 25 वर्षीय बी विशाल, जिन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया था, के परिवार वालों ने राज्य सरकार की अंग दान पहल के तहत ज़रूरतमंद मरीज़ों को उनके अंग दान कर दिए।

23 अगस्त को, विशाल, जो अपने पिता का कारोबार संभालते थे, नेरेडमेट के पास एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए, जब वे एक अन्य व्यक्ति की मदद करने की कोशिश कर रहे थे। विशाल की मोटरसाइकिल फिसल गई और सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। तुरंत, उनके परिवार वालों ने उन्हें आपातकालीन इलाज के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर, डॉक्टरों की टीम ने सोमवार को उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया।

युवक के पिता, बालू भाई ने अपने ब्रेन-डेड बेटे की किडनी (02), लिवर (01) और दिल (01) दान करने का नेक फ़ैसला किया और इस तरह चार ज़रूरतमंद मरीज़ों की मदद की; 'जीवनदान' ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'जीवनदान तेलंगाना' ने विशाल के परिवार का आभार व्यक्त किया है, जिनके नेक फ़ैसले से कई जानें बची हैं।

नर्स की हत्या और दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ पुलिस ने 21 वर्षीय महिला की हत्या और दुष्कर्म के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी मोहम्मद सनाउल्लाह (34) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, तकनीकी साक्ष्यों और जांच के दौरान मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर आरोपी को 30 अगस्त की शाम गिरफ्तार किया गया। शिकायत मिलने के करीब 30 घंटे के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस की त्वरित कार्रवाई को दर्शाती है। डीसीपी शमशाबाद राजेश के मुताबिक, मृतका अपनी मां की बहन (मौसी) के परिवार के साथ करीब एक वर्ष पहले रोजगार के सिलसिले में महेश्वरम आई थी। करीब सात महीने पहले वह अपनी सहेली काका सारिका के साथ हैदराबाद आई और तुक्कुगुड़ा स्थित प्राइम केयर अस्पताल में नर्स के रूप में काम करने लगी। दोनों अस्पताल के आवासीय कमरों में रह रही थीं।

29 अगस्त को दोपहर करीब 2:30 बजे सारिका ने मृतका की मौसी को फोन कर बताया कि वह सुबह से कमरे से बाहर नहीं आई है और बार-बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। इसके बाद खिड़की से कमरे में प्रवेश करने पर महिला खून से लथपथ अवस्था में मृत मिली। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी मोहम्मद सनाउल्लाह तुक्कुगुड़ा में श्री भाग्य लक्ष्मी बाइक मैकेनिक शॉप में काम करता था और वहीं रहता था।

मूल रूप से बिहार के बेगूसराय जिले का निवासी सनाउल्लाह वर्ष 2023 में हैदराबाद आया था। पुलिस के अनुसार, करीब दो माह पहले वह तुक्कुगुड़ा आया और मैकेनिक की दुकान पर काम करने लगा। पुलिस का आरोप है कि आरोपी ने मृतका को दुकान के पीछे की खिड़की से देखा था और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने लगा था। जांच के अनुसार, 28 और 29 अगस्त की दरम्यानी रात करीब 12:30 बजे आरोपी कथित रूप से खिड़की के रास्ते मृतका के कमरे में दाखिल हुआ। महिला के जागने और शोर मचाने पर उसने कथित तौर पर उसका मुंह दबाया। संघर्ष के दौरान महिला ने आरोपी की बायीं छोटी उंगली पर काट लिया तथा उसके गले और सीने के बायीं ओर खरोंच के निशान आए।

पुलिस के अनुसार, इसके बाद आरोपी ने महिला पर हमला कर उसे काबू में किया और कथित रूप से दुष्कर्म करने के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

नर्स की हत्या पर पूर्व मंत्री हरीश राव ने जताया आक्रोश

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के डिप्टी फ़्लोर लीडर एवं पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर नर्स के रूप में सेवा दे रही एक युवती की हत्या की घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद दुष्कर्म की खबरें सामने आना और भी चिंताजनक है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के शासन में तेलंगाना में न केवल लोगों की संपत्ति, बल्कि उनके जीवन की सुरक्षा भी सवालों के घेरे में आ गई है। उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े हत्या, लूट और दुष्कर्म की घटनाएं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर रही हैं। ऐसे में सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

बेटी की यूएस में हो रही शादी में वर्चुअली रस्में निभाईं

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूर्यापेट ज़िले के एक जोड़े के लिए, हज़ारों किलोमीटर की दूरी भी उन्हें अपनी बेटी की शादी का हिस्सा बनने से नहीं रोक पाई। यूएस न जा पाने के कारण, वे शादी की रस्मों में वर्चुअली शामिल हुए और लाइवस्ट्रीम के ज़रिए पारंपरिक रस्मों में हिस्सा लिया।

उनकी इकलौती बेटी हिमाबिंदु यूएस में रहती हैं, ने शुक्रवार रात एनटीआर ज़िले के रहने वाले रोहित कुमार से शादी की। हालांकि, हिमाबिंदु के माता-पिता, जयाराजू और ज्योति, शादी की जगह पर व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं हो सके। इसके बजाय, उन्होंने ऑनलाइन शादी देखी और तेलंगाना से ही जश्न में हिस्सा लिया।

शादी की रस्मों के दौरान, जब हिमाबिंदु और रोहित शादी की कसमें ले रहे थे, तो माता-पिता ने 'अक्षितालु' (नवविवाहितों को आशीर्वाद देने के लिए पारंपरिक रूप से इस्तेमाल होने वाले पवित्र चावल) उठाए और स्क्रीन की तरफ़ बरसाए। इस वर्चुअल रस्म ने माता-पिता को दूर होने के बावजूद अपनी बेटी की शादी का एक अहम हिस्सा निभाने का मौका दिया।

हिमाबिंदु के लिए, माता-पिता का शादी में शामिल होने का मतलब था कि उनका आशीर्वाद भी इस मौके का हिस्सा बना रहा। जयाराजू और ज्योति के लिए, लाइवस्ट्रीम ने उन्हें अपनी इकलौती बेटी की शादी देखने और उस परंपरा में हिस्सा लेने का मौका दिया, जिसे वे शायद नहीं देख पाते।

यह शादी एक और उदाहरण है कि कैसे टेक्नोलॉजी परिवारों को भौगोलिक दूरी के बावजूद अहम मौकों का हिस्सा बने रहने में मदद कर रही है। हालांकि वर्चुअल कनेक्शन व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने की जगह नहीं ले सकता, लेकिन इसने माता-पिता को अपनी बेटी के साथ एक अहम पल साझा करने का मौका दिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव के प्रयास में युवा कांग्रेसी गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किड़ी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय, नामपल्ली के घेराव का प्रयास करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने भाजपा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कथित तौर पर किए गए व्यवहार तथा छात्रों पर पेलेट गन के इस्तेमाल की घटना का विरोध किया। युवा कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इन घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की।

उन्होंने भाजपा के कथित रवैये के विरोध में प्रदेश भाजपा कार्यालय पर काला रंग पोतकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा के झंडे के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला भी जलाया गया।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा अपनी मांगों के समर्थन में विरोध जताया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया और युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जक्किड़ी शिव चरण रेड्डी सहित कई नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस थाने पहुंचाया।

युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वे भाजपा के कथित रवैये के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेंगे और छात्रों के मुद्दों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगते रहेंगे। वहीं, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए भाजपा कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

भाजपा कार्यालय पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले की निंदा

लोकतांत्रिक मर्यादाओं के पालन की अपील

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेताओं ने नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित हमले की कड़ी निंदा की है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में लोकतंत्र के प्रति सम्मान और राजनीतिक मर्यादाओं के प्रति न्यूनतम जिम्मेदारी का भी अभाव दिखाई दे रहा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र को दबाने और असहमति के स्वर को कठोरता से कुचलने वाली इंदिरा गांधी के आपातकाल की तानाशाही प्रवृत्ति को कांग्रेस कार्यकर्ता विरासत में लेते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में आपातकाल आज भी एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है।

भाजपा नेताओं ने नामपल्ली स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कथित हमले को बेहद गंभीर और निंदनीय बताते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों का समाधान लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम से होना चाहिए, न कि हिंसा और दबाव के जरिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के तारनाका स्थित आवास को भी निशाना बनाने का प्रयास किए जाने की सूचना मिल रही है।

स्थिति को देखते हुए रामचंदर राव के आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक बहस के बजाय धमकी और दबाव की राजनीति करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए उचित नहीं है।

विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (दक्षिणी यूरोप) अल्पना दुबे ने सोमवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में राज्य के आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू से शिष्टाचार भेंट की।

कांग्रेस सरकार ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए : कोप्पुला ईश्वर

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर उसके खिलाफ तीखा हमला बोला। सोमवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता में आने से पहले जनता से किए गए वादों को पूरा करने के बजाय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), के.टी. रामाराव और हरीश राव को निशाना बनाने में लगी हुई है। कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि कांग्रेस को लगता है कि जनता चुनावी वादों को भूल चुकी है, लेकिन बीआरएस पार्टी कांग्रेस सरकार के कथित वादाखिलाफी को लेकर सप्ताहभर तक जनता के बीच अभियान चलाएगी। उन्होंने बताया कि 2 सितंबर को कांग्रेस सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की जाएगी और सभी विधानसभा क्षेत्रों में धरना दिया जाएगा। 3 सितंबर को किसान सम्मेलन, 5 सितंबर को युवा रैलियां और 6 सितंबर को सिंगरेनी खदानों के पास विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। 7 सितंबर को विभिन्न समस्याओं को लेकर 'प्रजावाणी' में आवेदन सौंपे जाएंगे, जबकि 10 सितंबर को कर्मचारियों के आंदोलनों को बीआरएस समर्थन देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने किसान डिक्लेरेशन में नौ वादे किए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। चेवेल्ला में डिक्लेरेशन के नाम पर एससी-एसटी समुदायों को गुमराह करने और दलित बंधु योजना के तहत 12 लाख रुपये देने का वादा कर धोखा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में यूथ डिक्लेरेशन जारी कर युवाओं को भ्रमित किया गया तथा चुनाव से पहले जारी किए गए जॉब कैलेंडर पर भी अमल नहीं हुआ।

तालाब में डूबने से दो नाबालिगों की मौत

मुलुगु, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले की मुलुगु नगरपालिका के गणेशलालपल्ली में एक तालाब में डूबने से दो नाबालिग छात्रों (जो आपस में भाई थे) की मौत हो गई। मृतक मालोथ विनय (15) और उसका भाई राजेश (14) - जो क्रमशः इंटरमीडिएट और एसएससी में पढ़ रहे थे, शुक्रवार को राखी का त्योहार मनाने के लिए अपनी माँ स्वाति के साथ गणेशलालपल्ली आए थे। रविवार शाम को, दोनों मोंडीकुंटा तालाब के पास गए। जब छोटा भाई राजेश गलती से तालाब में गिर गया और डूबने लगा, तो उसके भाई विनय ने उसे बचाने की कोशिश की। इस दौरान विनय भी पानी में गिर गया। दोनों डूब गए और उनकी मौत हो गई।

घटना को देखने वाले एक लड़के ने ग्रामीणों को सूचित किया, जो तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चों की तलाश शुरू की। जब तक उन्हें लड़के मिले, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

'धरणी' से भी बदतर है 'भू-भारती', 22ए से 50 लाख लोग परेशान : रामचंदर राव

'भू भारती 'के विरोध में सिद्दिपेट में भाजपा का धरना-प्रदर्शन

सिद्दिपेट, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के भूमि संबंधी गलत और अविवेकपूर्ण फैसलों के कारण राज्य के लाखों किसान और आम नागरिक गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। 22ए निषिद्ध सूची में जमीनों को शामिल किए जाने के विरोध में सिद्दिपेट में सांसद रघुनंदन राव के साथ आयोजित विरोध प्रदर्शन में उन्होंने सरकार पर जमकर निशाना साधा।

रामचंदर राव ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले किसानों को 12 हजार की जगह 15 हजार रुपये किसान भरोसा देने और काश्तकार किसानों को भी किसान बंधु का लाभ देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सबसे अधिक आत्महत्याएं काश्तकार किसानों की हो रही हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि आम किसान अपनी जमीन को न तो सुरक्षित रख पा रहा है, न अपने नाम से अधिकारपूर्वक दर्ज करा पा रहा है और न ही उसे बेच पा रहा है।

बैंक में जमीन गिरवी रखकर ऋण लेने में भी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि 22ए निषिद्ध सूची के कारण मल्काजगिरी, चेवेल्ला और सिद्दिपेट सहित कई क्षेत्रों में लाखों एकड़ जमीन और प्लॉट प्रभावित हुए हैं तथा राज्यभर में करीब 50 लाख लोग इससे परेशान हैं। बच्चों की पढ़ाई और बेटियों की शादी जैसी जरूरतों के लिए जमीन बेचने में असमर्थ परिवारों में भय का माहौल है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछली सरकार के 'धरणी' के बाद कांग्रेस सरकार की 'भू-भारती' व्यवस्था भी लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ही रियल एस्टेट की तरह काम कर रही है और भूमि विवाद पैदा कर गरीबों की जमीन हड़पने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने सरकार से 22ए सूची में जमीनों को शामिल करने के कारणों पर तत्काल श्वेतपत्र जारी करने तथा पूरे मामले की समग्र न्यायिक जांच कराने की मांग की। रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा किसानों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

प्यार में नाकाम होने के बाद कॉन्स्टेबल ने की खुदकुशी

हैदराबाद, 31 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को अंबरपेट स्थित अपने घर पर आर्म्ड रिज़र्व के एक कॉन्स्टेबल ने कथित तौर पर प्यार में नाकाम होने के बाद खुदकुशी कर ली।

मृतक की पहचान पेटलाबुर्ज में तैनात कॉन्स्टेबल निभाष (25) के रूप में हुई है। वह तिरुमाला नगर में रहते थे और कथित तौर पर एक युवती के साथ रिलेशनशिप में थे। हालांकि, बताया जा रहा है कि युवती के परिवार वाले उनकी शादी के खिलाफ थे।

अंबरपेट के इंस्पेक्टर किरण कुमार के अनुसार, निभाष ने अपने कुछ दोस्तों को व्हाट्सएप मैसेज भेजकर बताया था कि वह यह कदम उठाने जा रहे हैं। मैसेज देखकर घबराए दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। जब तक वे उनके घर पहुंचे, निभाष साड़ी के सहारे छत के पंखे से लटके हुए पाए गए। अंबरपेट पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.